आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:37 तक
उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 9 जुलाई 2025
वर्ष 3 , अंक 319, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क 12

आप में से कई बन सकते हैं अंतरिक्ष यात्री 14

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी सड़क हादसे में घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हापुड़ में उनकी गाड़ी काफिले की पुलिस एस्कॉर्ट जीप से भिड़ी
- सिर में चोट, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जाना हाल

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। दुर्घटना हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास हुआ, जब उनकी एक्सयूवी पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से टकरा गई। गुलाब देवी को सिर व हाथ में चोट आई है। उन्हें तुरंत रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुलाब देवी (70) मंगलवार दोपहर दिल्ली से बिजनौर की ओर जा रही थीं। उनके काफिले में सबसे आगे चल रही एक निजी गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने पर पुलिस जीप को भी तेज ब्रेक लगानी पड़ी। जीप के पीछे चल रही गुलाब देवी की एक्सयूवी, पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी पिछली सीट पर बैठी थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने फोन पर हालचाल लिया। देर शाम गुलाब देवी ने फेसबुक पोस्ट में कहा है कि उनकी स्थिति स्थिर है।

कांवड़ यात्रा में आपराधिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर, होगी सख्ती

सरकार ने दिए सुरक्षा व सुविधाओं के समुचित इंतजाम के निर्देश, मुख्य सचिव और डीजीपी ने मेरठ में लिया तैयारियों का जायजा

- बैठक में शामिल रहे उत्तराखंड, दिल्ली हरियाणा व राजस्थान के अफसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मंगलवार को मेरठ पहुंचे मुख्य सचिव मनोज कुमार और डीजीपी राजीव कृष्ण।

अमृत विचार : कांवड़ यात्रा में अपराधिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने प्रशासन, पुलिस, नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को सुरक्षा व सुविधाओं के समुचित इंतजाम के निर्देश दिए हैं।

इस बीच, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह व डीजीपी राजीव कृष्ण ने मेरठ पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। राजधानी में नगर विकास व ऊर्जा मंत्री मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में कहा कि श्रद्धालुओं को असुविधा होने की स्थिति में संबंधित अफसरों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मेरठ में भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव व डीजीपी ने बाबा औघड़नाथ मंदिर पहुंचकर कांवड़ से संबंधित सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जलाभिषेक किया। वर्चुअल माध्यम से जुड़े पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा की तैयारी की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि कांवड़ यात्रा का सकुशल संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मंडलों के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अन्य राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए। खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि होटलों, ढाबों व शिविर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच का प्रबंध करें।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि कांवड़ यात्रा में डीजे पर फूहड़ व अश्लील गाने न बजें। रूट डाइवर्जन स्थानीय लोगों को अवगत कराते हुए किया जाय। वाहनों की गति पर नियंत्रण रखें। घटना होने पर शीघ्र कार्रवाई करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को पड़ोसी राज्यों से समन्वय रखें।

आतंकी खतरे के मद्देनजर रहे सुरक्षा

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा में पूर्व के वर्षों की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर कानून व्यवस्था की दृष्टि से उत्पन्न हुईं चुनौतियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाएं, ताकि इस वर्ष किसी भी प्रकार की पुनरावृत्ति न हो। आतंकवादी खतरों को मद्देनजर रखते हुए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। आगामी कांवड़ मेला की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की।

एक नजर

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई जालंधर ने मंगलवार को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा पंजाब और मध्य प्रदेश में रची गई हत्या की साजिश को नाकाम करते हुए गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो पिस्तौल बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी की पहचान कपूरथला के फगवाड़ा निवासी हिमांशु सूद के रूप में हुई है। उसके पास से दो पिस्तौल, एक .30 बोर की चीन निर्मित पीएक्स3 पिस्तौल और एक .32 बोर की पिस्तौल, के साथ दो मैगजीन और सात कारतूस बरामद हुए हैं। हिमांशु दुबई स्थित अपने हैंडलर नमित शर्मा के निर्देशों पर एक अंतर्राज्यीय गिरोह चला रहा था।

बीजापुर में बारूदी सुरंग में विस्फोट, दो जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिमापुर-मुरदण्डा मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को आवापल्ली-बासागुड़ा मार्ग पर गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब तिमापुर-मुरदण्डा गांव में था तभी नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए।

सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री बोले-जमालुद्दीन को ऐसी सजा मिलेगी जो नजीर बनेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बलरामपुर : धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर।

- कहा, आरोपी की गतिविधियां समाज और राष्ट्र की विरोधी
- आरोपी और गिरोह से जुड़े सभी लोगों की संपत्ति जब्त की जाएगी

छांगुर बाबा जैसे लोग और इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए चुनौती हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए संकल्पित है।
– भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां राष्ट्र विरोधी हैं। योगी ने साफ कहा कि इस गिरोह के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने साथ उनकी संपत्तियां भी जब्त होंगी। योगी के मुताबिक राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक नजीर बने।

योगी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जमालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। राज्य सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन पर बनीं छांगुर बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर

उतरौला, बलरामपुर। स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को भारी पुलिस फोर्स के साथ सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने छांगुर बाबा की कोठी को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। धर्मांतरण गैंग का मुख्य आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा बीते वर्ष एटीएस तथा एसटीएफ का शिकंजा कसने के बाद यह भूमिगत हो गया था। विदेश से करीब 100 करोड़ की फंडिंग लेकर छांगुर बाबा ने धर्मांतरण का कार्य शुरू किया था। साथियों की गिरफ्तारी के बाद बीती पांच जुलाई को एटीएस की टीम ने जमालुद्दीन को लखनऊ से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसके द्वारा अर्जित की गई संपत्तियों की छानबीन में पाया गया कि उतरौला कस्बे से सटा मधपुर में बना उसका आलीशान मकान (गाटा संख्या 337 व 370) मकान पूरी तरह से अवैध है। इस मकान को छांगुर बाबा ने अपनी करीबी नीतू रोहरा के नाम से बनवाया था। उतरौला तहसीलदार ने गत 16 व 27 मई को नोटिस जारी कर जमालुद्दीन को घर खाली करने का आदेश दिया था। घर न खाली होने पर सोमवार शाम प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया था। मंगलवार सुबह तीन बुलडोजर चलाकर जमालुद्दीन की अवैध कोठी को पूरी तरह धराशाई कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि उसके द्वारा अर्जित की गई अन्य संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली। वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अहमदाबाद में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बारे में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट विमानन मंत्रालय को सौंप दी है।

सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि यह रिपोर्ट प्रारंभिक जांच में मिली जानकारी पर आधारित है और मंत्रालय के साथ-साथ यह अन्य हितधारकों के साथ भी साझा की गई है। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का यह विमान 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इनमें विमान में सवार चालक दल के सदस्यों सहित 241 लोग भी शामिल थे।

- दुर्घटनाग्रस्त हुआ था एयर इंडिया का विमान

विमान में सवार एक व्यक्ति सौभाग्य से सुरक्षित बच गया था। यह विमान हवाई अड्डे के निकट के मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के ऊपर पड़ा था जिससे कई मेडिकल छात्रों और अन्य लोगों की भी हादसे में मौत हुई थी। जांच प्रोटोकाल के अनुसार जांच एजेन्सी को एक महीने के अंदर प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपनी होती है। इस रिपोर्ट को तैयार करने में सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन किया जा रहा है।

भारत के साथ व्यापार समझौते के करीब : ट्रंप

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने उच्च शुल्क निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ाया
- राष्ट्रपति बोले-शुल्क का विवरण देते हुए देशों को भेज रहे पत्र

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता तभी स्वीकार करेगा जब वह राष्ट्रीय हित में होगा। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। भारत ने अब तक हस्ताक्षरित अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र के दरवाजे नहीं खोले हैं।

अमेरिका को लूट रहे हैं कुछ देश

ट्रंप ने कहा कि हम विभिन्न देशों को पत्र भेजकर बता रहे हैं कि उन्हें कितना शुल्क देना होगा।' बांग्लादेश, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। ट्रंप ने कहा कि ये देश अमेरिका को लूट रहे हैं और हम पर ऐसे शुल्क लगा रहे हैं जो पहले नहीं लगाए।

पुलवामा हमले के लिए ऑनलाइन खरीदा गया था विस्फोटक पदार्थ

नई दिल्ली, एजेंसी

एफएटीएफ की रिपोर्ट

- आतंकवाद के वित्तपोषण में किया जा रहा ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग

वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले और गोरखनाथ मंदिर में हुई 2022 की घटना का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि ई-कॉमर्स मंच और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। पुलवामा आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 कर्मियों की मौत हो गई थी। एफएटीएफ ने भारत में आतंकवादी हमले के लिए सामग्री की खरीद के मकसद से ई-कॉमर्स मंचों के इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमले में इस्तेमाल किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का एक प्रमुख घटक - एल्युमिनियम पाउडर-ई-कॉमर्स मंच के जरिए खरीदा गया था।

एफएटीएफ ने आतंकवादी वित्तपोषण जोखिमों पर अपने व्यापक अद्यतन में आतंकवाद को सरकार द्वारा प्रायोजित किए जाने को भी चिह्नित करते हुए कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विभिन्न स्रोतों और इस रिपोर्ट में प्रतिनिधिमंडलों के विचार से संकेत मिलता है कि कुछ आतंकवादी संगठनों को कई राष्ट्रों की सरकारों से वित्तीय और अन्य प्रकार का समर्थन प्राप्त होता रहा है और अब भी मिल रहा है। एफएटीएफ ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए जून में कहा था कि वित्तीय सहायता के बिना ऐसे हमले संभव नहीं थे। उसने कहा था कि वह 200 अधिकार क्षेत्रों वाले अपने वैश्विक नेटवर्क द्वारा उपलब्ध कराए गए मामलों को संकलित करते हुए आतंकवादी वित्तपोषण का व्यापक विश्लेषण करेगा। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की भारत की मांग

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाकर फरवरी 2019 में एक आत्मघाती बम विस्फोट किया गया था जिसके परिणामस्वरूप 40 सैनिक मारे गए थे। भारत के अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह हमला जैश-ए-मोहम्मद ने किया था। भारत कहता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है और आतंकवादियों का वित्त पोषण करता है। ऐसे में पाकिस्तान को एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में डाला जाना चाहिए।

मतदाता सूची में संशोधन पूरी तरह से समावेशी प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दलों के आरोपों पर बोला निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों द्वारा निशाना साधने के बीच मंगलवार को कहा कि यह प्रक्रिया समावेशी है। विपक्ष ने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए चुनाव आयोग पर हमले तेज कर दिए हैं।

उनका कहना है कि इस कवायद से करोड़ों मतदाता मताधिकार से वंचित सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमत हो गया। इस साल के अंत में बिहार में चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी), शिवसेना (उबाठा), समाजवादी पार्टी, झामुमो, माकपा और भाकपा (माले) लिबरेशन समेत कई विपक्षी दलों के नेताओं की संयुक्त याचिका शीर्ष अदालत में दायर की है। कई दूसरी याचिकाएं भी दायर की गई हैं।

मालवाहक जहाज की जब्ती का आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को विड़िण्गम बंदरगाह पर खड़े एक मालवाहक जहाज को सशर्त जब्त करने का आदेश दिया। यह आदेश गंभीर जहाज दुर्घटना और पर्यावरणीय क्षति को लेकर केरल राज्य द्वारा दायर 9,531 करोड़ रुपये के मुआवजे के मामले में दिया गया है। एमएससी अकीटेटा 2 नामक जहाज को जब्त करने का आदेश तब दिया गया जब राज्य ने एक अन्य जहाज के मालिकों और प्रबंधकों पर आरोप लगाया कि वे केरल तट पर गंभीर प्रदूषण फैला रहे हैं। यह जहाज भी उसी कंपनी एमएससी ईएलएसए 3 का प्रतीत होता है। केरल तट के पास 25 मई को एमएससी ईएलएसए 3 जहाज पलटकर डूब गया था, जिससे कथित तौर पर तेल और जहाज का माल बह गया था। इससे समुद्री पर्यावरण, तटीय क्षेत्र को नुकसान पहुंचा और हजारों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हुई।

- 9,531 करोड़ क्षति के मामले में हाईकोर्ट का निर्णय

बिहार में महिलाओं के लिए आरक्षण स्थायी निवासियों तक ही सीमित

पटना, एजेंसी

सरकार ने की घोषणा

- सरकारी नौकरियों में महिलाओं को दिया जाएगा 35 प्रतिशत आरक्षण

बिहार मंत्रिमंडल ने मंगलवार को निर्णय लिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण केवल राज्य की स्थायी निवासियों तक ही सीमित रहेगा। यह निर्णय राज्य में चुनाव से कुछ महीने पहले लिया गया है, जब सरकारी नौकरियों में अधिवास नीति लागू करने की मांग बढ़ रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने कहा कि मंत्रिमंडल ने सामान्य प्रशासन विभाग के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण को केवल बिहार की स्थायी निवासियों के लिए ही सीमित किया गया है। नई नीति से राज्य की स्थायी निवासी महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और नौकरी की सुरक्षा बढ़ेगी। सरकार ने 2016 में सभी स्तरों पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। पहले किसी भी राज्य की महिलाएं इसका लाभ ले सकती थीं। लेकिन, विधानसभा चुनाव से पहले अधिवास नीति लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद राजद की सरकार बनती है, तो वह अधिवास नीति लागू करेगी।

एसडीजी इंडेक्स में 29वें से 18वें स्थान पर पहुंचा उत्तर प्रदेश

वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों में यूपी परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी में पहुंचा

- मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की है पुष्टि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एसडीजी के सापेक्ष प्रदेश की प्रगति की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ने एसडीजी इंडेक्स में 29वें से 18वें स्थान पर छलांग लगाई है। वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में यूपी परफॉर्मर से फ्रंट रनर की श्रेणी में पहुंचा है।

मंगलवार को एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह उपलब्धि केवल स्कोर का मामला नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की पुष्टि है। योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक में वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के सापेक्ष उत्तर प्रदेश की प्रगति की समीक्षा की। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सतत विकास के हर क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018-19 में 42 अंकों के साथ परफॉर्मर श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश ने 2023-24 तक 25 अंकों की वृद्धि के साथ 67 का स्कोर हासिल कर फ्रंट रनर राज्यों की श्रेणी में प्रवेश किया है। 2018-19 में एसडीजी इंडेक्स में 29वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश आज 2023-24 में 18वें स्थान पर आ गया है।

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी राज्य द्वारा किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी एक राज्य द्वारा किया गया यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मिशन मोड में लागू किया जाए। ग्राम पंचायतों तक हर योजना की जानकारी पहुंचे और यह सुनिश्चित किया जाए कि अंतिम लाभार्थी तक उसका प्रभाव समय पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति हर विभाग, हर ज़िले और हर पंचायत का साझा दायित्व है।

समय पर और सटीक रूप से संकलित किया जाए डेटा

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि वास्तविक प्रगति का आकलन तभी संभव होगा जब सही डेटा समय पर और सटीक रूप में संकलित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों की एसडीजी प्रोफाइल बनाएं, उसे सार्वजनिक करें। उन्होंने कहा कि डेटा सिर्फ रिकॉर्ड नहीं है, यह नीतिगत फैसलों की नींव है। गलत या अधूरा डेटा न तो सही स्थिति दर्शाता है और न ही सही योजना को दिशा दे सकता है।

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद
अब दुनिया की पहली पसंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरूआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

हाउस ऑफ हिमालयाज
बेहतर गुणवत्ता

हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

ODOP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ
दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%
स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

नारायना हॉस्पिटल (इकाई नारायना मेडिकल कॉलेज)
सुपर स्पेशियालिटी – 1050 बेड सुसज्जित अस्पताल
गंगागंज, पनकी कानपुर
SUNDAY OPEN
अत्याधुनिक मशीनों द्वारा सुसज्जित एवं अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा परामर्श की सुविधा उपलब्ध है।
यह योजना भर्ती मरीज़ो के लिए मान्य होगी।
आयुष्मान योजना / ECHS / CGHS की सुविधा उपलब्ध
जनरल मेडिसिन विभाग | चर्म रोग विभाग | नेत्र रोग विभाग
दाँत रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | जनरल सर्जरी विभाग
स्त्री रोग विभाग | हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग | टी. बी. चेस्ट विभाग
नाक, कान व गला विभाग | नवजात शिशु व बाल रोग विभाग
*T&C Apply
समस्त प्रकार की बीमारियों का सम्पूर्ण इलाज एवं निःशुल्क ऑपरेशन
सभी जांचें एवं दवाइयों पर 50% तक की छूट
3 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2025 तक के लिए मान्य
यह निःशुल्क सेवा सीमित समय तक के लिए है, इस योजना का लाभ उठायें
OPD - प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक
● आँखों का ऑपरेशन (सफेद और काला मोतियाबिंद)
● डिलीवरी (नॉर्मल एवं ऑपरेशन विधि द्वारा) निःशुल्क
● पित्त की थैली का ऑपरेशन (ओपेन एवं दूरबीन विधि द्वारा)
● नाक, कान एवं गला (कान के पर्दे का ऑपरेशन, टेढी नाक, टॉन्सिल्स)
● हड्डी का उपचार एवं सभी प्रकार के ऑपरेशन निःशुल्क
24 घंटे इमरजेन्सी एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
Mob.:7800007704, 7800007705, 9918601150
www.narainamedicalcollege.com
Email: nhrc@narainagroup.net

जन्म प्रमाण पत्रों में लगे दस्तावेज की होगी जांच

एक्सक्लूसिव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बांग्लादेशी, रोहिंग्या के फर्जी प्रपत्र की शंका पर महापौर ने दिए जांच के आदेश
- अपर नगर आयुक्त प्रथम मो. आवेश को सौंपी जांच, मिली थीं गड़बड़ियां

अमृत विचार। नगर निगम के कार्यालयों में जन्म-प्रमाण पत्रों के लिए आ रहे आवेदन संदेह के घेरे में हैं। इनमें बांग्लादेशी, रोहिंग्या के भी फर्जी प्रपत्र होने की संभावना है। कई नाम संदिग्ध पाए गए हैं। ऐसे में महापौर प्रमिला पांडेय ने फार्मों की जांच के आदेश दे दिए हैं। अपर नगर आयुक्त मो. आवेश को यह काम सौंपा गया है। महापौर ने कहा है कि सभी फार्मों को रजिस्टर में अंकित कराये जाने की व्यवस्था के साथ ही प्रपत्रों की गहन जांच कराई जाए, और तय किया जाए कि फार्मों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या के फर्जी प्रपत्र तो नहीं है। उन्होंने इसकी रिपोर्ट तलब की है।

नगर निगम मुख्यालय और हर जोनल कार्यालयों में रोजाना करीब एक दर्जन आवेदन जन्म प्रमाण पत्र के लिए और इतने ही मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए आते हैं। स्कूलों के एडमिशन के समय जन्म प्रमाण पत्र बनवाने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। 27 जून को महापौर ने नगर निगम मुख्यालय स्थित जन्म मृत्यु कार्यालय, जोन-4 का औचक निरीक्षण किया था। इसमें पाया गया कि 178 जन्म प्रमाण-पत्र 6 माह से लम्बित थे, इसके अलावा कई प्रमाण पत्र व प्रपत्र के साथ ही रजिस्टर पाए गए। इसके बाद कार्यालय को ताला लगाकर सील कर दिया। महापौर ने जन्म प्रमाण पत्र के रजिस्टर के निरीक्षण में पाया कि रजिस्टर में प्रमाण पत्र अंकित ही नही थे। महापौर ने अपर नगर आयुक्त मो. आवेश, जगदीश यादव और जोनल अधिकारी जोन-4 राजेश सिंह को बुलाकर जोन-4 जन्म-मृत्यु कार्यालय के आउटसोर्सिंग कर्मियों को हटाकर नए कर्मियों को रखने के निर्देश दिए थे।

जांच में कई नाम पाए गए संदिग्ध

- महापौर प्रमिला पांडेय ने मंगलवार को अपर नगर आयुक्त को बताया कि निरीक्षण के दौरान पाए गए प्रपत्रों की जांच में कई नाम संदिग्ध प्रतीत हो रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के कई भागों में बांग्लादेशी, रोहिंग्यां के जन्म प्रमाण पत्र स्थानीय निकायों से बने पाये गये हैं। ऐसे में सभी फार्मों को रजिस्टर में अंकित कराये जाने की व्यवस्था के साथ ही फार्मों की जांच कराकर यह देखा जाए कि कहीं बांग्लादेशी, रोहिंग्या के फर्जी प्रपत्र तो नहीं हैं। उन्होंने इस मामले में अपर नगर आयुक्त से आख्या मांगी है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

हर जोन में 250 आवेदन पेंडिंग हैं

- नगर निगम के शहर में 6 जोन हैं। जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बन रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार हर विभाग में करीब 250 आवेदन प्रमाण पत्र के पेंडिंग हैं। इन आवेदनों में ऐसे भी कई फार्म हैं जो नियमों को पूरा नहीं कर पाए। विभागीय कर्मचारियों की मानें तो अलग-अलग केस में हास्पिटल के कागज, डीएम परमीशन, सीएमओ परमीशन, गवाहों के हलफनामे लिए जाते हैं। जांच में कुछ फर्जी प्रमाण पत्र, गलत दस्तावेज पाए जाते हैं तो उन्हें तुरंत कैंसिल कर दिया जाता है।

आज का मौसम

तेज हवाओं, गरज चमक के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
32.0°	29.0°
सूर्योदय 05:23	सूर्यास्त 07:05

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

FUTURE UNIVERSITY
Learn · Assimilate · Transcend
India's 1st AI Enabled New Age Innovative University
BCA (Hons)
Bachelor of Computer Application
Data Science & Artificial Intelligence
in Collaboration with IBM
Cybersecurity Operations & Application Development
Powered by EC-Council
Artificial Intelligence & Machine Learning
Powered by IBM
ADMISSION CLOSING SOON
Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur, Bareilly (U.P.) India
Call : 9105057520, 9105057515
www.futureuniversity.in
Scan this QR Code for apply instantly.

खुले नाले में गिरने से रेलवे अफसर की मौत

गोविंदपुरी स्टेशन पर चीफ ऑफिस सुपरिटेंडेंट के पद पर तैनात थे

दर्दनाक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पांच जुलाई को कार्यालय जाने के लिए घर से निकले थे तबसे थे लापता
- मोबाइल की लोकेशन नाले के पास मिली, वहीं बंद हुआ था मोबाइल

अमृत विचार। तीन दिन से लापता रेलवे के मुख्य कार्यालय अधीक्षक का शव मंगलवार सुबह खुले नाले में उतराता मिला। नाला रेलवे कर्मी के घर से करीब 150 मीटर दूर है। मोबाइल की लोकेशन पर पुलिस ने नाले के आसपास तलाश की, तभी दुर्गंध आने पर पुलिसकर्मियों ने नाले में देखा तो शव दिखाई दिया। पोस्टमार्टम में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। आशंका है कि पैदल जाते समय वे खुले नाले में गिर गए।

आवास विकास हंसपुरम निवासी 58 वर्षीय लक्ष्मी नारायण गोविंदपुरी स्टेशन पर चीफ ऑफिस सुपरिटेंडेंट के पद पर कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार करीब 25 साल पहले उन्हें लकवा मार गया था। तब से दांया हाथ व पैर काम नहीं करता था। परिवार में पत्नी विंध्याचली देवी व दो बेटी दीक्षा व समीक्षा हैं। दीक्षा की शादी हो चुकी है, जबकि समीक्षा बीएड की तैयारी कर रही है। समीक्षा के अनुसार पांच जुलाई को पिता कार्यालय जाने के लिए पैदल घर से निकले थे। उन्हें आगे जाकर कोई सवारी करके आफिस जाना था। सुबह करीब 11:30 बजे कार्यालय से फोन आया कि वह पहुंचे नहीं और मोबाइल बंद बता रहा है। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर नौबस्ता थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस ने भी तलाश शुरू की और मोबाइल सर्विलांस पर लगाया तो आखिरी लोकेशन घर से कुछ दूर स्थित खुले नाले के पास मिली। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। घर के पास शोरूम के सीसीटीवी का फुटेज देखा तो नाले के पास पैदल जाते दिखे। समीप ही घनी झाड़ी व पेड़ के कारण दिखाई नहीं दिए। मंगलवार को जब नाले में देखा गया तो शव उतराता दिखा। सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया।

लक्ष्मी नारायण।

9.45 बजे बंद हुआ था मोबाइल

लक्ष्मी नारायण के सहकर्मी राजेश कुमार यादव ने बताया कि सुबह करीब 9.45 बजे उन्होंने शनिदेव का स्टेट्स लगाया था। 9.51 बजे जब उन्हें फोन किया तो मोबाइल स्विच ऑफ मिला। दोपहर 11.30 बजे तक ऑफिस न आने पर परिजनों को जानकारी दी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है और न ही तहरीर दी है। अगर तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

हो चुके कई हादसे, सो रहा नगर निगम

- शहर में खुले नाले में गिरने से मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है। पहले भी खुले नालों के कारण कई हादसे हो चुके हैं लेकिन नगर निगम नहीं चेतता। कुछ दिन पहले ऐसा ही एक हादसा होने पर नगर आयुक्त ने सभी खुले नालों की जांच कराने और उन पर पटिया रखवाने की बात कही थी लेकिन बात कागजों में ही रही।

इसी मंदिर से हुई चोरी। अमृत विचार

मंदिर से दानपात्र, चांदी का मुकुट ले गए चोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रावतपुर में सोमवार रात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र और भगवान का चांदी का मुकुट पार कर ले गए। मंदिर के पुजारी को सुबह चोरी की जानकारी हुई। पुलिस ने छानबीन कर मंदिर के बाहर लगा सीसीटीवी खंगाला तो दो चोर दिखे। पुलिस सीसीटीवी से चोरों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है।

तुलसीनगर स्थित श्रीगौरी शंकर मंदिर में देर रात दो चोरों धावा बोला। मंदिर गेट का ताला तोड़कर दो दानपात्र, चांदी के मुकुट समेत करीब 50 हजार रुपये का माल चोरी कर ले गए। चोरी की घटना सोमवार रात करीब ढाई बजे हुई। सिगरेट पीते हुए दो चोर सीसीटीवी में कैद हुए। एक चोर ने अपने सिर पर अपनी टीशर्ट डाल रखी थी। सुबह पुजारी पहुंचे तो लोगों ने ताला टूटा होने की जानकारी दी। जिसके बाद पुजारी ने पुलिस को सूचना दी।

डीएम और पूर्व सीएमओ का विवाद थमता नहीं दिख रहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को अस्पतालों में निरीक्षण के दौरान तमाम कमियां मिली थीं और डॉक्टर और स्टाफ अनुपस्थित मिले थे। जिलाधिकारी ने पूर्व सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी को नोटिसें दी थीं और अन्य मामलों में भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किए थे। इन सब के बीच एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। ऑडियो पूर्व सीएमओ को बताया जा रहा था हालांकि उन्होंने इन्कार किया था। ऑडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने सीएमओ को एक बैठक से जाने को कह दिया था। इसके बाद पूर्व सीएमओ ने प्रेसवार्ता कर जिलाधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए थे। लग रहा था कि डॉ.नेमी के निलंबन के बाद मामला थम जाएगा, लेकिन यह मामला थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि डॉ.नेमी के निलंबन पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।

डीएम से तनातनी के बीच विधानसभा अध्यक्ष व महाराजपुर से भाजपा विधायक सतीश महाना, गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी व एमएलसी विधायक अरुण पाठक पूर्व सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के पक्ष में आ गए थे। जबकि बिठूर से भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा और किदवई नगर से विधायक महेश त्रिवेदी सीएमओ के विरोध में थे। पक्ष और विपक्ष में भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखे थे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी विवाद पर चुटकी ली थी। इसके बाद शासन ने पूर्व सीएमओ को सस्पेंड कर दिया था।

टैंकर ने छात्रा को रौंदा, भाभी भतीजा घायल

कानपुर। सचेंडी में नेशनल हाईवे पर स्कूटी सवार मां-बेटे और बुआ को ऑयल टैंकर ने टक्कर मार दी। मां-बेटे घायल हो गए, बुआ टैंकर के पहियों के नीचे आ गईं। ग्रामीणों ने चालक को पीटा और पुलिस को सौंप दिया।

गजनेर के रहुरा रसूलपुर गोगूमऊ निवासी रघुनाथ पाल की 22 वर्षीय बेटी सोनम पाल बीएड कर चुकी थी। पिता के अनुसार सुबह करीब 11 बजे सोनम तीन साल के भतीजे ऋषी को स्कूल से लेने के लिए भाभी साधना के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी से किसाननगर के पास गई थी। स्कूल से भतीजे को लेने के बाद वह लोग लौट रहे थे। तीनों रायपुर के पास पहुंचे ही थे कि भौंती से रनिया की तरफ जा रहे तेज रफ्तार इंडियन ऑयल टैंकर ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी।

जन-आंदोलन
'एक पेड़ मां के नाम-2.0'
वृक्षारोपण महाभियान 2025
26 राजकीय विभागों एवं 25 करोड़ नागरिकों की सहभागिता से
9 जुलाई, 2025 को
37 करोड़+
पौधरोपण
त्रिवेणी वाटिका की स्थापना
समय : प्रातः 10:00 बजे | स्थान : सरयू तट, रामपुर-हलवारा, अयोध्या
हरिशंकरी वाटिका की स्थापना
समय : मध्याह्न 12:00 बजे | स्थान : ग्रामसभा-केरमा, सठियांव, आजमगढ़
पवित्र धारा वन की स्थापना
समय : अपराह्न 4:00 बजे | स्थान : खाद कारखाना परिसर, गोरखपुर
द्वारा
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
विशेष सहभागिता
सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश
स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री, जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश
अनिल राजभर, मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय, उत्तर प्रदेश
डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश
के. पी. मलिक, राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव
पौधरोपण का कीर्तिमान
रोपित पौधों की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए विज़िट करें : https://pmsupfd.org/plantingprogress.html
काम दमदार-डबल इंजन सरकार
लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh एवं UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
वन एवं वन्यजीव विभाग, उत्तर प्रदेश | सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

6 साल पुरानी कीमत पर केडीए के फ्लैट

13 योजनाओं में बनाए गए 11,176 फ्लैटों में छह हजार फ्लैट पड़े हैं खाली, लोग खरीदने को तैयार नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए ने शताब्दी नगर और जवाहरपुरम में खाली पड़े अपने फ्लैटों को एक बार फिर से बेचने की तैयारी शुरू की है। विभाग ने इसके लिए 31 मार्च, 2026 तक आवदेन मांगे हैं। केडीए की विभिन्न योजनाओं में खाली करीब छह हजार पुराने फ्लैटों की बिक्री में नई बात यह है कि इन्हें वर्ष 2019-20 की कीमतों पर खरीदा जा सकता है।

केडीए के शताब्दी नगर और जवाहरपुरम में बनाए गये फ्लैटों का बुरा हाल है। इलाके में बुनियादी सुविधाओं का बुरा हाल और योजनाओं में अव्यवस्था के चलते लोग रहना नहीं चाहते हैं। विकास नगर स्थित सिग्नेचर ग्रींस को छोड़कर बाकी योजनाओं में केडीए ने फ्लैट की कीमतें बीते दो वित्तीय वर्ष से फ्रीज कर रखी हैं, इसके बावजूद लोग फ्लैट नहीं खरीद रहे हैं।

निजी बिल्डरों के फ्लैट पर भरोसा, केडीए से किनारा : शहर में आवास समस्या के बावजूद खराब सड़कों, गंदगी, पानी, बिजली की समस्या तथा जर्जर हाल में खड़े फ्लैट देखकर लोगों ने केडीए की योजनाओं से किनारा कर रखा है। इसके मुकाबले निजी बिल्डरों के फ्लैट हाथोहाथ बिक रहे हैं। विभाग की अलग-अलग 13 योजनाओं में बने 11176 फ्लैट में छह हजार फ्लैट इसी कारण खाली हैं और पिछले 10 वर्षों से तमाम कोशिशों के बाद भी केडीए अपने सभी फ्लैट नहीं बेच पाया है।

केडीए की योजना में फ्लैट खाली पड़े हैं। अमृत विचार

तीन योजनाओं में तो एक भी फ्लैट नहीं बिक पाया: कल्याणपुर बिठूर रोड पर बनी केडीए हाईट योजना में बीते वर्ष जून से दिसंबर के बीच एक भी फ्लैट नहीं बिका। जून में यहां 36 फ्लैट खाली थे और आज भी इतने ही खाली पड़े हैं। इसी तरह जवाहरपुरम सेक्टर 6 में बने प्रगति इन्क्लेव में जून 2024 में 271 फ्लैट खाली थे, जिनकी संख्या आज भी उतनी ही है। जवाहरपुरम में ही बने एकता इन्क्लेव में भी 7 माह में एक भी फ्लैट नहीं बिका है। बीती जून में यहां 1653 फ्लैट खाली थे, एक साल बाद भी संख्या वही है।

27 आवंटी कर गए सरेंडर: जून 2024 से अब तक केडीए अपनी योजनाओं में 30 फ्लैट ही बेच पाया है। इस दौरान 27 आवेदक ऐसे रहे, जिन्होंने आवंटन के बाद अपना फ्लैट सरेंडर कर दिया।

योजना	कुल फ्लैट	खाली फ्लैट
हिमालय सुलभ-1	1216	95
केडीए ग्रीन्स	304	196
मन्दाकिनी सुलभ	512	500
केडीए ड्रीम्स	1200	1139
अमन इन्क्लेव	1780	1371
रामगंगा इन्क्लेव-2	384	155
यमुना सुलभ- 3	608	581
रामगंगा इन्क्लेव-1	940	607
हिमगिरी, नीलगिरी, सरस्वती गंगा सुलभ	2016	700

लुभावने ऑफर के बाद भी खरीदार नहीं हुए आकर्षित

केडीए द्वारा फ्लैट बेचने के लिए लुभावने ऑफर देने के बाद भी ग्राहक आकर्षित नहीं हो रहे हैं। ईडब्ल्यूएस फ्लैट लेने पर कीमत का 25 प्रतिशत और उससे बड़े सभी फ्लैट पर 50 प्रतिशत धन जमा करने पर कब्जा देने की स्कीम फेल हो चुकी है।

11.49 करोड़ के विकास कार्यों से बिक्री की आस

- **कानपुर।** केडीए अपनी योजनाओं में 11.49 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराने जा रहा है। जवाहरपुरम सेक्टर 2 में 30 लाख से मेन रोड के डिवाइडर पर स्ट्रीट लाइटें लगेंगी। अभी यहां अंधाकुप होने से सन्नाटा छाया रहता है। जवाहरपुरम सेक्टर 8 में 29 लाख से लाइटिंग व्यवस्था ठीक होगी। जवाहरपुरम सेक्टर 13 की सड़कें खस्ताहाल हैं। इन्हें केडीए 8.30 लाख से सुधारेगा। केडीए ड्रीम्स योजना में कैंपस में डिवाइडर, मुख्य गेट व अन्य कार्य 6.77 लाख से होंगे। यहां सामने की सड़क पर दोनों ओर ग्रीन बेल्ट में चेनलिंक फेसिंग का काम 6.17 लाख से होगा। इसके साथ ही नलकूप सुधारा जाएगा। जवाहरपुरम योजना सेक्टर 1 में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिये 4.8 करोड़ से मीटर पैनल की स्थापना होगी। शताब्दी नगर फेस 4 में पीएम आवास योजना के फ्लैटों में बिजली आपूर्ति के लिए 1.32 करोड़ से मीटर पैनल लगेगा और विद्युतीकरण का कार्य होगा।

सेवानिवृत्त दरोगा ने फांसी लगाकर दे दी जान

कानपुर। सेन पश्चिमपारा में सेवानिवृत्त दरोगा ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजन जब कमरे में गए तो शव फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। परिजनों ने बताया कि पत्नी की बीमारी के कारण वह परेशान रह रहे थे।

कुंज विहार निवासी 73 वर्षीय राजेंद्र कुमार पाल 2012 में महोबा से दरोगा के पद से रिटायर हुए थे। परिवार में पत्नी रामश्री, बेटा अरविंद व संजय हैं। अरविंद बेंगलुरु में सूबेदार और संजय जालौन में एलआईयू में हैं। परिजनों ने बताया कि राजेंद्र की पत्नी के पैरों में दिक्कत है, जिस कारण परेशान रहते थे। सोमवार दोपहर राजेंद्र मकान के पहले खंड पर बने कमरे में थे। दोपहर करीब बारह बजे पंखे के कुंडे से फांसी लगा ली। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आए तो परिजन बुलाने पहुंचे। कमरे में घुसते ही शव फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। सेन थाना प्रभारी ने बताया कि पत्नी के बीमारी से परेशान होने की बात सामने आई है।

जिलाधिकारी को सम्मानित करते माई ड्रीम कानपुर ग्रीन के पदाधिकारी। अमृत विचार

माई ड्रीम-कानपुर ग्रीन की जर्सी का अनावरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने कार्यालय में पर्यावरण संरक्षक अभियान के तहत माई ड्रीम कानपुर ग्रीन की जर्सी का अनावरण किया। माई ड्रीम कानपुर ग्रीन के अध्यक्ष एवं टिम्बर उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश महामंत्री गुरुजिंदर सिंह ने जिलाधिकारी को शाल पहना कर एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। गुरुजिंदर सिंह ने डीएम को बताया कि अब तक पिछले 5 वर्षों में 50,000 से अधिक पौधे गमला सहित वितरण कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रेरित होकर अब कानपुर नगर में माई ड्रीम कानपुर ग्रीन संस्था द्वारा अतिशीघ्र एक ग्रीन रथ बनाया जायेगा जो कि एक फोन कॉल पर घर- घर व दुकान- दुकान जाकर निशुल्क पौधे व गमले वितरित करेगा। बुधवार 9 जुलाई को लाजपत नगर पार्क में छायादार, फलदार पौधरोपण किया जाएगा। गुरुद्वारा चौक के पदाधिकारी सरबजीत सिंह, राजीव सिंह, जोगिंदर सिंह बाजवा, भूपिंदर सिंह मनदीप सिंह, तजिंदर सिंह, कुंदन शर्मा, अतहरुद्दीन, नदीमखान, इंजी. राकेश शर्मा, मनीष वसंदानी, रमेश दूसेजा, नितिन टेकवानी, भूपिंदर सिंह राजा, टिंबर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी सहीर अली, प्रवीण दीक्षित, वासिमुद्दीन वारसी, रामू मिश्रा, रमन गुप्ता आदि थे।

एक नजर

डिप्रेशन के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। डिप्रेशन के चलते युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। भोर पहर परिजनों ने युवक का शव फंदे से लटका देखा तो चीख-पुकार मच गई। रावतपुर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। रातवपुर के आदर्शनगर निवासी घनश्याम विश्वकर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी बबिता, दो बेटे निश्चय व 20 वर्षीय विनीत था। विनीत भी प्राइवेट नौकरी करता था। निश्चय ने बताया कि सोमवार रात पिता कमरे में टीवी देख रहे थे, बड़ा भाई विनीत मोबाइल चला रहा था। इस पर पिता ने उससे सो जाने को कहा। नींद न आने की बात कहकर मोबाइल चलाता रहा। पिता के सो जाने के बाद भी वह बैठा था। भोर पहर जब परिजन उठे तो देखा विनीत का शव फंदे से लटका रहा था। पुलिस के अनुसार डिप्रेशन के चलते युवक ने आत्महत्या की है।

विनीत।

चार माह बाद दर्ज हुई चेन लूट की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीसीटीवी में कैद घटना के आधार पर आरोपियों की तलाश

अमृत विचार। सनिगवां में पति संग स्कूटी से जा रही महिला की चेन बाइक सवार लुटेरों ने लूट ली। आरोप है थाने व चौकी के चक्कर काटने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। अब पुलिस ने चार माह बाद लूट का मुकदमा दर्ज किया है। सीसीटवी में कैद घटना की जांच व आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है।

सनिगवां के कांशीराम कालोनी निवासी विद्या श्रीवास ने बताया कि उनके पति सुखलाल का नौबस्ता में सैलून है। बीती 18 मार्च को वह पति और बेटी के साथ स्कूटी से मायके मछरिया गई थीं। लौटते समय कांशीराम कालोनी से 200 मीटर दूसरी पर पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों ने उनके गले में झपट्टा मारकर चेन लूट ली और भाग निकले। घटना के बाद पीड़िता ने सनिगवां चौकी में शिकायत की, लेकिन पुलिस टरकाती रही। चकेरी थाने में भी सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता ने बताया कि करीब चार माह चक्कर काटने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। महिला ने बताया कि घटना पास में स्थित एक स्कूल के सीसीटवी में कैद है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि महिला ने ऑनलाइन शिकायत की थी। जिस कारण थाने में देरी से मामला आया। फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

कमरे में मिला फेरी वाले का शव

कानपुर। जूही में मंगलवार सुबह बंद कमरे में तीन दिन पुराना अधेड़ का शव मिला। दुर्गंध आने पर पड़ोसियों की इसकी सूचना पहुंची पुलिस को दी। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की और ननिहाल में रह रही बेटी को घटना की सूचना दी।

जूही के छंगामल का हाता निवासी 55 वर्षीय अजय ओमर कपड़े की फेरी लगाते थे। उनकी पत्नी रूबी की एक वर्ष पहले मौत हो गई थी। अजय के शराब के लती होने के कारण उनकी बेटी शगुन बारादेवी निवासी नाना राधाकृष्ण गुप्ता के घर जाकर रहने लगी थी। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस को बताया कि अजय तीन दिन से किसी को नहीं दिखा था। मंगलवार सुबह कमरे से बदबू आने के कारण पुलिस को सूचना कर दी। जूही इंस्पेक्टर मनोज मिश्रा ने दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर शव पड़ा था।

मेट्रो के गेट पर घंटी बांधकर विरोध जतातीं पार्षद। अमृत विचार

सीवर-पानी की समस्या पर गेट पर बांधी घंटी

कानपुर। जूही क्षेत्र में सीवर और पेयजल समस्या के खिलाफ क्षेत्रीय पार्षद शालू कनौजिया ने जीटी रोड स्थित मेट्रो कॉरपोरेशन के कार्यालय पर घंटी बांधकर विरोध जताया। समस्या को दूर करने के लिए मेट्रो के प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर को ज्ञापन दिया। शालू कनौजिया ने बताया कि मेट्रो का कार्य कर रही फर्म सेम इंडिया ने जूही क्षेत्र में सीवर-पानी व अन्य जन सुविधाओं को बाधित कर दिया। सीवर लाइन को गलत डाला जिससे सीवर ओवरफ्लो होने लगा। जूही गढ़ा में 20 फुट की सड़क धंस गई। जिससे गहरी सीवर लाइन पूरी तरह से जाम हो गई। मेट्रो की फर्म सेम इंडिया ने पंप डालकर मलमूत्र युक्त पानी स्वदेशी कॉटन मिल पार्क में भर दिया है। जूही में हफ्तों से लोगों घरों के बाहर सीवर भरा है, जिससे महामारी फैलने का खतरा बढ़ गया।

सार-संक्षेप

नेशनल पदक पर निशाना लगाएंगे टीएसएच के यशार्थ

कानपुर। टीएसएच (द स्पोर्ट्स हब) के निशानेबाज यशार्थ विक्रम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता (नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप-एनएससीसी) के लिए क्वालीफाई किया है। आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाली नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में वह निशाना लगाएंगे। ओपेन चैंपियनशिप में बेहतरीन निशाना साधते हुए यशार्थ ने यह उपलब्धि अपने नाम की। प्रतियोगिता एक से 10 जुलाई तक देहरादून में आयोजित हो रही है। उनकी इस सफलता में टीएसएच के उन्नत प्रशिक्षण और कोच रोहित यादव के मार्गदर्शन की भूमिका रही है।

कोच के साथ यशार्थ विक्रम। अमृत विचार

दुकानदार का मोबाइल लूटकर भागे बदमाश

कानपुर। गोविंदनगर में साइबर ठगी के शिकार दुकानदार से मोबाइल लूट हो गई। गुजैनी जे-ब्लाक निवासी विनोद कुमार भदानी मोबाइल दुकानदार हैं। साइबर ठगों ने पर्सनल लोन की इएमआई का झांसा देकर उनके बैंक खाते से 2.47 लाख रुपये पार कर लिए थे। जिसकी शिकायत दर्ज कराने के लिए वह रविवार को गोविंदनगर थाने पहुंचे। फिर थाने से घर जाते समय गुजैनी सब्जी मंडी में आटो से उतरे। इसके बाद एटीएम से रुपये निकालकर पैदल घर जा रहे थे, तभी उन्हें कॉल आई। वह बात करने लगे, तभी बाइक सवार झपट्टा मारकर हाथ से मोबाइल छीन ले गए। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से लुटेरों की तलाश की जा रही है।

डॉट नाला की मरम्मत में अब केस्को की लाइन बाधक

कानपुर। ब्रह्मनगर चौराहे पर क्षतिग्रस्त डॉट नाला की मरम्मत में अब केस्को की 33 केवीए और 11केवीए की भूमिगत लाइन बाधक बन रही है। इसके लिए केस्को से बिजली की लाइनें शिफ्ट करने को कहा गया है। 30 जून को बारिश में ब्रह्मनगर चौराहे पर डॉट नाला क्षतिग्रस्त होने के साथ ही सड़क और चौराहे का करीब एक तिहाई हिस्सा धंस गया था। पेड़ कटवाने और बिजली के चार खंभे हटवाने के बाद नगर निगम ने जेसीबी से मलबा हटवाया। नगर निगम जोन- 4 के अधिशासी अभियंता नानक चंद ने बताया कि अब मरम्मत कार्य में केस्को की अंडरग्राउंड लाइनें बाधा बन रही हैं। इसकी जानकारी केस्को अधिकारियों को दे दी गई है। उम्मीद है कि बुधवार तक लाइनें शिफ्ट हो जाएंगी, उसके बाद ही मरम्मत का कार्य आगे बढ़ेगा।

बेकसूरों को छेड़ो मत-मिलावट खोरों को छोड़ो मतः डीएम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मिलावट खोरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर करें सख्त कार्रवाई

अमृत विचार। मिलावट खोरों पर पैनी निगाह रखें, समोसा, मोमोज समेत अन्य खाद्य पदार्थों की नियमित जांच करें और एक साल से एक ही क्षेत्र में तैनात खाद्य निरीक्षकों को इधर से उधर ट्रांसफर करें। मिलावट खोरी करने वालों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाए। मिलावट खोरों को किसी भी कीमत पर छोड़ना नही है और बेकसूरों को परेशान मत करना।

मंगलवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ हुई बैठक में ये दिशा निर्देश जारी किए। जिलाधिकारी ने कहा कि हर क्षेत्र में खाद्य अधिकारी अपना खुफिया तंत्र मजबूत कर मिलावटी सामग्री के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें ताकि शहरवासियों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। खाद्य सामग्री विक्रेताओं द्वारा प्रयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच करें।

गैस-मोबाइल दिया, बच्चों का दाखिला भी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दर्शन में बख्तौरी पुरवा, नौबस्ता की नन्ही देवी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचीं। नन्ही देवी ने बताया कि उनके पति संजय यादव का देहांत हो चुका है। परिवार में आय का कोई स्रोत नहीं है और आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। जिसपर जिलाधिकारी ने नन्ही देवी को निराश्रित महिला पेंशन योजना से जोड़ते हुए तीन हजार रुपये की त्रैमासिक सहायता का स्वीकृति पत्र प्रदान किया। इसके अतिरिक्त गैस कनेक्शन, मोबाइल दिलाने के साथ ही उनके बच्चों का स्कूल में दाखिला भी कराया। साथ ही जिलाधिकारी ने उन्हें एक मोबाइल भी दिया ताकि सरकारी योजनाओं की जानकारी समय पर मिल सके। जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिए कि नन्ही देवी के दोनों बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत तुरंत लाभान्वित किया जाए। इस योजना के अंतर्गत बच्चों को स्नातक तक की पढ़ाई के लिए प्रति माह ढाई हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी।

कक्षा 2 की छात्रा ने किया डीएम को सम्मानित

- **कानपुर।** मां गायत्री इंटर कालेज की कक्षा 2 की नन्ही छात्रा सृष्टि जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की कार्यशैली और गरीबों के प्रति उनकी संवेदनशीलता से प्रभावित हुई। उसने अपने पिता राजेश कुमार से जिद की कि वह स्वयं जिलाधिकारी से मिलकर उनका सम्मान करेगी। पिता बेटी को जनता दर्शन में लेकर पहुंच गए। मंगलवार को ऑटो चालक राकेश कुमार के साथ सृष्टि जनता दर्शन में पहुंची और जय श्री राम लिखा पटका जिलाधिकारी को पहनाया। जिलाधिकारी ने भी स्नेहपूर्वक सृष्टि को शाल पहनाकर उसका उत्साहवर्धन किया और आशीर्वाद दिया। जिलाधिकारी ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर ऑटो चालक सोनी को मुख्य अतिथि बनाया था जिससे सृष्टि प्रभावित थी।

पनकी महंत पर फेसबुक पर की अभद्र टिप्पणी

कल्याणपुर। जगन्नाथ यात्रा के दौरान पुलिस से वार्तालाप करते हुए पनकी महंत जितेन्द्र दास की फोटो पर अभद्र टिप्पणी करते हुए एक युवक ने उसे फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। महंत ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। पनकी महंत जितेन्द्र दास के मुताबिक एक सूरज नाम के युवक ने जगन्नाथ यात्रा के दौरान पुलिस अधिकारियों से बातचीत करते उनकी फोटो पर अनुचित टिप्पणी करते हुए उसे फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। आरोप है पिछले लंबे समय से महंत की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

शुभ घड़ी | मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को लेकर डीएम की बैठक

1200 से अधिक बेटियों का विवाह कराएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपद में 1200 से अधिक जोड़ों का विवाह उत्सव सरीखे वातावरण में कराया जाएगा। ये केवल एक योजना नहीं बल्कि उन परिवारों के सपनों को पूरा करने का माध्यम है जो अपनी बेटियों की शादी में आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर शुरू हुई इस योजना में अब प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

मंगलवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत जनपद स्तरीय समिति की बैठक हुई जिसमें जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इस वर्ष योजना के अंतर्गत कम से कम 1200 जोड़ों का विवाह गरिमापूर्ण और उत्सव सरीखे वातावरण में सम्पन्न कराया जाए।

योजना में 60 हजार रुपये सीधे कन्या के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे जबकि 25 हजार रुपये मूल्य के गृहस्थी के सामान और उपहार दिए जाएंगे तथा 15 हजार रुपये विवाह आयोजन के व्यय हेतु खर्च किए जाएंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह आदि मौजूद रहे।

- 60 हजार रुपये कन्या के खाते में भेजे जाएंगे और 25 हजार के उपहार मिलेंगे

कौन उठा सकता योजना का लाभ

- योजना का लाभ उन्हीं बेटियों को मिलेगा जिनके अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों, आर्थिक रूप से कमजोर हों और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये से अधिक न हो। वधु की आयु 18 वर्ष और वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना अनिवार्य है। उम्र की पुष्टि स्कूल के दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड या आधार से की जा सकती है। इस योजना में केवल अविवाहित नहीं, बल्कि विधवा, तलाकशुदा या परित्यक्ता बेटियों का भी विवाह कराया जा सकता है।

ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र आवेदक ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। आवेदन जन सुविधा केंद्रों, जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, साइबर कैफे निजी इंटरनेट केंद्रों से भी किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए विकास भवन स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

काफी दिनों बाद चिड़ियाघर में पहुंचे दर्शक। अमृत विचार

56 दिन बाद चिड़ियाघर खुला, मेहमानों का स्वागत

कानपुर। आखिरकार 56 दिन बाद कानपुर चिड़ियाघर मंगलवार को खुल गया। चिड़ियाघर में मेहमानों का स्वागत करने के लिए निदेशक कन्हैया पटेल एवं क्षेत्रीय वनाधिकारी नवेद इकराम गेट पर मौजूद रहे। मेहमानों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। मंगलवार को सुबह 9.30 बजे चिड़ियाघर आम जनता के लिए खोल दिया गया। 56 दिन पहले बर्ड फ्लू की आशंका से इसे बंद कर दिया गया था। बरेली और भोपाल लैब के कई बार रिपोर्ट आने के बाद कानपुर चिड़ियाघर को खोलने का फैसला हुआ। चिड़ियाघर में नियमित दवा का छिड़काव किया जा रहा है और पशु-पक्षियों की देखभाल के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। बताते चलें कि गोरखपुर चिड़ियाघर में बीमार हुए एक बब्बर शेर को कानपुर इलाज के लिए लाया गया था जिसकी इलाज के दौरान बर्ड फ्लू से मौत हो गई थी। इसके बाद चिड़ियाघर बंद कर दिया गया था।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरा इंडियन बैंक शाखा मल्दा गणेशपुर में एक खाता संख्या 50317660161 है, जिसमें मेरा नाम अजीजुर्रहमान है, जबकि आधार कार्ड में अजीजुर्रहमान सिद्दीकी है, यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। **अजीजुर्रहमान सिद्दीकी पुत्र आशिक अली, निवासी- धवाई, तुलसीपुर, बलरामपुर।**

सूचना

सूचित किया जा रहा है मेरा सेंट मैरी स्कूल का हाईस्कूल का अंकपत्र अलीगंज में कहीं खो गया है, जिसका अनुक्रमांक नं. TV60185947 और विशिष्ट आईडी नं. 7977238 और वर्ष 2023 है। ये जानकारी सार्वजनिक सूचनार्थ प्रेषित है। **हसन खान, पुत्र- आरिफ खान, 543-के/93, हबीबपुर, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मैं **मुश्तर अली पुत्र बदले उर्फ रियायत अली, निवासी- मो. मीर सराय करबा व थाना पिहानी जिला हरदोई,** मेरा पुत्र मोहम्मद रजा अली उर्फ मुन्ना का चाल चलन खराब हो गया है जो मेरी बात नहीं मानता है। मै अपने पुत्र मोहम्मद रजा अली के कार्य व्यवहार व आचरण से तंग आकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज की तिथि से उसके द्वारा किये गये किसी प्रकार के लेन देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है। अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2020अनुक्रमांक2726391 एवं इंटरमीडिएट अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2226952295 वास्तव में खो गया है। **मिथलेश कुमार वर्मा पुत्र श्री मथुरा वर्मा, निवासी- ग्राम सिकही कटघरा कला पोस्ट कटघरा कला थाना रानीपुर जिला बहराइच, पिन कोड 271870**

NOTICE

I am Jitendra Kumar Gupta son of Shri Govind Parshad Gupta resident of 5304 S/11 Rajajipuram, E - Block Lucknow 226017. My name is wrongly spelled JEETENDER KM GUPTA in my son Kaavy Gupta school's document. My correct and full name is JITENDRA KUMAR GUPTA.JEETENDER KM GUPTA and JITENDRA KUMAR GUPTA both are the names of the same person.

निरीक्षण में एक डॉक्टर समेत 52 कर्मचारी मिले अनुपस्थित

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने 12 स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण, एक मिला बंद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को 12 स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण, एक स्वास्थ्य केंद्र बंद मिला। केंद्रों पर एक डॉक्टर समेत 52 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है और एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएमओ डॉ.उदय नाथ मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौबेपुर पहुंचे। यहां पर उनको चिकित्सा अधीक्षक डॉ.यशोवर्धन सिंह, डॉ. केके गुप्ता, डॉ.प्रतीक श्रीवास्तव व डॉ.विपुल चतुर्वेदी मौजूद मिले, लेकिन वार्डआया अपराजिता, फार्मेसिस्ट सतेंद्र कुमार, फार्मेसिस्ट वंदना सचान, एएनएम एकराम, संविदा में डीएस शुभम यादव व आप्ट्रोमेटिस्ट नेहा साहू अनुपस्थिति पाए गए। इसके अलावा सीएमओ को अस्पताल परिसर में गंदगी मिली, जिसपर उन्होंने नाराजगी व्यक्त कर डॉ.यशोवर्धन सिंह को सफाई व्यवस्था ठीक रखने के निर्देश दिए। एसीएमओ डॉ.रमित अशोक कुमार रस्तोगी सुबह साढ़े नौ बजे डीटीसी गुजैनी पहुंचे, जहां 10 कर्मी अनुपस्थित मिले, सुबह 10 बजकर 23 मिनट पर यूपीएचसी अहिरवा में तीन कर्मी नदारद पाए गए। एसीएमओ डॉ.यूबी सिंह और उप मुख्य चिकित्सा डॉ. राजेश्वर सिंह को सुबह नौ बजकर 15 मिनट पर डीटीसी सर्वोदय नगर में ताला लगा मिला। पूरा स्टाफ अनुपस्थित था। डीटीसी नवाबगंज में सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर 12 कर्मी और नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योरा में सुबह नौ बजकर 45 मिनट पर 8 कर्मी अनुपस्थित पाए गए। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में सुबह 10 बजे तीन कर्मी ड्यूटी पर नहीं थे। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एसपी यादव ने जब सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर डीटीसी कैंट पहुंचे तो एक डॉक्टर मौके पर नहीं मिले। डीटीसी अनवरगंज में सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर पांच कर्मी और यूपीएचसी चाचा नेहरू में सुबह नौ बजकर 45 मिनट पर पांच कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सीएमओ के मुताबिक निरीक्षण टीम को अर्बन हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर कांशीराम कालोनी और यूपीएचसी सजारी में सभी कर्मचारी उपस्थित मिले हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौबेपुर में निरीक्षण करते सीएमओ डॉ .उदय नाथ।

संयुक्त निदेशक ने सरसौल सीएचसी का किया निरीक्षण

- **कानपुर।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के संयुक्त निदेशक डॉ. एके गुप्ता मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसौल पहुंचे। यहां पर उन्होंने एक्स-रे कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, लैब, डेंगू व मलेरिया वार्ड समेत पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया। कर्मचारियों से अग्निशमन यंत्रों की जांच के बारे में जानकारी की। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी स्वास्थ्यकर्मी समय से ड्यूटी पर उपस्थित रहें। संयुक्त निदेशक के मुताबिक सीएचसी में मिली कमियों में सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

कानपुर को आदर्श इलेक्ट्रिक वाहन शहर बनाना लक्ष्य

कानपुर। नगर निगम ने मंगलवार को कानपुर इलेक्ट्रिक वाहन तत्परता योजना (ईवीआरपी) 2025 की शुरुआत की। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट इंडिया के सहयोग से योजना विकसित की गई है। जिसके तहत शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों को स्थिरता देना है। 2030 तक शहरी परिवहन को डी-कार्बोनाइज करना है। जिसके लिए व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है। इसको लेकर ईवी संचालन समिति की स्थापना होगी। जिसमें राज्य नोडल एजेंसियों, डिस्कॉम, चार्ज पॉइंट ऑपरेटर (सीपीओ), योजना विभाग और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य कानपुर को भारत में एक आदर्श इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) शहर बनाना है। इसके लिए 2030 तक शहरी बसों को 100 फीसदी इलेक्ट्रिक करना है। 100 से अधिक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन और बैटरी स्वैपिंग पॉइंट की स्थापना होनी है। इसके साथ ही ईवी के लिए अलग पार्किंग, रूट परमिट आदि बुनियादी ढांचे को तैयार करना है।

करबला के शहीदों का तीजा ख्वातीन ने सोग से फूल उठाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बड़ी करबला नवाबगंज, इमामबाड़ों पर मजलिस, मातम
- इलायचीदाना और फूल के प्याले पर नज़्र व छलके आंसू

अमृत विचार। करबला के मैदान में शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत के तीसरे दिन मंगलवार को हजारों इमामबाड़ों पर तीजा मनाया गया और शिया ख्वातीन ने सोग के फूल उठाए। मकबरा ग्वालटोली, पटकापुर, नवाब साहब का हाता, मछली हाता एवं बड़ी करबला नवाबगंज समेत कई स्थानों पर मातम, मजलिस का आयोजन किया गया। लोगों ने इलायचीदाना और फूल के प्याले पर नज़्र कराई और करबला की याद आते ही आंखें भरभरा उठीं।

मंगलवार को बड़ी करबला में मौलाना अबूजर काजमी ने मजलिस में कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने इस्लाम और इंसानियत को बचाने के लिए अपने पूरे घर को कुर्बान कर दिया। मजलिस के उपरांत शोहदाए कर्बला की नज़्र दिलाई गई और अंजुमन बज्मे हुसैनी ने नौहाख्वानी की। नायाब आलम, शारिब अब्बास, मोहम्मद रजा, नजर अब्बास, शारिफ रजा, दानिश हैदरी आदि थे। उधर शहर के हजारों इमामबाड़ों पर सुबह से ही मजलिस हुई, मातम हुआ और नज़्र दिलाई गई। बड़ी करबला नवाबगंज, छोटी करबला ग्वालटोली मकबरा, बगाही करबला, रावतपुर करबला, मछरिया करबला में शिया महिलाओं ने सोग के फूल उठाये। ये सिलसिला देर रात तक चलता रहा।

हुसैनी फेडरेशन के प्रवक्ता डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी ने बताया कि करबला में खीर, मिठाई, खिचड़ा आदि से ताजिये वाली कब्रो को भरकर अपनी मन्नते बढ़ायी। मौलाना जीशान, मौलाना तसव्वुर हुसैन, मुनव्वर हुसैन, बशीर हैदर, फिरोज अब्बास, इसरार हुसैन, मौलाना जोहरे कैन आदि ने मजलिस को खिताब फरमाया। ऐमन रिजवी, हाजी शमीम हैदर, नवाब पप्पू मिर्जा, नवाब बाकर अली, नवाब जीशान, नवाब अलीशान, परवेज हुसैन जैदी, आसिफ अब्बास, मिर्जा शहनशाह हुसैन, अनवार अहमद सज्जादी, नजरे आलम, शराफत हुसैन आदि मौजूद रहे।

बड़ी करबला में मजलिस, मातम करते युवा। अमृत विचार

शिक्षकों ने दिया धरना मांगें पूरी करने को कहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाहर नारेबाजी

अमृत विचार। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाहर मंगलवार को दोपहर शिक्षकों ने अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। शिक्षकों ने नारेबाजी भी की।

उनकी मांग है कि उप्र बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालयों में एक अप्रैल, 2005 व उसके बाद नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओपीएस) दी जाए। परिषदीय विद्यालयों में चल रही पेयरिंग व मर्जर की प्रक्रिया रोकी जाए और किसी भी विद्यालय को बंद न किया जाए। यह भी मांग है कि परिषद के नियंत्रणाधीन प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक की पदोन्नति एवं तैनाती की जाए। विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए। छठें वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार शिक्षकों को 10 लाख रुपये की सामूहिक बीमा का लाभ दिया जाए। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भांति चयन वेतनमान के अन्तर्गत 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान अनुमन्य किया जाये। राज्य कर्मचारियों की तरह उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश व अध्ययन अवकाश (स्टडी लीव) अनुमन्य किया जाए। इसके अलावा अन्य मांगें भी गिनाईं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिंदाबाद के नारे लगाए।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

महिला शोधार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईआईटी में एसीएम डब्ल्यू ग्रैंड कोहोर्ट फॉर वुमन इन रिसर्च पर कार्यक्रम

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी इंडिया काउंसिल ऑन वुमन इन कंप्यूटिंग (एसीएम -डब्ल्यू) ग्रैंड कोहोर्ट फॉर वुमन इन रिसर्च का छह व सात जुलाई को सातवां संस्करण आयोजित किया गया। इस प्रमुख मेंटरशिप पहल का उद्देश्य भारत की महिला शोधार्थियों को करियर मार्गदर्शन, प्रेरणा और समर्थन प्रदान करना रहा। इस संस्करण में भाषण, मेंटरिंग सत्र और कार्यशालाएं हुईं।

कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रो.प्रीति मलाकर ने कहा कि अमेरिका में सीआए-डब्ल्यूपी ग्रैंड कोहोर्ट की तर्ज पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 2018 में भारत में की गई थी, ताकि स्थानीय संदर्भ में महिला शोधार्थियों को सहयोग और मार्गदर्शन मिल सके। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो.सुरेंदर बसवाना ने बताया कि आईआईटी में महिलाओं के लिए 20 फीसदी सीटें आरक्षित होने से सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डॉ. अरुणा राजन ने कहा कि किसी पद पर होने से ज्यादा जरूरी है कि आप कुछ सार्थक करें। आईआईटी दिल्ली की प्रो. माया रमणाथ ने शोध में करियर बनाने की यात्रा, पीएचडी की शुरुआत से लेकर पोस्टडॉक और फैकल्टी बनने तक के सुझाव दिए।

प्रो. नितिन सक्सेना प्रो. अमेय करकरे प्रो. रजत मित्तल, आईबीएम आईआरएल की डॉ. अनुपमा राय, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च की डॉ. जयश्री मोहन, सोनिया गर्चा आदि रहे।

अकादमिक और इंडस्ट्री अनुसंधान में है अंतर

आईबीएम आईआरएल की डॉ. रेनुका सिंघगट्टा और आईआईटी कानपुर की प्रो. उर्बी चटर्जी ने अकादमिक और इंडस्ट्री अनुसंधान में अंतर को समझाया। डॉ. विनि कंवर और प्रो. प्रियंका बगड़े ने बताया कि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में महिलाएं किस तरह अपनी विशेष क्षमताओं के साथ योगदान देती हैं। प्रो. मुकुलिका मैती ने झिझक बाहर निकालने और आत्मविश्वास बढ़ाने में जोर दिया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगवाई दूसरी डोज

कानपुर। नवाबगंज स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में जेके समूह द्वारा महिला स्वास्थ्य और सशक्तिकरण की दिशा में टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 9 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की 100 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने के लिए टीके की दूसरी खुराक दी गई। जेके समूह ने यह स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सुरक्षा केवल एक बार की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक और निरंतर प्रतिबद्धता है। यह टीकाकरण अभियान समूह के 140 वें संस्थापक दिवस (8 नवंबर 2024) के पर शुरू किया गया था। पहली खुराक 22 जनवरी 2025 को दी गई थी। इस दौरान जेके समूह से आशीष चौहान, रोटरी क्लब ऑफ कानपुर के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल जैन, सचिव संजय मेहरोत्रा, मुकुल टण्डन, संजय गुप्ता, राहुल त्रिपाठी व डॉ. प्रवीण कटियार समेत रहे।

सार-संक्षेप

मरीज ने डॉ. मधुलिका शुक्ला का किया सम्मान

कानपुर। शिवली गांव निवासी उमा देवी फैटी लिवर ग्रेड 2, आंतों में सूजन, पाचन की गड़बड़ी और अन्य कई समस्या से ग्रस्त होकर डॉ. मधुलिका शुक्ला से इलाज कराने नूतन क्लिनिक पहुंची थीं। डॉ.मधुलिका के मुताबिक होम्योपैथिक का इलाज शुरू होते ही महिला को सिर्फ 2-3 दिनों में ही दस्त की समस्या से पूरी तरह राहत मिली। तीन महीनों के भीतर उनका फैटी लिवर भी सामान्य हो गया। अब उनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। ठीक होने पर महिला ने डॉ. मधुलिका को फूलों की माला पहनाकर क्लिनिक में सम्मान किया।

डॉक्टर को सम्मानित करतीं उमा। अमृत विचार

मरीज के साथ डॉक्टरों की टीम। अमृत विचार

गंभीर मरीज का सफल आपरेशन हुआ

कानपुर। कल्यानपुर स्थित एसआईएस हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में गंभीर मरीज का जटिल आपरेशन कर उसकी जान बचाई गयी। फर्रुखाबाद निवारी 12 वर्षीय लड़का जामुन के पेड़ से गिरने के कारण इसके दाहिने फेफड़े और पेट के रास्ते एक लकड़ी लीवर में घुस गई थी। मरीज की जटिल सर्जरी की गई और उसकी जान बचा ली गई। सर्जन डॉ. राघव पांडे, डॉ. आदित्य कुमार त्रिपाठी, एसएस भदौरिया और अनुभवी टीम की मदद से इस मरीज की जान बचायी गयी। हॉस्पिटल के डायरेक्टर एचएन सिंह ने डॉक्टर्स की टीम व नर्सिंग स्टाफ को बधाई दी।

हज फार्म भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई

कानपुर। वर्ष 2026 में हज पर जाने के लिए ऑनलाइन फार्म भरे जा रहे हैं जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई है। तंजीम खुद्दाम आजमीन ए हज के प्रमुख पूर्व मास्टर हज ट्रेनर प्रोफेसर अब्दुल कबीर खान ने बताया कि आवेदक हज कमेटी की वेबसाइट या अपने मोबाइल से हज सुविधा एप के जरिये फार्म भर सकते हैं। नि:शुल्क फॉर्म भरवाने के लिए इकबाल लाइब्रेरी बांसमंडी कानपुर या मोबाइल नंबर 93358-55877 पर संपर्क कर सकते हैं।

किशोर लापता, अपहरण की रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी में स्टेशनरी की दुकान से पेन लेने जाने की बात कहकर निकला किशोर लापता हो गया। तलाश के बाद भी जब कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने चकेरी थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। सनिगवां सैनिक विहार कालोनी निवासी पीड़ित के अनुसार उनका 16 वर्षीय बेटा चार जुलाई को मां से 100 रुपये लेकर पेन लेने गया था। काफी देर तक जब नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन की गई। उसके बारे में कुछ पता न चलने पर उसकी तलाश की गई। पिता के अनुसार बेटे का पढ़ाई में मन नहीं लगता था। वह शेयर मार्केट सीखने की बात कहता था। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि किशोर की तलाश की जा रही है।

पेड़ से टकराई कार, चालक घायल

कानपुर। जाजमऊ के वाजिदपुर में जानवर को बचाने में कार अनियत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में चालक घायल हो गया। उसे पनकी में नर्सिंगहोम में भर्ती कराया है। रामनारायण बाजार निवासी वाहिद रंगरेज ने बताया कि सोमवार को उनका चालक महाराजपुर के हनहिया निवासी कुलदीप पाल जाजमऊ से व्योदी गांव जा रहा था। वाजिदपुर के पास पहुंचते ही सामने से अचानक जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि कार चालक का इलाज चल रहा है।

अंशिका का एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में चयन

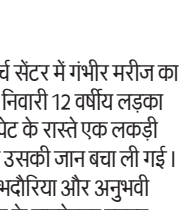

छात्रा अंशिका।

कानपुर। सीएसजेएमयू की की बीपीईएस-I वर्ष की छात्रा अंशिका का चयन 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में हुआ है, जो 16 से 30 अगस्त 2025 तक शायमकेंट, कजाकिस्तान के शूटिंग प्लाजा में आयोजित की जाएगी। उत्तराखंड के देहरादून में भारतीय शूटिंग खेल महासंघ द्वारा 5 से 23 जून तक आयोजित 50 मीटर राइफल (प्रोन) जूनियर महिला वर्ग के ओपन ट्रायल्स में अंशिका ने 613.7 स्कोर के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर अंशिका को जूनियर वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जहां प्रत्येक इवेंट में 6 खिलाड़ी भाग लेंगे। अंशिका को सीएसजेएमयू स्पोर्ट्स पॉलिसी 2023 के अंतर्गत खेल कोटे से प्रवेश मिला था। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि पदक विजेताओं को उनकी योग्यता के अनुसार पुरस्कृत किया जाएगा।

गुजैनी के नलों में सीवर का बदबूदार पानी

कानपुर। जलकल विभाग द्वारा गुजैनी जी ब्लॉक के नलों में सीवर का बदबू युक्त झागदार गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है। जिसे पीना एवं नहाना-धोना तो छूना भी दूभर है।

जन जागृति मंच के अध्यक्ष विनोद मिश्र ने बताया कि गुजैनी जी ब्लॉक भवन संख्या 751 एवं आसपास के अनेक भवनों में नल की टोटी खोलते ही सीवर का झाग युक्त बदबू दार पानी आना शुरू हो जाता है। पानी में दुर्गंध इतनी होती है कि घर में खड़ा होना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रीय अवर अभियंता विनोद रावत का फोन नहीं उठा। जलकल एक्सईएन, जोन-5 रामेंद्र ने बताया कि बुधवार को टीम भेजकर जांच कराएंगे।

आचार्य गोरेलाल त्रिपाठी की पुण्यतिथि 11 को

संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अवधी लोकनाट्य के जानकार एवं शिक्षाविद आचार्य गोरेलाल त्रिपाठी की 36वीं पुण्यतिथि शुक्रवार 11 जुलाई को देवनगर में श्रद्धांजलि काव्य-गोष्ठी के रूप में मनाई जायगी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीष द्विवेदी ने बताया कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक होने वाले कार्यक्रम में साहित्यसेवी डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा का साहित्यकार सहयोग संगठन संस्था द्वारा सम्मान किया जायगा। कार्यक्रम में एमएलसी अरुण पाठक, पूर्व प्राचार्य राजकुमार गुप्त, काशी सिंह, महेशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. सुषमा सेंगर, प्रभाकांत मिश्र आदि रहेंगे।

आचार्य गोरेलाल।

कानपुर चैप्टर महिला विभाग के पांच वर्ष पूरे

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित हेरिटेज होम में मंगलवार को कानपुर चैप्टर महिला विभाग के पांच वर्ष पूरे होने पर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। महिला विभाग ने कार्यक्रम में कार्यों की आकर्षक प्रस्तुति दीं। मुख्य अतिथि डॉ. ए.एस प्रसाद ने समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले चार्टर सदस्य व प्रेरणादायी विभूतियों को सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. अनुराधा वाष्णेय, संध्या गुप्ता, सविता चावला, अनुभा मित्तल, डॉ. अंकुर सिंह, डॉ. कविता, बीनू टंडन व बबिता टंडन रहीं।

आज पौधरोपण — जहां लोगों ने पौधे लगाए, वहां सिर्फ छाया नहीं बल्कि भरोसा भी पनपा

बंजर पड़ी जमीन पर अब लहलहा रही घनी हरियाली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किसी ने अपनी बेटी के नाम पर पौधा लगाया तो किसी ने आने वाली पीढ़ियों के लिए पौधे लगाए और जनपद में पौधरोपण अभियान ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। कभी बंजर पड़ी जमीनों पर अब हरियाली है। सरसौल के डोमनपुर वन ब्लाक में 40 हेक्टेयर पर लहलहा रहे वन पौधरोपण करने वालों को सुकून देते हैं। प्रभागीय वन अधिकारी दिव्या ने लोगों को आह्वान किया है कि हर नागरिक वृक्षारोपण को अपना दायित्व समझे। जब आमजन पौधों की देखभाल को अपनाते हैं, तब वे अपने बच्चों के लिए शुद्ध वायु और जीवन सुनिश्चित करते हैं। 9 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। जिसमें मां के नाम एक पौधा जरूर लगाएं।

जनपद में विकसित वन क्षेत्र। अमृत विचार

- सरसौल के डोमनपुर वन ब्लॉक में 40 हेक्टेयर पर लहलहा रहे हैं वन

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में घना जंगल

- वर्ष 2021 में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान परिसर की केवल एक हेक्टेयर भूमि पर मियावाकी तकनीक से एक घना जंगल विकसित किया गया। यहां महुआ, जामुन, शीशम, आम, इमली, बेल, करौंदा, नीम, बोगनबेलिया, मेंहदी, तुलसी, अडूसा, भटकटैया जैसे 35,000 से अधिक पौधे एक साथ लगाए गए। शहर के बीचोंबीच बना यह छोटा-सा जंगल लोगों को सुकून देता है और बच्चों को प्रकृति से जोड़ता है।

आज एक पौधा मां के नाम जरूर लगाएं-डीएम

- जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अनुरोध किया कि 9 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत एक पौधा मां के नाम जरूर लगाएं। यह केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं है, यह हमारी अगली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है। एलेन फारेस्ट में पौधरोपण का मुख्य कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे होगा जहां उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग विभाग के मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में कार्यक्रम होगा।

सरसौल का डोमनपुर वन ब्लाक

- वर्ष 2021 में सरसौल स्थित डोमनपुर वन ब्लॉक की 40 हेक्टेयर भूमि पर अर्जुन, कंजी, अर्रु, अकेसिया अरिकुलीफार्मिस और नीम जैसे जीवनदायी पौधों का रोपण हुआ जो अब वृक्ष का रूप ले चुके हैं। पेड़ों की कतारें झूम रही हैं, पत्तों की सरसराहट में उम्मीद सुनाई देती है और हर कोना जैसे धीरे-धीरे फिर से सांस लेने लगा है। ये कार्य न केवल स्थानीय लोगों की सहभागिता से पूरा हुआ बल्कि इसकी देखरेख में समाज की सक्रिय भूमिका रही। आज इस वनखंड में 95.69 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। जो स्थानीय तापमान, पक्षियों की उपस्थिति और कार्बन अवशोषण में अहम योगदान दे रहा है।

आज नून नदी किनारे रोपे जाएंगे 40 हजार पौधे

कानपुर। नून नदी अब हरियाली की एक नई पहचान गढ़ने जा रही है। बुधवार 9 जुलाई को पौधरोपण अभियान के अंतर्गत इसके किनारे 40 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। शिवराजपुर ब्लॉक के सैलहा गांव में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहेंगे।

सीडीओ दीक्षा जैन ने बताया कि इसी दिन जनपद की 21 ग्राम पंचायतों में अटल वन की स्थापना की जाएगी। अटल वन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के प्रतीक रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रत्येक अटल वन में छायादार, फलदार और औषधीय पौधों का मिश्रित रोपण होगा, जहां लोगों को सुकून

सावन माह को देखते घाटों पर मौजूद रहें गोताखोर : डीसीपी पश्चिम

पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने सरैया घाट और खेरेश्वर मंदिर परिसर का किया निरीक्षण

संवाददाता, शिवराजपुर

सरैया घाट का निरीक्षण करते पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी और ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। मंगलवार दोपहर बाद शिवराजपुर के पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने खेरेश्वर मंदिर और सरैया घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गंगा घाट पर मौजूद गोताखोरों और लोगों से बातचीत की और गोताखोरों से घाट पर मौजूद रहने को कहा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के बारे में क्षेत्रीय लोगों से चर्चा की। इस मौके पर उनके साथ शिवराजपुर ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी भी मौजूद रहे। उन्होंने घाट में होने वाली भीड़ और श्रद्धालुओं के बारे में डीसीपी को अवगत कराया।

मंगलवार दोपहर बाद पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बिल्हौर एसीपी और शिवराजपुर थाने की फोर्स के साथ प्राचीन खेरेश्वर मंदिर के दर्शन किए। साथ ही वहां के पुजारियों से सावन महीने में होने वाली भीड़ के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मंदिर में उचित सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही। इस मौके पर उनके साथ ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी भी मौजूद रहे और क्षेत्र की समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने सरैया घाट का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सावन महीने में आने वाल श्रद्धालु गहरे जल में न जाएं इसके लिए बल्ली और रस्सी लगायें।

साथ ही हर समय घाट पर उचित पुलिस बल गोताखोरों के मौजूद रहने की बात कही। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए रोड में भी ट्रैफिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा। वहीं उप जिलाधिकारी बिल्हौर संजीव कुमार दीक्षित ने भी शिवराजपुर मंदिर की व्यवस्था को लेकर तमाम विषयों पर मंदिर कमेटी के साथ चर्चा की । इसके साथ ही गंगा घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और श्रद्धालुओं के गहरे पानी में न जाने के लिए के लिए संकेतांक बोर्ड लगाने को कहा।

ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण को मंत्रालय से मिली हरी झंडी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की स्वीकृति मिलने के बाद प्रभावित गांवों के किसानों के मध्य हलचल तेज हो गई है। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे सदर एवं मौदहा तहसील के गांव के मध्य से गुजारा जाएगा। इसके लिए जमीन का चिन्हीकरण करके नंबरिंग का कार्य एनएचएआई पूर्ण कर चुकी है। स्वीकृत के बाद दो माह में किसानों की जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है।

एनएचएआई ने सदर तहसील के गांव रमेडी डांडा, मंझूपुर डांडा एवं दरिया, चंदौली तीर, हेलापुर डांडा, कलौलीतीर, कीरतपुर, बरदहा सहजना दरिया, पारा ओझी, कुछेछा, महमूदपुर, पौथिया, दरियापुर, कुंडौरा, भकौल मौजा, रगौरा मौजा, बांकी, अमिरता, सुमेरपुर ग्रामीण, बबीना मौजा, बिलहडी, बांक, पलरा, इंगोहटा, विदोखर पुरई, विदोखर मेंदनी के मौजे से गुजारने का चिन्हीकरण किया है। इसी तरह मौदहा तहसील के अछरेला, बहरेला, रोहारी, पिपरौंदा, सिलौली, रतवा, भमौंरा, नरायच, कुसमेला, गहबरा, भवानी, चमर खन्ना, लरौंद, मकरांव, रतौली, किशनपुर, चकदहा, गडरिया खेड़ा मौजे से गुजरकर यह महोबा जनपद की सीमा में प्रवेश करेगा। इस हाईवे से राठ हमीरपुर मार्ग, सुमेरपुर बांकी मार्ग, इंगोहटा छानी मार्ग, मौदहा पाटनपुर मार्ग, मौदहा बिवांर मार्ग, मौदहा मुस्करा मार्ग को जोड़कर विकास को गति देने का कार्य किया जाएगा। गांवों के मध्य से गुजरने वाले इस ग्रीन फील्ड हाईवे के बनने के बाद सदर एवं मौदहा तहसील के उक्त गांवों के विकास की उम्मीद बढ़ी है।

हाईवे बनने से कृषि क्षेत्र में भी व्यापारिक अवसर मिलेंगे। इससे यहां का उत्पादन बढ़ेगा। इसके बनने से सबसे बड़ा फायदा कस्बे की उद्योग नगरी को मिलेगा। लखनऊ से सीधे मुंबई तक आवागमन सुगम होने के कारण यहां के उद्योगों के विकास की गति मिलेगी। इसके अलावा महोबा जनपद के स्टोन उद्योग तथा हमीरपुर के बालू खनन उद्योग को भी गति मिलेगी और सरकार के राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

सार-संक्षेप

अवैध तरीके से खनन की गई मिट्टी। अमृत विचार

साढ़ थाना क्षेत्र के कई जगहों पर हो रहा है अवध खनन

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के कई गांवों में रात होते ही खनन होने लगता है। क्षेत्रीय लोगों ने आरोप लगाया कि अवैध खनन में सफेदपोश नेता और दबंग मिले हुए वहीं पुलिस भी अपनी आंखें मूंदे रहती है। साढ़ क्षेत्र में इन दिनों जगह-जगह अवैध खनन किया जा रहा है। साढ़ क्षेत्र के कुड़नी, भीतरगांव, बारीगांव, कुंदौली साढ़ कस्बा सहित तमाम जगहों पर दबंगों द्वारा अवैध खनन कराया जा रहा है।

राज सिंह ने पावर लिफ्टिंग में जीता गोल्ड मेडल

घाटमपुर। काकादेव कानपुर में मंगलवार को आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में घाटमपुर तहसील के बिरिया गांव निवासी राज सिंह सेंगर पुत्र शिववीर सिंह ने गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के कई जिलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। भाजपा नेता पिता शिववीर सिंह ने बताया कि पुत्र राज सिंह सेंगर ने पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीतकर गांव, क्षेत्र व अपने परिवार का नाम रोशन किया है। गोल्ड मेडल जीतने पर ग्रामवासियों ने पिता शिववीर सिंह व राज सिंह सेंगर का भव्य स्वागत किया।

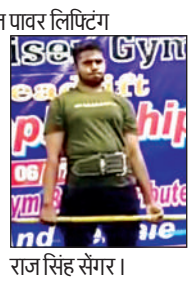

राज सिंह सेंगर।

मोबाइल और पर्स छीनने वाले दबोचे गये

बिल्हौर। बिल्हौर पुलिस ने मोबाइल और पर्स छीनने के एक मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर इन आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने नाते-रिश्तेदारों के यहां ठिकाने बदल रहे थे। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने डायनेमो अंडरपास से अभियुक्तों को मोबाइल और एक खाली पर्स के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद मेडिकल परीक्षण करवाकर उन्हें जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान राजा पुत्र सोनेलाल बाल्मीकि निवासी वाल्मीकि नगर और शिवम यादव पुत्र स्व0 गुलाब सिंह निवासी वैष्णो नगर, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर के रूप में हुई है। इस गिरफ्तारी को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक कपिल कुमार, उपनिरीक्षक सचिन सिरोही, उपनिरीक्षक पंकज कुमार मिश्र, हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार, और यशपाल यादव शामिल थे। बिल्हौर कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने टीम के अथक प्रयासों की सराहना की है।

खेत में मिला लापता राजमिस्त्री का शव

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील क्षेत्र के महिगवां गांव में एक जुलाई से लापता 54 वर्षीय राजमिस्त्री सियाराम का शव उनके ही खेत में पड़ा मिला है। शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था, जिससे यह कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। मृतक की जेब से मिले वोटर कार्ड और आधार कार्ड से उसकी पहचान की जा सकी। सियाराम के तीन बेटों में से गौरव ने बताया कि उनके पिता शराब के आदी थे और अक्सर घर में विवाद करते थे। लगभग एक महीने पहले उन्होंने घर के जेवर चुराकर बेच दिए थे और उससे मिले पैसों से शराब पी गये थे। वहीं पैसे खत्म होने के बाद वापस लौटे थे और एक जुलाई को अपनी पत्नी से झगड़े के बाद वह बिना बताए घर से कहीं चले गए थे।पुलिस को घटनास्थल से शराब की बोतल, सल्फास की दो पुड़िया, पानी की बोतल और चिप्स का खाली पैकेट मिला है। इससे यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। शव की पहचान परिजनों ने कपड़ों से की। थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है और परिजनों की तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मीटर लगाने के बहाने महिला को पीट कर घर में की लूट

संवाददाता शिवराजपुर

अमृत विचार। बिजली का मीटर लगाने के बहाने एक युवक दोपहर के समय एक घर में पहुंचा। अकेली महिला द्वारा दरवाजा खोल देने पर लुटेरे ने महिला का गला दबाकर उसे बेहोश कर दिया। महिला बेहोशी की हालत में महिला जमीन पर पड़ी रही। वहीं युवक घर में रखा उसका जेवर लूटकरभाग गया।

सोमवार को कस्बे के वार्ड नंबर 2 में दोपहर के समय सुधा पत्नी नारेंद्र घर में अकेली थी सुधा ने आरोप लगाया इसी समय मुंह में कपड़ा बांधे युवक ने बाहर से आवाज दी कि बिजली का मीटर लगाने आया हूं। नारेंद्र के घर में बिजली का कनेक्शन नहीं है। उन्होंने बिजली वाले को जानकर दरवाजा खोल दिया। उनके दरवाजा खोलते ही वह युवक उनके घर में घुस आया और दरवाजा बंद कर लिया। अंदर आकर उसने सुधा का गला दबाकर बेहोश कर दिया। उसके बाद वह घर में रखे जेवर आदि उठाकर भाग गया। पीड़ित महिला को जब होश आया तो उसने शोर मचाया। आसपास के लोग दौड़े किंतु तब तक लुटेरा वहां से भाग चुका था। पड़ोसियों द्वारा 112 नंबर पर सूचना के बाद पहुंची थाना पुलिस ने लुटेरे का पता लगाने की कोशिश की किंतु उसका कहीं पता नहीं चल सका। वहीं पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि तहरीर मिली है जांच चल रही है जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा युवक को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा ।

रासायनिक उर्वरकों के बारे में दी जानकारी

घाटमपुर। इफको द्वारा तहसील घाटमपुर में सहकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षकों ने किसानों को उर्वरकों को बारे में जानकारी दी। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जसवीर सिंह, उप महाप्रबंधक विपणन लखनऊ, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ मृदा वैज्ञानिक डॉ के. एन. तिवारी के द्वारा की गई, क्षेत्र अधिकारी, इफको भास्कर शुक्ला, एडीओ घाटमपुर राम नरेश पटेल एवं एडीओ पतारा आशीष पांडेय, गौतम पटेल एवम् सभी समिति के सचिव एवं उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे। इफको लखनऊ से आए वरिष्ठ मृदा वैज्ञानिक डॉ के.एन. तिवारी ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी का प्रयोग कर रासायनिक उर्वरक का उपयोग कम करने की सलाह दी।

नई कार्यकारिणी ने लिया न्याय व संगठन की मजबूती का संकल्प

संवाददाता बिल्हौर

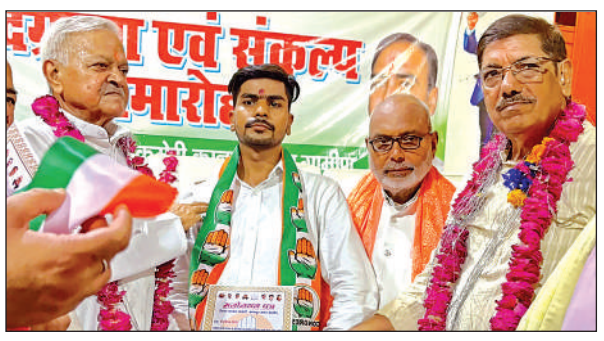

नवमनोनीत पदाधिकारी को प्रमाणपत्र देते वरिष्ठ कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

- कानपुर ग्रामीण कांग्रेस में नई कमेटी का हुआ सम्मान

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा आज कानपुर नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी में नए पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। तिलक हॉल, मेस्टन रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित सम्मान एवं पदभार ग्रहण समारोह में बिल्हौर विधानसभा से मो. अकिल, डॉ. अभिषेक कटियार (अमन), वरुण कठेरिया, शोहेब, और शरीक जाफरी को कानपुर नगर ग्रामीण का जिला सचिव पद ग्रहण कराया गया।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही सभी पदाधिकारियों को कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों पर चलने तथा जनसेवा का संकल्प दिलाया गया। सभी ने प्रतिज्ञा ली कि वे पीड़ित किसानों, मजदूरों और असहाय लोगों को न्याय दिलाने के लिए कार्य करेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को हर घर तक पहुंचाने का प्रण लिया। इस अवसर पर पंडित श्रीकांत शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुशील पटेल , अजीत किशोर कटियार , रामचरण पांडे और श्री कृष्णा कठेरिया सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, दूसरा घायल

संवाददाता, चौबेपुर

घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण व परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र के अमिलिहा गांव के निकट शंकरा हॉस्पिटल के सामने हाईवे पर मंगलवार शाम तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि साथ रहा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

रामनगर गांव निवासी पार्थ उर्फ हनी तिवारी (18)) व उसका साथी यश तिवारी मंगलवार को बुलेट मोटरसाइकिल द्वारा कस्बा स्थित हनुमान मंदिर जा रहे थे। तभी करीब 7:00 बजे क्षेत्र के अमिलिहा गांव के निकट शंकरा आई हॉस्पिटल के सामने हाईवे पर उनकी तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर डिवाइडर के दूसरी ओर जा गिरे। हादसे में सिर में आई गंभीर चोटों के चलते पार्थ की मौके पर ही मौत हो गई ,जबकि साथ रहा उसका साथी यश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए निकट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मृतक के घर वालों के मौके पर पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई है, जिसमें बाइक सवार एक युवक युवक की मौत हो गई है और दूसरा युवक घायल हो गया है।

बारिश से लोगों को गर्मी से मिली राहत

चौबेपुर। विगत तीन दिनों से निकल रही चटक धूप के बाद मंगलवार दोपहर हुई तेज बारिश से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली ।

बीते दिनों क्षेत्र में हुई मामूली बारिश के बाद विगत तीन दिनों से तेज धूप निकल रही थी। बारिश के बाद निकल रही धूप से उमस बढ़ गई थी। इधर मंगलवार दोपहर क्षेत्र में हुई तेज बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। वहीं दूसरी ओर इस बारिश से किसानों को खासा लाभ मिला। क्षेत्र के हृदयपुर गांव निवासी आधार सिंह, शिव सिंह, नंदन सिंह, सरायं छीतम के कालिका प्रसाद अवस्थी, सीताराम, राम सेवक, मालौं गांव के श्यामू त्रिवेदी, गुड्डू मिश्रा व गड़रियन पुरवा के ओमप्रकाश पाल आदि ने बताया कि इस समय किसानों को खरीफ की फसल धान व मक्का के लिए पानी की बेहद आवश्यकता है।

उपजिलाधिकारी ने सुनीं अधिवक्ताओं की समस्याएं

परिचर्चा में मौजूद उपजिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित व अन्य। अमृत विचार

परिचर्चा में मौजूद अधिवक्ता। अमृत विचार

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर तहसील के सभागार में आज उप जिलाधिकारी (एसडीएम) संजीव कुमार दीक्षित ने बिल्हौर बार एसोसिएशन और लॉयर्स एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान तमाम अधिकवक्ता बंधु मौजूद रहे और उन्होंने अपनी बातों को एसडीएम के सामने रखीं। एसडीएम ने भी उनके समाधान का आश्वासन दिया।

एसडीएम और अधिवक्ताओं की इस बैठक में अधिवक्ताओं से जुड़ी विभिन्न शिकायतों और मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अधिवक्ताओं से संबंधित कई प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उनकी कार्यप्रणाली से लेकर अन्य प्रशासनिक शिकायतें शामिल थीं। उप जिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित ने सभी अधिवक्ताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

इस अवसर पर बिल्हौर बार एसोसिएशन और लॉयर्स एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। उनके साथ ही एसडीएम न्यायिक पुष्पेंद्र कुमार सिंह और तहसीलदार अनुभव चंद्र भी बैठक में मौजूद थे, जिन्होंने अधिवक्ताओं द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। यह बैठक अधिवक्ताओं और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

समस्या महापौर ने अपर नगर आयुक्त व अन्य अधिकारियों के साथ की बैठक, 742 जर्जर भवन चिन्हित, रात में मंदिरों के आसपास होगी सफाई

जर्जर भवन बारिश में बने खतरा, होगी वीडियोग्राफी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नगर निगम में अधिकारियों के साथ बैठक करतीं महापौर। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर निगम शहर के जर्जर मकानों की वीडियोग्राफी कराएगा। साथ ही भवन के स्वामी व किराएदारों को जर्जर मकान गिराने के लिए भी कहेगा। यह निर्देश मंगलवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने दिए। वह नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में सावन की शुरुआत व जर्जर भवनों को लेकर अपर नगर आयुक्त व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर रही थीं।

मुख्य अभियंता सिविल सैय्यद फरीद अख्तर जैदी ने बताया कि शहर में 742 जर्जर भवन हैं। इसमें सबसे 441 जोन-1 और 201 मकान जोन-4 में हैं। सभी जर्जर भवनों पर वाल पेंटिंग से लिखा रहे है कि अप्रिय घटना घटित होने पर नगर निगम जिम्मेदार नहीं होगा। जोन-1 के बिरहाना रोड में नगर निगम का अस्पताल भी जर्जर स्थिति में है। इस पर महापौर ने कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर नगर आयुक्त मो. अवेश, जगदीश यादव, आरके तिवारी, दिवाकर भास्कर, राजेश कुमार, नानक चंद्र, कमलेश पटेल, आरके सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे। **रात में कराएं मंदिरों के आसपास सफाई:** महापौर ने कहा कि 11 जुलाई से सावन माह शुरू हो रहे हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी व सभी जोनल स्वच्छता अधिकारी शहर के प्रमुख चार शिव मंदिरों परमट स्थित आनंदेश्वर, वनखंडेश्वर मंदिर, जागेश्वर मंदिर, नवाबगंज व सिद्धनाथ मंदिर के आसपास रात को सफाई कराई जाएं। अन्य प्रमुख मंदिरों में भी साफ-सफाई के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाए।

सभी मंदिरों में मार्ग प्रकाश व झालर लगाने के निर्देश भी दिए। मंदिरों के पहुंच मार्गों को गड्ढा मुक्त किया जाए।

पीडब्ल्यूडी ही बनाएगा नाला

- उन्होंने कहा कि बारिश के समय ज्यादा जलभराव वाले क्षेत्रों में डीजल पंप लगाकर पानी निकाला जाए। सर्वोदय नगर में रीजेंसी के पास पीडब्ल्यूडी ने 90 डिग्री कोण पर नाला बना दिया। इससे जलभराव हो रहा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने धन न होने की बात कही है। इस पर महापौर ने विभाग के अधिकारी को तुरंत फोन किया और कहा कि पीडब्ल्यूडी की सड़क है, इसलिए वह ही नाला बनाए।

बिठूर में भक्तों के समागम से सराबोर हुआ नीलाद्री बीजे उत्सव

संवाददाता बिठूर

कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। बिठूर के बैकुंठपुर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में आज भगवान जगन्नाथ ने अपनी रूठी हुई पत्नी महालक्ष्मी को मनाने के लिए उनको रसगुल्ला भेंट किया। इसे नीलाद्री बीजे उत्सव या रसगुल्ला रस्म भी कहा जाता है। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे।

महालक्ष्मी प्रभु के अकेले यात्रा पर जाने की बात से रूठ गई थीं। इसी वजह से उन्होंने प्रवेश द्वार बंद करवा दिए जब प्रभु ने उन्हें मनाया तब जाकर द्वार खुले । भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ प्रभु ने अपने मंदिर में प्रवेश किया और अपने सिंहासन पर विराजमान हुए। इसके बाद रथयात्रा समिति के सदस्यों और श्याम सुंदर दास ने महाप्रभु की आरती की। इस दौरान सिंहासन पर विराजे प्रभु की छटा देखने योग्य थी। सैकड़ों की संख्या में भक्त प्रभु के दर्शनों को लालायित रहे सभी ने प्रभु के दर्शन किए और प्रसाद पाया। मंदिर में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह सम्मिलित हुए और उन्होंने प्रभु की आरती कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। अनिदीता दास, सुनीता दास, शिवाशीष दास, सौम्यदीप खूंटियां, आयुषी विश्वाल द्वारा प्रस्तुत किए गए भजनों ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया।

एक नजर

विद्यार्थियों ने किया विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मंगलवार को उप्र. विधानभवन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्ता और उनकी पारदर्शी कार्यशैली पर प्रकाश डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे संविधान के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। छात्र-छात्राओं ने भी विधानसभा कार्यवाही के संचालन, प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक निर्माण की प्रक्रिया तथा विभिन्न समितियों के दायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और कई प्रश्न पूछे।

बीएसए, बीईओ व प्रबंधक समेत 18 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिक्षक नियुक्ति में फर्जीवाड़ा : शासन के आदेश पर विजिलेंस वाराणसी शाखा की टीम ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2015-16 और 2016-17 सत्र में वाराणसी के विद्यालयों में हुई नियुक्तियों की जांच में सामने आया भ्रष्टाचार

अमृत विचार : पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुई नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया था। इसकी जानकारी होने पर शासन ने वाराणसी के चिह्नित सात पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्ति के जांच का आदेश जारी किये थे। विजिलेंस की वाराणसी शाखा की जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच रिपोर्ट में इस धांधली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रामटहल और विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व कई शिक्षकों की भूमिका पाई गई। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, साजिश रचने, धोखाधड़ी समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विजिलेंस की वाराणसी शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनीता सिंह ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि वाराणसी के सात पूर्व माध्यमिक व जूनियर हाईस्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुए प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, लिपिक पदों पर विधि विरुद्ध नियुक्ति की गई। इसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सात विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाध्यापकों, सहायक शिक्षकों व लिपिकों के खिलाफ जांच की गई। जांच में सामने आया कि बड़े पैमाने पर धांधली की गई है। इसमें चयनित अभ्यर्थियों के स्थान पर अपने करीबी व रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गई है। इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी रामटहल समेत 18 लोग दोषी पाये गये हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई। शासन के आदेश मिलने के बाद वाराणसी विजिलेंस शाखा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

इन विद्यालयों में हुई थीं फर्जी नियुक्तियां

- श्री विश्वकर्मा पूर्व मा. विद्यालय, रौनाखुर्द बेला वाराणसी
- पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन, पाण्डेयपुर वाराणसी
- श्री जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज, बड़ागांव, वाराणसी
- ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाईस्कूल, नई बस्ती पाण्डेयपुर, वाराणसी
- श्री दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, असवारी कुआर बाजार, वाराणसी

इन्हें बनाया गया आरोपी

विजिलेंस की जांच में तत्कालीन बीएसए हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी चिरईगांव अरविंद कुमार यादव, दशाश्वमेध जोन बृजेश कुमार राय, रामटहल, सुबाष गुप्ता, जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज बड़ागांव के प्रधानाचार्य सत्य कुमार त्रिपाठी, प्रबंध समिति के नामित सदस्य ओम प्रकाश चौबे, ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाई स्कूल नई बस्ती पांडेयपुर के प्रधानाध्यापक संजय कुमार जायसवाल, प्रबंधक गणेश यादव, प्रबंध समिति के नामित सदस्य संजय यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर के प्रबंध समिति के नामित सदस्य प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव, दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय असवारी कुआर बाजार के प्रबंधक सभाजीत सिंह, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रौना खुर्द, वाराणसी की सहायक अध्यापिका चित्रा बोस, मंजू कुमार यादव, मीला यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर वाराणसी की प्रधानाध्यापिका शीतला, सहायक अध्यापक राकेश, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय रौनाखुर्द बेला वाराणसी के प्रबंधक काशीनाथ विश्वकर्मा को मामले में आरोपी पाया गया। इन सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

निजीकरण के विरोध में 27 लाख बिजली कर्मचारी आज करेंगे सांकेतिक हड़ताल

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में देश भर में 27 लाख बिजली कर्मचारी 9 जुलाई को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इस दौरान बिजली कर्मी राजधानी समेत पूरे प्रदेश में पूरे दिन विरोध-प्रदर्शन करेंगे। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ प्रदेश के एक लाख से अधिक बिजली कर्मी व आउटसोर्स कर्मी शामिल होंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि हड़ताल में बिजली के साथ केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, सरकारी कर्मचारी, निजी कल कारखानों के कर्मचारी भी शामिल होंगे।

होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में भी महिलाओं को मिले वरीयता

महिला सशक्तिकरण में कई जिले फिसड्डी, योगी ने दी हिदायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के समक्ष पेश हुआ डब्ल्यूईई सूचकांक
- लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर
- श्रावस्ती व महोबा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती की तर्ज पर होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को वरीयता देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को डब्ल्यूईई सूचकांक पेश हुआ। इसमें कई जिलों ने जहां प्रगति की, वहीं कई जिले फिसड्डी भी रहे। जिसका संज्ञान लेते हुए योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती, महोबा जैसे जिलों में विशेष अभियान चलाने की हिदायत दी। वहीं, इस सूचकांक में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एक बैठक में महिला आर्थिक सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईई इंडेक्स) की प्रस्तुति की गई। यह सूचकांक योजना विभाग द्वारा उदयती फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि राज्य की योजनाओं और कार्यक्रमों से महिलाओं को कितना लाभ मिल रहा है, इसका सटीक मूल्यांकन किया जा सके और सुधार के लिए दिशा तय की जा सके।

इस सूचकांक में पांच प्रमुख विषयों, उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा और कौशल, आजीविका तथा सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी सुविधाओं के आधार पर प्रदेश के सभी 75 जिलों का मूल्यांकन किया गया है। यह सूचकांक यह बताता है कि किस जिले में महिलाओं को योजनाओं का लाभ मिला और कहां अभी और प्रयासों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सूचकांक मुख्यमंत्री नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाए और सभी संबंधित विभाग इसे नीति निर्माण और निगरानी के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में अपनाएं। प्रत्येक विभाग को निर्देशित किया गया कि वे इस सूचकांक के आधार पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्य योजनाएं बनाएं। जिलों को भी सूचकांक के अनुसार अपनी रणनीति तय करनी होगी ताकि स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रभाव अधिक हो सके।

प्रस्तुति में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं में कुछ जिलों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ जिलों में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। उदाहरण के लिए, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी जैसे जिलों में योजनाओं का लाभ महिलाओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा है, जबकि श्रावस्ती, संभल, महोबा, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता महसूस की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में अभी तक महिलाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है, वहां विशेष प्रयत्न किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि होमगार्ड एवं शिक्षकों की नई भर्तियों में पुलिस भर्ती की तर्ज पर महिलाओं को वरीयता दी जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सेवाक्षेत्र से जुड़ी शिक्षा में महिलाओं को आगे लाने के लिए पैरामेडिकल संस्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सूचकांक केवल रिपोर्ट नहीं, इसे कार्य का आधार बनाएं

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे इस सूचकांक को केवल रिपोर्ट मानकर न छोड़ें, बल्कि इसे कार्य का आधार बनाएं और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं यदि योजनाओं की मूल शक्ति बनेंगी, तभी समाज और राज्य की समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सकेगी।

18 मंडलों में आज लगाए जाएंगे 37 करोड़ पौधे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक रचेंगे इतिहास
- अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे मुख्यमंत्री
- राज्यपाल आनंदी बेन बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में करेंगे पौधरोपण

अमृत विचार : राज्य के 18 मंडलों में 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक बुधवार को 37 करोड़ पौधे लगाकर एक नया इतिहास रचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे। जबकि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इससे पहले मंगलवार को नोडल अधिकारियों ने इस महाअभियान की व्यवस्था परखी और वन विभाग के अधिकारियों संग इसे अंतिम रूप भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर प्रदेश में 9 जुलाई बुधवार को एक दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण महाभियान-2025 की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस अभियान के लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी मंत्री जिलों में रहकर पौधरोपण करेंगे।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जिलों में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम लगाएंगे। इसके अलावा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री भी विभिन्न जिलों में जाकर पौधरोपण कराएंगे।

नोडल अफसरों की हुई तैनाती

अमृत विचार : पौधरोपण महाभियान को सफल बनाने के लिए शासन से नामित नोडल अधिकारियों की सभी 75 जिलों में मंगलवार से ही तैनाती कर दी गई। इस क्रम में पेयजल मिशन ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर को वाराणसी, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज को प्रयागराज, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद को जौनपुर, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. पिंकी जोवेल को मीरजापुर और सिंचाई विभाग के सचिव जीएस नवीन को आजमगढ़ को नोडल अफसर बनाया गया है। सचिव बेसिक शिक्षा सारिका मोहन को बाराबंकी, सचिव खेल सुहास एलवाई को गोरखपुर, स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा को गोंडा, प्रमुख सचिव सिंचाई व जल संसाधन अनिल गर्ग को अयोध्या, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को लखनऊ, आवास आयुक्त बलकार सिंह को मेरठ, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात को गाजियाबाद तथा प्रमुख सचिव पर्यटन-संस्कृति मुकेश मेश्राम को नोएडा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ अन्य सभी जिलों में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

यूपी में नागपुर जैसा केंद्र बना रही आरएसएस : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आरएसएस उत्तर प्रदेश में नागपुर जैसा केन्द्र बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में झूठ और नफरत फैलाती है। झूठ फैलाकर विरोधियों को बदनाम करती है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को अखिलेश यादव ने कहा कि हर योजना और काम में भ्रष्टाचार और लूट है।

बच्चों ने सपा प्रमुख को सौंपी गुल्लक की धनराशि

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मंगलवार को गोरखपुर से आयी कक्षा तीन की 8 वर्षीय बालिका रश्मिका यादव और कक्षा 6 के 11वर्षीय बालक राजेश यादव विक्की ने अपने गुल्लकों की पूरी धनराशि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की। अखिलेश यादव ने इन बच्चों की भावनाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व अखिलेश ने सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव का स्मारक बनाने के लिए जनता से सहयोग की अपील की थी।

शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा आकर्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश में शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर आकर्षण बढ़ रहा है। बीते पांच वर्षों में अभ्यर्थियों की संख्या में चार गुना बढ़ोतरी हुई है। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना को नई दिशा दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां 19,937 अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 84,418 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में यह योजना अब राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के रूप में ऑनलाइन पोर्टल से संचालित की जा रही है।

परिवहन निगम के चालकों व परिचालकों को मिला बोनस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महाकुंभ ड्यूटी के लिए 24071 कर्मियों के खातों में भेजी गई 24.71 करोड़ की राशि : दयाशंकर

अमृत विचार : महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10 हजार रुपये बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपये (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मचारियों को उनके खातों में भेजी गई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे हो बिजली आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में कांवड़ यात्रा की तैयारी की समीक्षा करते नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

- ऊर्जा मंत्री ने नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

अमृत विचार : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्गों, पांडालों व शिविरों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास 24 घंटे बिजली आपूर्ति की सुनिश्चित की जाए। रात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे रात्रि में यात्रा करते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। ऊर्जा मंत्री मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में नगर विकास व ऊर्जा विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए इन स्थानों पर विद्युत पोल, स्टेवायर व ट्रांसफार्मर में करंट उतरने की समय से जांच कर ली जाए। बीते वर्षों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं से सीख लेते हुए लोगों को सजग व जागरूक करें। सड़क को पार कर रही लाइन के नीचे सुरक्षा तार लगाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइट को ठीक कराया जाए और संपूर्ण मार्ग को गड्ढामुक्त भी किया जाए। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाये गये पांडालों व शिविरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, मोबाइल ट्वायलेट की व्यवस्था, डस्टबिन और नियमित साफ-सफाई व कूड़ा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। कांवड़ मार्गों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था रहे। नियमित रूप से सफाई के लिए कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाए।

आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग कर रहे अखिलेश : स्वतंत्र देव

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। स्वतंत्र देव के मुताबिक, सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई।

वर्ग पहेली-26

बाएं से दाएं

1. जिसका संस्कार हुआ हो।
5. 1. जगमगाने की अवस्था या भाव, दमक 2. प्रकाश में होने वाली चमक, चमचमाहट।
7. 1. वनरक्षक, वनमाली, बागवान, (गार्डनर) 2. माला बनाने वाला व्यक्ति 3. बादल, मेघ 4. बहुत घने जंगलों वाला प्रदेश।

ऊपर से नीचे

1. 1. नाज़ुक 2. जोखिम भरा 3. संकट में फंसा हुआ।
2. विभाजन करने वाला, अलग-अलग हिस्सों में बांटने वाला।
3. 1. धुआं 2. बादल 3. धूमकेतु 4. उल्कापात 5. कोहरा 6. अपच के कारण आने वाली डकार 7. एक ऋषि 8. मकान बनाने के लिए तैयार किया गया स्थान।
4. वह कागज़ जिसपर संपत्ति गिरवी रखने की शर्तें लिखी गई हों।
6. गीदड़ नामक जानवर।

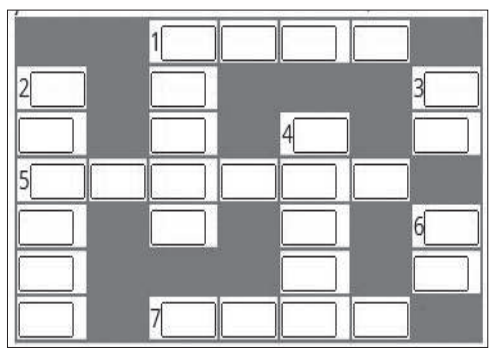

वर्ग पहेली -25 का हल

			1 पु			2 चु		
3 अ	व	स	रा	नु	कू	ल		
व			भि			बु		
पी			ले			ल		
ड़			खा		4 वा			
न		5 ठ	गा	ठ	गी			
	6 दी	ग	र		श			

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी-10 जुलाई 01.36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

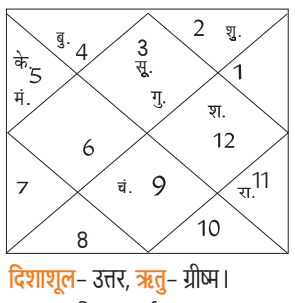

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 10 जुलाई 04.50 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन अटक सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। महिलाओं से अधिक बहसबाजी न करें। जीवनसाथी की सलाह लेना हितकारी होगा।

वृष — आज का दिन कुछ कमजोर हो सकता है। शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। छोटे बच्चों की परेशानियों को हल्के में न लें। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। भाई-बन्धुओं के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। अनावश्यक बातों पर ध्यान न दें। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

सिंह — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आपका मन लगेगा। तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें। विद्यार्थी आज कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या — आज व्यापार में नया प्रयोग कर सकते हैं। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। संपत्ति के क्रय-विक्रय से आपको लाभ होगा।

तुला — आज जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनन्द उठायेंगे। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। पिकनिक का विचार बना सकते हैं। सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद मिल सकता है।

वृश्चिक — आज परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। इससे आपके मन का तनाव दूर होगा। जीवन में उन्नति के नये अवसर बनेंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु — आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य कम हो सकता है।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिस्थितियों में धीरे-धीरे सुधार आयेगा। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

मीन — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप काफी समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

अमृत विचार
www.amritvichar.com

भावमिच्छति सर्वस्य नाभावे कुरुते मन: ।
सत्यवादी मृदुर्दान्तो य: स उत्तमपूरुष: ॥

जो पुरुष सबका भला चाहता है, किसी को कष्ट में नहीं देखना चाहता, जो सदा सच बोलता है, जो मन का कोमल है और जितेंद्रिय भी, उसे उत्तम पुरुष कहा जाता है।

संपादकीय

डिजिटल इंडिया पहल

किसी सरकारी अभियान की प्रभावशीलता का प्रमाण सार्वजनिक जीवन को बदलने की उसकी क्षमता में निहित है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हर भारतीय का जीवन आसान बनाना है, ने देश भर में मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया है। मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार लगभग हर गांव तक हो गया है। अभियान ने एक दशक पूरा कर लिया है। डिजिटल इंडिया न केवल प्रौद्योगिकी को लोगों के करीब लाया है, बल्कि इसने लोगों को अवसर भी प्रदान किए हैं। यह डिजिटल परिदृश्य पर विशाल कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। साथ ही यह समय अभियान की बाधाओं का जायजा लेने का भी है। डिजिटल इंडिया ने एक दशक में शासन को ज्यादा पारदर्शी बनाया है, और विकास व नवाचार के लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल माध्यम से भुगतान करने के आंकड़े का रिकॉर्ड, इंटरनेट के तेज़ी से विस्तार और एआई व सेमीकंडक्टर में अग्रणी पहलों के साथ, भारत ने एक ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम बनाया है जो समावेशी, स्केलेबल और भविष्योन्मुखी है। अप्रैल 2025 में 24.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,867.7 करोड़ से अधिक यूपीआई लेन-देन किए गए। यूपीआई अब सात से अधिक देशों में उपयोग किया जा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है।

इंटरनेट की पहुंच भी बढ़ी है, जो 2014 में 250 मिलियन से बढ़कर दो साल पहले 970 मिलियन से अधिक हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरण - टेलीमेडिसिन-डिजिटल माध्यमों से सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस का विस्तार, अन्य परिवर्तनों के अलावा, भारत के डिजिटल वितरण तंत्र के मूल में बने हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता के मामले में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक ग्रामीण-शहरी विभाजन है। बढ़ती डिजिटल छाप ने साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों जैसी चुनौतियों को भी जन्म दिया है। एक अनुमान के अनुसार, भारत वैश्विक साइबर हमलों में दूसरा सबसे अधिक लक्षित देश था, जहां पिछले साल 95 भारतीय संस्थाओं को डेटा चोरी के हमलों का सामना करना पड़ा। ऐसे खतरों के बारे में लोगों की कम जागरूकता चुनौती को और बढ़ा देती है। चिंता का दूसरा क्षेत्र डेटा गोपनीयता है। फिर भी देश विकसित भारत के विजन के तहत आगे बढ़ रहा है। अगला दशक न केवल तीव्र विकास वाला होगा, बल्कि बड़े परिवर्तन वाला भी साबित होने वाला है और प्रौद्योगिकी एक मज़बूत, स्मार्ट और अधिक आत्मनिर्भर भारत की आधार बनेगी।

शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए।

पिछले एक दशक में 25 हजार करोड़ बस इस बात के लिए खर्च किए गए कि देश के प्रगति के प्रतिमान कहलाने वाले शहर बरसात में दरिया न बन जाएं। लेकिन हालत बदले नहीं। मौसम की बरसात के शुरुआत में ही दरिया बन गए और जो समाज कुछ दिनों पहले तक नालों में पानी की एक एक बंद के त्राहि त्राहि कर रहा था, अपने गली-मुहल्लों में गर्दन तक पानी में डूब गया। कोई भी नाम लें, दिल्ली या खुर्जा, पलवल या चंडीगढ़, नागपूर या भोपाल, कानपुर या पटना, बंगलूरू या हैदराबाद या चेन्नई, जो चौड़ी सड़कें या फ्लाई ओवर यातायात को फर्राटे से निकालने के लिए बने हैं वहां मीलों तक वाहनों का जाम हो जाता है। यह रोग अब महानगरों में ही नहीं जिला स्तर के नगरों में भी आम है। चूंकि बरसात के दिन कम हो रहे हैं, सो लोग इसे अस्थाई दिक्कत मान कर बिसरा देते। लेकिन जान लें कि अब हमारा देश भी शहरीकरण की ओर अग्रसर है उसके चलते जल्द ही जलभराव गंभीर समस्या का रूप ले लेगा।

पिछले साल बजट सत्र के आखिरी दिनों में यह बात संसद में स्वीकार की गई थी कि केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। दुखद है कि देश वे 100 शहर जिन्हें स्मार्ट सिटी घोषित कर दिया गया, पहले से अधिक डूब रहे हैं। सरकार कहती है जुलाई 2024 तक, 100 शहरों ने स्मार्ट सिटी मिशन के हिस्से के रूप में 1,44,237 करोड़ रुपये की राशि की 7,188 परियोजनाएं (कुल प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत) पूरी कर ली हैं। 19,926 करोड़ रुपये की राशि की शेष 830 परियोजनाएं भी पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपए के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए। इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए

603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपए खर्च हुए। इनमें सूरत में 200 करोड़ रुपए, लखनऊ में 197 करोड़ रुपए, चेन्नई में 117 करोड़ रुपए, फरीदाबाद में 38 करोड़ रुपए, कोच्चि में 30 करोड़ रुपए, जबलपुर में 58 करोड़ रुपए, चंडीगढ़ में 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। खाने की जरूरत नहीं कि ये सभी शहर बरसात में जलभराव के कारण ठप्प हुए।

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक ना तो नालियां बनीं या सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना का एक शोध बताता कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती है। शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है।

शहरों में बाढ़ का सबसे बड़ा कारण तो यहां के प्राकृतिक नदी-नालों, तालाब-जोहड़ों और उन तक पानी लाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई ना होना है। लेकिन इससे बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े का भंडार व उसके निबटान की माकूल व्यवस्था ना होना। जाहिर है कि बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है। महानगरों में भूमिगत सीवर जल भराव का सबसे बड़ा कारण हैं। जब हम भूमिगत सीवर के लायक संस्कार नहीं सीख पा रहे हैं तो फिर खुले नालों से अपना काम क्यों नहीं चला पा रहे हैं?

एक बात और बंगलूरू या हैदराबाद या दिल्ली में जिन इलाकों में पानी भरता है यदि वहां की कुछ दशक पुरानी जमीनी संरचना का रिकार्ड उठा कर देखें तो पाएंगे कि वहां पर कभी कोई तालाब, जोहड़ या प्राकृतिक नाला था। अब पानी के प्राकृतिक बहाव के स्थान पर सड़क या कालोनी रोपी गई है तो पानी भी तो धरती पर अपने हक की जमीन चाहता है? ना मिलने पर वह अपने पुराने स्थानों की ओर रूख करता है। मुंबई में मीठी नदी के उथले होने और सीवर की 50 साल पुरानी सीवर व्यवस्था के जर्जर होने के कारण बाढ़ के हालात बनना सरकारें स्वीकार करती रही है। बंगलूरू में पारंपरिक तालाबों के मूल स्वरूप में अवांछित छेड़छाड़ को बाढ़ का कारक माना जाता है। शहरों में बाढ़ रोकने के लिए सबसे पहला काम तो वहां के पारंपरिक जल स्रोतों में पानी की आवक और निकासी के पुराने रास्तों में बन गए स्थाई निर्माणों को हटाने का करना होगा । यदि किसी पहाड़ी से पानी नीचे बह कर आ रहा है तो उसका संकलन किसी तालाब में ही होगा। विडंबना है कि ऐसे जोहड़-तालाब कंक्रीट की नदियों में खो गए हैं। परिणामतः थोड़ी ही बारिश में पानी कहीं बहने को बहकने लगता है।

शहरीकरण व वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय जलवायु परिवर्तन की त्रासदी पर भी गौर करना होगा। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है और इसकी की दुखद परिणति है-मौसमों का चरम। गरमी में भयंकर गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी पानी बरस जाना।

महानगरों में बाढ़ का मतलब है परिवहन और लोगों का आवागमन ठप होना। इस जाम के ईंधन की बर्बादी, प्रदूशण स्तर में वृद्धि और मानवीय स्वभाव में उग्रता जैसे कई दीर्घगामी दुष्परिणाम होते हैं। इसका स्थाई निदान तलाशने के विपरीत जब कहीं शहरों में बाढ़ आती है तो सरकार का पहला और अंतिम कदम राहत कार्य लगाना होता है, जोकि तात्कालिक सहानुभूतिदायक तो होता है, लेकिन बाढ़ के कारणों पर स्थाई रूप से रोक लगाने में अक्षम होता है। जल भराव और बाढ़ मानवजन्य समस्याएं हैं और इसका निदान दूरगामी योजनाओं से संभव है, यह बात शहरी नियोजनकर्ताओं को भलींभांति जान लेना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भविष्य की योजनाएं बनाना चाहिए।

शहर को डूबने से बचाना है तो कूड़ा कम करने, पॉलीथिन पर पाबंदी, सीवरों की ईमानदारी से नियमित सफाई जरूरी है। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानि कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। जलभराव वाली जगहों भूजल रिचार्ज के प्रयास हों। प्राकृतिक जलाशयों, नदियों को उनके मूल स्वरूप में रखने तथा उसके जलग्रहण क्षेत्र को किसी भी किस्म में निर्माण ना हों।

प्रसंगवश

सड़क हादसों पर गंभीर चर्चा जरूरी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात को स्वीकार किया है कि देश में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स के कार्यक्रम में उन्होंने ब्लाइंड स्पॉट में सुधार पर जोर देते हुए कहा कि डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। इसके अलावा खराब इंजीनियरिंग पर ध्यान देने की जरूरत है, जिस पर अमूमन ध्यान नहीं दिया जाता या बहुत कम दिया जाता है। गडकरी की यह बात इस ओर इशारा है कि हमें सड़क हादसों पर दुर्घटना के बाद भी बात करने की जरूरत है, जो कि होती नहीं है। हमें इस पर विस्तार से चर्चा करनी होगी।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

असल में जब भी कोई सड़क हादसा होता है, तो हम कितने मरे और कितने घायल की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। तेज गति और गलत तरीके से वाहन चलाने को सड़क हादसे का जिम्मेदार बताकर बाकी सभी कामों की इतिश्री कर ली जाती है। कभी भी सड़क हादसे के त्वरित कारणों के अलावा विस्तार से चर्चा नहीं होती?

सड़क हादसों पर जहां एक ओर मीडिया की रिपोर्टिंग सीमित है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली भी हादसे के बाद वाहन का चालान काटने और दुर्घटना होने पर उसे सीज करने तक ही काम करती है। हादसे की विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच तक किसी का ध्यान नहीं जाता। हमारे देश में बिचौलियों को पैसे देकर ड्राइविंग लाइसेंस बन जाता है, जबकि विदेशों में लाइसेंस के लिए बहुत कठोर टेस्ट देना पड़ता है। जापान में कार खरीदने से पहले पार्किंग की जगह होने का सर्टिफिकेट देना जरूरी है, लेकिन भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल बड़ी संख्या में होने वाले सड़क हादसों के प्रमुख कारण खराब सड़कें और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता की कमी है। इसके अलावा, सही समय पर घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचा पाना भी मौत के आंकड़े में बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सरकारी प्रयासों के धरातल पर परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता के प्रयासों में तेजी लाने की दरकार है। हालांकि विशेषज्ञों की सलाह पर बहुत गंभीरता से काम किया गया हो, ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। अगर उनकी सलाह पर काम होता, तो सड़क हादसों में निश्चित तौर पर कमी आती। लोगों की लापरवाही पर तो फिर भी चर्चा हो जाती है, लेकिन सड़कों की खराब डीपीआर और खराब इंजीनियरिंग पर तो कभी चर्चा ही नहीं होती। इस पर गंभीरता से बातचीत करना समय की दरकार है।

सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन न होना और आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलना। वहीं नशे की आदत इतनी बढ़ चुकी है कि कई बार गाड़ियों की भीड़ के कारण नहीं, बल्कि चालक की होश में ना होने की स्थिति के कारण हादसा हो जाता है। कुछ गाड़ी चलाने वालों में अधीरता इतनी होती है कि वे दूसरों से पहले निकलने की जल्दी में टक्कर मारते हुए निकल जाते हैं। कहीं-कहीं पर रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाते हैं, लेकिन उनके बनाने का कोई मानक नहीं होता है। कई बार जहां पर आवश्यकता होती है, वहां पर नहीं बनते और अनावश्यक जगहों पर मानक हीन स्पीड ब्रेकर बना दिए जाते हैं, इसलिए ऐसे स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं। इन सभी वजहों पर चर्चा होना आवश्यक है, लेकिन उम्मीदों के अनुरूप होती नहीं है।

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए उन पर विस्तार से बात करने की जरूरत है। उनके कारणों का हमें गंभीरता से पता लगाना होगा। हादसे में एक व्यक्ति का खत्म होना केवल उस आदमी का जाना नहीं होता, बल्कि एक परिवार का बिखर जाना होता है। हमें इन बिखरे परिवारों को संभालने के लिए और उन तक हर संभव सरकारी और निजी सहायता पहुंचाने के लिए प्रयास करना होगा। यह तभी संभव है, जब सड़क हादसा होने के बाद भी विस्तार से चर्चा की जाए और हमें ऐसा करना ही होगा।

विमानन क्षेत्र में समीक्षा-सुधार की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं। बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। अहमदाबाद जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि अब केवल ब्रांड पर भरोसा करने का समय नहीं रहा।

हाल ही के वर्षों में बोइंग विमानों से जुड़ी कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। अकेले 2018 से 2025 के बीच बोइंग विमानों की दुर्घटनाओं में लगभग 9000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से कई मामलों में तकनीकी खामियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिका, इंडोनेशिया, इथियोपिया सहित कई देशों में बोइंग 737 मैक्स विमान दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। इन हादसों में सैकड़ों लोगों की जान गई और इन विमानों को कई देशों में अस्थाई रूप से उड़ानों से हटा दिया गया। 2024-2025 में भी बोइंग के विमानों में दरवाजे उखड़ने, फ्यूल लीक, एयर प्रेशर फेल होने जैसी घटनाएं सामने आईं।

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है। बार-बार की दुर्घटनाएं दर्शाती हैं कि या तो मैन्युफैक्चरिंग में चूक है या गुणवत्ता नियंत्रण में लापरवाही। बोइंग जैसी

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

कंपनी से यह अपेक्षित नहीं है। संघीय विमानन प्रशासन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विमानन निगरानी संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है कि उन्होंने ऐसे विमानों को उड़ान की अनुमति कैसे दी? बोइंग पर यह भी आरोप लगे हैं कि उसने प्रतिस्पर्धा में एयरबस से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा के मानकों की अनदेखी की।

कंपनी के विमानों की छवि हाल के वर्षों में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग विश्व की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में से एक है, लेकिन हाल ही में आधुनिक तकनीक और वैश्विक हवाई यात्रा में क्रांति लाने वाले बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्न खड़े किए हैं, बल्कि विमानन उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न किया है। आज जब हवाई यात्रा आम नागरिक की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है, ऐसे में बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाएं केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह जातीं, बल्कि यह जन-जीवन, वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और यात्रियों के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत प्रासंगिक विषय बन जाता है।

भारत जैसे देश में अहमदाबाद की घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है। यदि ऐसे विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में नियमित रूप से उड़ान भरते हैं, तो यात्रियों की जान के साथ बड़ा जोखिम हो सकता है। भारत सरकार, नागरिक विमानन महानिदेशालय और एयरलाइंस को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। बोइंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड की पहचान केवल उसके विमानों की संख्या या तकनीकी नवाचार से नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की मजबूती से तय होती है। यदि सुरक्षा को मुनाफे की दौड़ में पीछे छोड़ा गया, तो यह पूरे विमानन उद्योग को हिला सकता है। संघीय विमानन प्रशासन, नागरिक विमानन महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सिर्फ सर्टिफिकेशन तक सीमित न रखकर, रियल-टाइम गुणवत्ता ऑडिट्स लागू करने की जरूरत है, ताकि संभावित त्रुटियों का पता पहले से लगाया जा सके।

भारत जैसे देश जो बोइंग के विमानों का व्यापक उपयोग करते हैं, उन्हें भी आंख मूंदकर कंपनियों पर भरोसा करने की बजाय स्थानीय टेस्टिंग, एयरवर्दिनेस रिपोर्ट और इन्वेस्टिगेशन सिस्टम को मजबूत करना होगा। अहमदाबाद जैसे मामलों को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की तत्काल जांच कराए और एयरलाइंस को यह निर्देश दे कि किसी भी तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए। बोइंग को चाहिए कि वह पारदर्शी रूप से अपने उत्पादों में खामी स्वीकार करे, यात्रियों की सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर रिकॉल और सुधार की रणनीति बनाए और यह विश्वास बहाल करे कि उसका हर विमान उड़ान के लिए 100 फीसदी सुरक्षित है।

सोशल फोरम

कैसे बने रिश्ता

जो आज अच्छा लग रहा, वह कल बुरा भी लगेगा। यह इंसानी फ़ितरत है। मुझसे कोई कहता है कि मैं आपका शागिर्द हूं। तो एक सवाल मेरी आंखों में तैरता है, कब तक, तुम्हें जो मुझमें आज अच्छा लग रहा, वह कल नही लगेगा, तब...

जब कोई बहुत ज़िद करता है कि नहीं हम तो शागिर्द हैं आपके, तब मेरा अगला सवाल होता है कि क्या मुझसे मिलने के बाद तुम्हें बुराई बुरी और अच्छाई अच्छी लगने लगी है। क्योंकि यह शऊर ही अगर तुममे न आया, तो काहे के हम उस्ताद और कैसे तुम शागिर्द ।

हालांकि शागिर्द से तो मैं यही कहता हूं कि हर वक्त हालत ए इश्क़ में रहो। इल्म हासिल करने की दौड़ में मत रहो। इल्म ऐसे पैदा करो, जैसे किसी फूल में खुशबू। कोई उस्ताद तुम्हें महका नहीं सकता, महकने का रास्ता बता सकता है। मगर महकना तो तुम्हें है।

सूफ़ियों में तरबियत निबंध लिखकर नहीं दी जाती। ज़िन्दगी के फ़लसफ़े, ज़िन्दगी जीकर समझाए जाते हैं। हम तो उस उस्ताद को बेहतरीन मानते हैं, जो अपने शागिर्द को ग़म का ज़ायक़ा दिला दे। ग़म हमारी रूह की चमक की गवाही है, जबकि खुशी हमारे जिस्म का हिस्सा है।

हफीज किदवई
लेखक

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता। शागिर्द को इश्क़ करना ज़रूरी है तो उस्ताद का आशिक़ होना मगर मतलब की दुनिया में मतलब के उस्ताद भी रोज़ बनते हैं और शागिर्द भी....

-फेसबुक वॉल से

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता।

शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता से ही होगा अंधविश्वासों का खात्मा

आज विज्ञान और तकनीक का युग है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का प्रयोग किया जा रहा है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में भी भारतीय समाज में कहीं न कहीं अंधविश्वास की जड़ें कम गहरी नहीं हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अंधविश्वास की इन जड़ों को समूल नष्ट किया जाए। वास्तव में अंधविश्वास, अज्ञानता, डर, या तर्कहीन विश्वासों पर आधारित एक विश्वास या प्रथा है। यह अक्सर अलौकिक शक्तियों, भाग्य, या कुछ कार्यों या वस्तुओं के शुभ या अशुभ प्रभावों में विश्वास से जुड़ा होता है। अंधविश्वास किसी तर्क या प्रमाण पर आधारित नहीं होते हैं, बल्कि ये अक्सर मान्यताओं, परंपराओं, या व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये अक्सर परंपराओं और रीति-रिवाजों से जुड़े होते हैं, जिनका पालन बिना किसी तर्क या प्रमाण के किया जाता है।

हाल ही में अंधविश्वास के चक्कर में बिहार में परिवार के पांच लोगों की हत्या की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आईं थीं। अंधविश्वास के कारण हैवानों ने पति-पत्नी और बच्चों को मार डाला। इसी प्रकार से आजमगढ़ में पुत्र की चाहत में एक महिला अंधिविश्वास की भेंट चढ़ गई। परिजनों का आरोप है कि तांत्रिक ने झांड़फूंक के नाम पर नाले का गंदा पानी पिलाया जिससे उसकी मौत

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं।

हुई। इतना ही नहीं, मध्यप्रदेश के एक गांव में देवस्थान के चबूतरे पर नरबलि देने का मामला भी सामने आया है। इसी प्रकार से कुछ समय पहले महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अंधविश्वास की वजह से मासूम बच्चे के साथ दरिंदगी की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। जानकारी के अनुसार यहां एक महिला ने 10 दिन की नवजात बच्ची को पेट दर्द से राहत दिलाने के नाम पर उसे गर्म लोहे की छड़ से दाग दिया। दरअसल अंधविश्वास 'आत्मज्ञान' के अभाव में पनपता है, व्यक्ति को ज्ञान का अभाव होता है।

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि आस्था, ईश्वर की तरह ही असीम है, अनादि है, अनंत है। शिक्षा की कमी, परंपरा और सामाजिक दबाव अंधविश्वास के प्रमुख कारण हैं। वास्तव में आज वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत है। अज्ञात, बीमारी, या मृत्यु का भय अंधविश्वास को जन्म दे सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वासी प्रथाओं और उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना आज के समय में बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। सच तो यह है कि हमें हमेशा सत्य की खोज करनी चाहिए और अंधविश्वासों पर कभी भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। यह ठीक है कि आज शिक्षा व तकनीक दोनों क्षेत्रों में प्रगति के कारण हमारे समाज के लोग अंधविश्वास की छाया से निकलने लगे हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना बाकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वास आज भी एक जटिल समस्या है जिसके कई कारण और निवारण हैं। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता बढ़ाकर, हम अंधविश्वासों को दूर करने और एक अधिक तर्कसंगत और वैज्ञानिक समाज बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हमारे देश में आज अंधविश्वास की रोकथाम के लिए दंडात्मक प्रावधान हैं, लेकिन बावजूद इसके बहुत से पाखंडी लोग, तांत्रिक इस दिशा में सक्रिय हैं। पाखंड व अंधविश्वास का सहारा लेकर ऐसे लोग अपने चूल्हे के नीचे आंच सरकाते हैं और लोगों को बरगलाते हैं। अंधविश्वास समाज को अंदर ही अंदर से खोखला व बर्बाद कर देता है, इसलिए इस पर रोक बहुत आवश्यक है। याद रखिए कि अंधविश्वास हमारी संस्कृति की धरोहर नहीं हैं, जैसा कि अक्सर ऐसा समझा जाता है। अंधविश्वास की असली जड़ भूत-प्रेत का डर, जादू-टोने होने का डर, प्रेम-विवाह, व्यापार-नौकरी में असफलता का डर और दुर्भाग्य घटित होने का डर है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं होता है। तांत्रिक उपायों से न तो सफलता मिलती है, न ही कोई बीमारी ठीक होती है, न ही पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है, न ही कोई काम बनते हैं,यह कटु सत्य है। परेशानियां और दुःख कभी भी टोनो-टोटको से ठीक नहीं होते। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में शिक्षित कहे जाने वाले लोग भी तांत्रिकों, पाखंडियों के चक्कर में आखिर क्यों आने लगे हैं, यह समझ से परे की बात है। अंधविश्वास को खत्म करने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, और जागरूकता फैलाना ज़रूरी है। याद रखिए कि वैज्ञानिक सोच लोगों को घटनाओं को तर्कसंगत रूप से देखने और उनके पीछे के कारणों को समझने में मदद करती है। इसके अलावा कानून को भी सख्त बनाने की आवश्यकता है। तभी हम वास्तव में हम अपने समाज और देश से अंधविश्वासों का खात्मा कर पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

जनपद में आज रोपे जाएंगे 59.56 लाख पौधे

यमुना-सेंगुर, नून और रिंद नदी के कैचमेंट एरिया में होगा पौधरोपण, रजिस्टर में दर्ज होगा संरक्षणकर्ता का पूरा ब्यौरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। महानिदेशक आयुष व पौधरोपण के नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में आज जनपद में होने वाले वृहद पौधरोपण की तैयारी के संबंध में जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। नोडल अधिकारी ने फलदार साथ ही स्थानीय जलवायु व मिट्टी के अनुरूप उपयोगी पौधों का चयन करने समेत अन्य निर्देश दिए।

मंगलवार को रोपरोपण के नोडल अधिकारी मानवेंद्र सिंह ने बैठक के दौरान अधिक से अधिक संख्या में सहजन के पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी संबंधित विभागों द्वारा की जा रही पौधरोपण संबंधी कार्रवाई की निरंतर निगरानी की जाए। उनके द्वारा अपलोड की जा

पौधरोपण को लेकर बैठक करते महानिदेशक आयुष एवं नोडल अफसर मानवेंद्र सिंह और डीएम आलोक सिंह। अमृत विचार

● नोडल अधिकारी ने पौधरोपण अभियान की समीक्षा की

रही फोटो आदि को देखें। नोडल अधिकारी ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम जितने भी पौधे लगाएं, उनमें से अधिक से अधिक को बचा सके। जहां पर भी पौधरोपण कराएं, वहां पर एक रजिस्टर अवश्य रखें। जिसमें लगाए गए पौधों की संख्या, उनके संरक्षणकर्ता का नाम, नोडल अधिकारी आदि के बारे में जानकारी अंकित की जाए।

उन्होंने बताया कि पौधरोपण अभियान अंतर्गत पवित्र धारा, ऑक्सी वन, अटल वन, सहजन भंडारा, त्रिवेणी वन, खाद्य वन, ग्राम वन, शक्ति वन, युवा वन, एकता वन, भाई-बहन पौधरोपण, शौर्य वन, एक पेड़ गुरू के नाम आदि की विभिन्न तिथियों में स्थापना की जाएगी। शासन के निर्देशानुसार नारा है 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ'। उन्होंने बताया कि सेंगुर, यमुना, नून व रिन्द नदी किनारे पौधरोपण कराया जाएगा। इसमें स्वयंसेवी संगठनों को भी जोड़ा गया है।

जनपद में वृहद पौधरोपण अभियान में 59 लाख 56 हजार 400 पौधे लगाए जाएंगे। बैठक में जिलाधिकारी आलोक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन., अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, डीएफओ अजय कुमार पांडेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके सिंह, परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह, डीसी एनआरएलएम गंगाराम वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि जनपद में आवंटित पौधरोपण लक्ष्य वन विभाग 26 लाख 75 हजार एवं अन्य विभाग 32 लाख 81 हजार 400 पौधों का रोपण किया जाना है। डीएम ने विकासखंड को सेक्टर एवं तहसील को जोन के रूप में विभाजित किया है। विकास खंड स्तर पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में खंड विकास अधिकारी एवं तहसील स्तर पर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में संबंधित तहसील के एसडीएम को नामित किया है। किसी भी आकस्मिक समस्या पर एसडीएम व बीडीओ की संयुक्त टीम कार्य करेगी। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट क्षेत्र की न्याय पंचायतों में अपने स्तर से ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी को कोआर्डिनेटर नामित करते हुए पौधरोपण कराएंगे। सेक्टर एवं जोन में पौधरोपण में समस्या पर प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय के कंट्रोल रूम या प्रभागीय वनाधिकारी के मोबाइल नंबर 7839435163, 9452704816 पर संपर्क कर सकते हैं।

जमीन पर सोई रसोईया की सांप के डसने से थमी सांस

संवाददाता, शिवली

● लालपुर शिवराजपुर के स्कूल में खाना बनाती थी महिला

अमृत विचार। क्षेत्र के लालपुर शिवराजपुर गांव के विद्यालय में खाना बनाने वाली रसोईया की सांप के डसने से हैलट अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कमला देवी।

लालपुर शिवराजपुर गांव निवासी विनोद कुमार सैनी की पत्नी कमला देवी गांव स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बतौर रसोईया खाना बनाने का काम करती थी। कमला देवी बीती 4 जुलाई की रात अपने घर पर जमीन पर सो रही थी। तभी जहरीले सांप ने उनको डस लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां सोमवार की कमला देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

मंगलवार की शाम महिला का शव घर पहुंचते ही चीख पुकार मच गई और मृतका की पुत्री विजेता, खुशबू, क्षमा, सोनवी, पुत्र सौरभ आदि का रो-रो कर बुरा हाल था। गांव के पूर्व प्रधान संजू सिंह ने बताया कि कमला देवी का पति विनोद कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। घटना की जानकारी तहसीलदार को दी गई है। तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि जांच कर शासन की ओर से मदद दिलाने को आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

जैनपुर मंदिर के मेले में लगी दुकानों में खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

अषाढ़ माह के अंतिम मंगलवार को हनुमानजी की पूजा-अर्चना

संवाददाता, राजपुर

● राजपुर के जैनपुर मंदिर में एक दिनी मेले में खूब हुई खरीदारी

अमृत विचार। अषाढ़ माह के अंतिम मंगलवार पर क्षेत्र के जैनपुर मंदिर में बजरंगबली की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से लेकर देर रात शाम तक भक्तों की भीड़ जुटी रही। सुंदर कांड, हनुमान चालीसा पाठ के साथ ही पूरे दिन मंगलगान व आरती का आयोजन हुआ।

जैनपुर मंदिर में भक्तों द्वारा जगह-जगह भंडारे का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर एक दिवसीय मेले का आयोजन हुआ। मेले में दूरदराज आए लोगों ने जमकर खरीददारी की। अषाढ़ माह में सभी मंगलवार को बजरंग बली की पूजा अर्चना की जाती है। माह के अंतिम मंगलवार को क्षेत्र के जैनपुर स्थित हनुमान मंदिर में दिन भर विशेष पूजा अर्चना की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर मत्था टेका। हलवा-पूड़ी, बूंदी-पूड़ी, छोला-चावल आदि का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मंदिर के महंत बाबा शिवपाल दास महाराज ने श्रद्धालुओं को बजरंगबली की महिमा बताते हुए प्रसाद वितरित किया।

टैबलेट के साथ छात्र-छात्राओं को सिविल परीक्षा का खजाना

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। कस्बे के श्रीरामप्रकाश पोरवाल महाविद्यालय में प्रदेश सरकार की शैक्षणिक योजना के अंतर्गत एमए के छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया। जिसे पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

मंगलवार को कस्बे के श्रीरामप्रकाश पोरवाल महाविद्यालय में टेबलेट वितरण कार्यक्रम में पहुंचे तहसीलदार सिकन्दरा राकेश चंद्रा एवं पोरवाल ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पोरवाल ने दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं को टेबलेट देते हुए कहा कि सरकार आप लोगों को तकनीकि शिक्षा में सहयोग दे रही है। जिसका उसका लाभ उठाएं। साथ ही ऐसे महाविद्यालय में प्रवेश ले। जिसमे सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार प्रदान करने में सहयोग प्रदान करें। पोरवाल महाविद्यालय वर्ष में दो बार रोजगार मेले का आयोजन करता है। इसी वर्ष 29 मार्च को रोजगार मेले में 102 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। दूसरा रोजगार मेला अतिशीघ्र लगाया जाएगा। तहसीलदार ने कहा कि टेबलेट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस वरदान और अभिशाप दोनों है। इसीलिए इसका सदुपयोग करें। इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं को चंद्रा सिविल परीक्षा ज्ञान का खजाना सिरीज-एक बुकलेट दी गई। जिससे वह सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी में प्रयोग कर सकेंगे। इस मौके पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अरविंद द्विवेदी, डॉ. विनय कुमार, डॉ. असलम खान, डॉ. अतुल दुबे, डॉ. संजीव दीक्षित, डॉ. केके पाल, हिमांशु शुक्ला, अलका पोरवाल, संजय पाल, प्रो. निर्मल यादव, प्रो. राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय में टैबलेट पाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ अतिथि एवं शिक्षक।

● महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सिविल सर्विस की तैयारी के लिए दी गई सिरीज बुकलेट

● इसी वर्ष 29 मार्च को रोजगार मेले में महाविद्यालय के 102 छात्र-छात्राओं का हुआ चयन

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

जिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 75 बच्चे हुए शामिल

कानपुर देहात। मंगलवार को एक दिनी जिला स्तरीय बॉक्सिंग बालक वर्ग प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम माती में किया गया, जिसमें जिले के 75 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

जिला क्रीडाधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 28-33 किग्रा. में अद्भुत प्रथम, मो. फरहान द्वितीय व रिषभ तृतीय रहे। इसी तरह 33-38 किग्रा. में वैभव प्रथम, अमृत द्वितीय, अंशुमान तृतीय, 38-42 किग्रा. में मोहित प्रथम, प्रांजल द्वितीय, निशांत तृतीय, 42-46 किग्रा. में प्रवीन प्रथम, आदित्य द्वितीय, आयुष तृतीय, 46-50 किग्रा. में शिवम प्रथम, शिवांश द्वितीय, रुद्ध प्रताप तृतीय, 50-55 किग्रा. में मयंक प्रथम, हर्ष द्वितीय, दीपक तृतीय, 55-60 किग्रा. में आकाश प्रथम, आहद द्वितीय, अनुराग तृतीय, 60-65 किग्रा. में सौरभ प्रथम, साहिल द्वितीय, रिषभ तृतीय, 65-70 किग्रा. में भंम यादव प्रथम, करण द्वितीय, आर्यन सिंह व 70-75 किग्रा. में रामजी प्रथम, अभय द्वितीय, रिहान तृतीय रहे। सभी को पुरस्कृत किया गया।

सार-संक्षेप

कलेक्ट्रेट में कर एवं करेत्तर की बैठक करते डीएम आलोक सिंह। अमृत विचार

लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश

कानपुर देहात। मंगलवार को डीएम आलोक सिंह ने कर-करेत्तर व राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाए। साथ ही ऑडिट आपत्तियों, बेदखली वाद का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि आईजीआरएस, तहसील दिवस व सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समयावधि में कराया जाए। बैठक में तहसीलवार बड़े बकायेदारों की समीक्षा कर वसूली कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान एडीएम प्रशासन अमित कुमार, एडीएम न्यायिक दिग्विजय सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिकंदरा में जोरदार बारिश के दौरान आड़े-बिरछे वाहन खड़े करने से लगा जाम।

सिकंदरा में झमाझम बारिश से आधा घंटे लगा रहा जाम

सिकंदरा। तहसील क्षेत्र में सुबह से उमस भरी गर्मी से लोग जूझ रहे थे। जनजीवन अस्त-व्यस्त नजर आया। रोजमर्रा की मजदूरी करने वाले लोग पसीना-पसीना हो गए। मंगलवार दोपहर कस्बे में जोरदार बारिश शुरू हो गई, जिससे बिरहाना चौराहे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बारिश इतनी तेज थी कि वहां करीब आधा घंटे तक जाम लगा रहा। चालकों ने जलभराव के साथ हो रही तेज बारिश के चलते आड़े-तिरछे वाहन खड़े कर दिए और आसपास की दुकानों पर पहुंच गए। हालांकि बारिश बंद होने के बाद चालकों ने वाहन हटाए, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।

कैंप के दौरान दिव्यांगों को तहरी वितरित करते स्वास्थ्य कर्मी।

सीएमओ कार्यालय के कैंप में आए दिव्यांगों को खिलाई तहरी

कानपुर देहात। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय माती में मंगलवार को दिव्यांग कैंप में आए दिव्यांगजनों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से निशुल्क भोजन व्यवस्था की गई। सीएमओ डॉ. एके सिंह के निर्देशों के क्रम में प्रशासनिक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, वरिष्ठ सहायक नीरज निगम एवं अरविंद खरे द्वारा पौष्टिक तहरी एवं गरीब बुजुर्गों को गमछा का वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजन कर्ता रत्नेश बाजपेयी एवं विजय मिश्रा ने बताया कि माह के प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को होने वाले कैंप में दिव्यांग जनों को निशुल्क भोजन व स्वल्पाहार की व्यवस्था जाती है। इस दौरान कर्मी महेंद्र कुमार, डॉ. यतेंद्र शर्मा, लालजी, शिवम यादव, राजेश, अवधेश तिवारी, ब्रजेश पांडेय, अशोक कुशवाहा ने विशेष सहयोग दिया।

पीएचसी में टीबी रोगियों को पोषण पोटली देते चिकित्सक।

राजपुर में क्षय रोगियों को बांटी गई पोषण पोटली

राजपुर। पीएचसी में क्षेत्र के 11 क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण की गई। उन्हें टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बीमारी से बचाव के लिए जागरूक किया गया। भारत सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान पोषण योजना के तहत मंगलवार को राजपुर पीएचसी में एचएलएए एग्रो प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से क्षय रोगियों को बीमारी से बचाव के लिए जागरूक किया गया। पीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित निरंजन ने कहा कि टीवी के मरीजों को समय से पौष्टिक आहार लेना चाहिए। उन्होंने लोगों को टीवी की पहचान, जांच व उसके निदान से संबंधित जागरूक करते हुए कहा कि ऐसे मरीजों की जांच सरकारी अस्पताल में मुफ्त में की जाती है। साथ ही भारत सरकार की ओर से निशुल्क दवा दी जाती है। डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि क्षय रोगियों को सरकार की ओर से छह हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्राविधान है। इस दौरान वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक ब्रजेश दीक्षित, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, एलटी प्रतिपालेंद्र सिंह, अजीत पाल आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर के जांबाज का माटी में स्वागत

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल रहे भाल गांव के जांबाज फौजी शिवम सिंह अपनी माटी में पहुंचे तो गौरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष और क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने प्रतीक चिह्न व माला पहना कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों से ही हमारा देश सुरक्षित है।

मंगलवार को कस्बे की शिवधाम वाटिका में ऑपरेशन सिंदूर के जांबाज फौजी भाल गांव के शिवम सिंह का गौरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश मिश्रा व क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद प्रताप सिंह बाली ने प्रतीक चिह्न व माला पहनाकर सम्मानित किया। गौरक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब भी युद्ध होता है, तब देश के लोग भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते हैं। इस बार भी सेना के साथ हैं। यह ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न भी है और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में भाल गांव के फौजी शिवम सिंह हिस्सा रहे हैं। क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने हौसला अफजाई करते हुए भारतीय सशस्त्र बलों और अर्द्धसैनिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। यहां मंडल अध्यक्ष अमरौधा अतेंद्र कटियार, शौकत अली, अमित पाल, मंजीत मिश्रा, मुख्तार खां, विनोद दुवे, प्रांशू मिश्रा, सौरभ सिंह, राकेश कुमार, विपिन बाजपेई, बहादुर राठौर आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर में शामिल रहे जांबाज फौजी शिवम सिंह का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

● ऑपरेशन सिंदूर में शामिल रहे भाल गांव के शिवम का स्वागत

मजदूर की हत्या में नामजद तीसरा आरोपी हत्थे चढ़ा

संवाददाता, रूरा

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के उलरापुर गांव में काम के एडवांस पैसे मांगने पर लोहे की रॉड से बोरिंग मजदूर की पीट कर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों में से नामजद तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस हिरासत में हत्यारोपी।

उलरापुर की रामा देवी ने बीती 8 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया था कि उसका भाई सुभाष को गांव के लोथा उर्फ तेज सिंह अपनी बोरिंग कराने की बात कहकर घर से ले गए थे। उसके भाई ने एडवांस पैसा मांगा और न देने पर बोरिंग करने से मना कर दिया। जिससे नाराज होकर लोथा, करन सिंह, शिव सिंह, अमित कुमार उर्फ छऊवा, बऊवा, हिमांशु, ओम जी व बबिता ने मिलकर सुभाष की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। पूर्व में नामजद अभियुक्त बबीता व राधा कृष्ण उर्फ बऊवा को पुलिस गिरफ्तार कर जेल चुकी है। वहीं मंगलवार को दरोगा जितेंद्र सिंह ने फोर्स के साथ हत्या मामले में फरार चल रहे आरोपी लोथा उर्फ तेज सिंह को क्षेत्र के उलरापुर नहर पटरी के पास से गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

नेकी की राह पर चलें सट्टी गांव के सलाना जलसे में उलेमाओं ने दीन पर डाली रोशनी, दुनिया की चकाचौंध में मकसद से भटक रहे मुसलमान

दीनी शिक्षा के साथ दुनियावी तालीम दिलाना जरूरी

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। सटटी गांव में मंगलवार को सालाना जलसे का आयोजन हुआ। उलेमाओं ने लोगों को दीन के बताए रास्ते पर चलने की हिदायत दी।

मोहर्रम की 11वीं तारीख सोमवार को सटटी गांव की मुख्य बाजार में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले जलसे का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कानपुर शहर क़ाज़ी कारी अब्दुल कुद्दूस हादी ने कहा कि वर्तमान में मुसलमान दुनिया के सुख-साधन के पीछे भाग रहा है। दुनिया की चकाचौंध में वह अपने मकसद से भटकता जा रहा हैं। मोमिन की असली जिंदगी दुनिया नहीं आखरत है। इसलिए कुरान की रोशनी में जिंदगी बिताए। जमीयत उलेमा के नायाब सदर मौलाना अमीनुल हक कासमी ने कहा कि कुरान की रोशनी में जीवन बिताने वाला ही दुनिया और आखरत में कामयाब हो सकता है। मौलाना नियामतउल्लाह ने कहा कि हमें झूठ और गलत कामों से बचना चाहिए। नबी की सुन्नतों में सच्चाई है। मौलाना अब्दुर्रहमान कासमी ने कहा कि निकाह में फालतू खर्च करने के बजाए जरूरतमंदों का पेट भरने व देश की तरक्की में लगाएं।

मौलाना इजहार कासमी ने कहा कि दीन की राह पर चलने वाले शख्स को कामयाबी मिलती है। अंत में मुल्क के अमन की दुआ कराई गई। जलसे में कारी सईद मुफ्ती मुजीबुर्रहमान कासमी, हाफिज तुफैल, मौलाना काशिफ, मौलाना मुबीन, मौलाना अब्दुल माजिद, मौलाना अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

सट्टी गांव में सालाना जलसे के दौरान दीन पर तकरीर करते उलेमा। अमृत विचार

बिजली कटौती से बाधित रहे बैनामा

शिवली। मैथा तहसील के उप निबंधक कार्यालय में मंगलवार को बिजली कटौती से बैनामा करीब एक घंटे बाधित रहे। उपनिबंधक कार्यालय में इन्वर्टर खराब हो जाने से कंप्यूटर नहीं चले, जिससे बैनामा कराने आए लोग परेशान रहे।

मैथा तहसील के उपनिबंधक कार्यालय में जनरेटर नहीं है। आए दिन बिजली कटौती और इन्वर्टर खराब होने के कारण बैनामा आदि कार्यों में समस्या बनी रहती है और आने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजा तिवारी ने बताया कि उपनिबंधक कार्यालय की बैटरी व इनवर्टर काफी समय से खराब हैं, जिसकी समस्या दर्ज कराने पर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

चचेरी बहन को बचाने में किशोरी गंगा नदी में डूबी

एसडीआरएफ की टीम ने चलाया सर्च अभियान, खबर मिलने पर पहुंचे परिजनों में मचा कोहराम

संवाददाता, फतेहपुर चौरासी उन्नाव

अमृत विचार: गंगा नहाते समय सात वर्षीय चचेरी बहन को डूबते देख किशोरी ने उसे किसी तरह किनारे खींच लिया लेकिन तभी उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में फंस कर गहरे पानी में डूबने लगी। चीखपुकार सुनकर आसपास के तैरना जानने वाले लोगों ने नदी में छलांग लगाई लेकिन किशोरी का पता नहीं चला। सूचना पर एसडीएम व पुलिस पहुंची और पहले गोताखोरों और फिर एसडीआरएफ की टीम बुलाकर सर्च अभियान चलाया गया लेकिन अभी किशोरी का पता नहीं लगा है। हादसे की खबर मिलने पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मचा है।

लापता किशोरी की गंगा में तलाश करती एसडीआरएफ की टीम। अमृत विचार

फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के धन्ना खेड़ा गांव निवासी रामपाल निषाद की बेटी शबनम (16) अपनी चचेरी बहनें सिमरन (7) पुत्री अशोक निषाद के साथ गांव के कटान स्थल पर गंगा नदी के नहाने गई थी। नहाते समय सिमरन अचानक नदी की तेज धारा में फंस गई। यह देख शबनम ने उसे किसी तरह किनारे खींच लिया। किंतु वह तभी शबनम का पैर फिसल गया और स्वयं गंगा की तेज बहाव में फंस गई। शोर सुनकर आसपास खेतों में मौजूद ग्रामीण दौड़े नदी में छलांग लगाई। किशोरी को बचाने का प्रयास किया लेकिन तेज बहाव के कारण वह सफल नहीं हुए।

किशोरी से बातचीत करते बांगरमऊ एसडीएम शुभम यादव। अमृत विचार

जानकारी पर एसओ ज्ञानेंद्र कुमार पहुंचे और गोताखोरों से तलाश कराई लेकिन सफलता नहीं मिली। सीओ मधुपनाध मिश्रा, एसडीम बांगरमऊ शुभम यादव ने भी जांच की। उनके निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम पहुंची और मोटरबोट से कई किमी तक सर्च अभियान चलाया लेकिन उसे भी सफलता नहीं मिली। किशोरी के डूबने की सूचना के बाद से गंगातट पर मौजूद परिजन बेहाल है। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया किशोरी की तलाश कराई जा रही है। एसडीआरएफ की टीम को भी लगाया गया है। लेकिन अभी सफलता नहीं मिली है।

सार-संक्षेप

24.5 लाख की ठगी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत, विचार : साइबर सेल टीम ने एनजीओ में 20 करोड़ रुपये डोनेशन दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 24 .5 लाख की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को शहर के दोस्तीनगर तिराहे से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। साइबर सेल प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के हजीरा मोहल्ला निवासी अयान खान ने 19 मई 2025 को साइबर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि नीरज कुमार उपाध्याय (रोहतक, हरियाणा), सत्यदेव त्रिपाठी उर्फ सत्या (मुंबई) और दीपक कुमार राय (लखनऊ) ने एनजीओ में 20 करोड़ का डोनेशन दिलाने के नाम पर 24 .5 लाख रुपये की ठगी की। साइबर टीम ने जांच के दौरान 3 .52 लाख रुपये पीड़ित के खाते में वापस भी कराए थे। मोबाइल बंद कर आरोपी फरार हो गए थे। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका काम एनजीओ संचालकों से संपर्क कर मीटिंग कराना और रकम में हिस्सा लेना था।

छेड़छाड़ करने के दोषी को मिली 5 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : हसनंगज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 मई-2017 को उसकी नाबालिग बेटी कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर बकिया गांव निवासी रामशंकर गुप्ता की दुकान पर गई थी। तभी रामशंकर ने उसकी बेटी से छेड़छाड़ की और उसे बुरी नीयत से दुकान के अंदर खींचने की कोशिश की थी। शोर सुनकर वह गांव के युवक पिंटू व रामनरेश के पहुंचे और उन्होंने इसका विरोध किया तो रामशंकर अपने बेटे अतुल व चंदन के साथ मिलकर गालीगलौज कर खुरपी से हमला कर दिया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रामशंकर पर पॉक्सो एक्ट व अतुल और चंदन पर धमकी गालीगलौज करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। आईओ अंशुमान सिंह ने रामशंकर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य जुटा के 4 जुलाई-2017 को आरोप पत्र दाखिल किया था। तभी से केस पॉक्सो एक्ट की विशेष कोर्ट में विचाराधीन था। मंगलवार को मुकदमें की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। शासकीय अधिवक्ता कविता सिंह की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने आरोपी रामशंकर को 5 साल की सजा सुनाई। साथ ही उसपर कोर्ट ने 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

गूगल पे के जरिए खाते से उड़ाए 14,549, थाने में दी तहरीर

औरास, उन्नाव, अमृत विचार : गांव के ही एक युवक ने रसोइया के खाते से गूगल पे के जरिये 14,549 की ठगी कर ली। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव गोविंदापुर निवासी रामश्री पत्नी महेश ने बताया कि गांव के अंकित पुत्र जंगीलाल ने उसके खाते में मोबाइल नंबर जोड़ने के बहाने उसका गूगल पे बना दिया और खाते से रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता को इसकी जानकारी बैंक जाकर हुई, जिसके बाद उसने औरास थाने में युवक के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पिकअप की टक्कर से ई-रिक्शा सवार चार लोग घायल

सफीपुर (उन्नाव), अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के जमालुद्दीनपुर गांव के पास एक अज्ञात पिकअप वाहन ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मंगलवार को मेहदीखेड़ा गांव निवासी भैयालाल (40) पुत्र सीताराम ई-रिक्शा से सवारियां लेकर जमालुद्दीनपुर जा रहा था। गांव के पास पहुंचे ही एक तेज रफ्तार पिकअप ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में जमालुद्दीनपुर निवासी कामता (60), उसकी बेटियां रजनी (30) पत्नी संदीप निवासी सकहन राजपूतान और रेशमा (28) पत्नी सिकंदर निवासी मियागंज सहित रिक्शा चालक भैयालाल घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सफीपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भाजपा नेता की पत्नी की चेन चोरी के मामले में पुलिस के हाथ खाली

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

- रथ यात्रा के दौरान हुई थी चोरी, दो सप्ताह बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर निवासी भाजपा नेता जितेन्द्र अवस्थी की पत्नी की चेन चोरी का मामला अब भी अनसुलझा है। 27 जून को जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान नेहरू नगर स्थित रूचि शिखा ज्वैलर्स के पास उनकी पत्नी विनीता अवस्थी की चेन दो अज्ञात महिलाओं ने भीड़ का फायदा उठाकर तोड़ ली थी।

घटना के तुरंत बाद भाजपा नेता ने गंगाघाट कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके साथ ही उन्होंने घटना का वीडियो भी 1 जुलाई को पुलिस को उपलब्ध कराया, जिसमें दो महिलाएं चेन तोड़ते हुए स्पष्ट रूप से नजर आ रही हैं। हालांकि घटना को दो सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन पुलिस अभी तक आरोपी महिलाओं तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस ने कानपुर सेंट्रल, कानपुर नगर और आस-पास के क्षेत्रों में चेन स्नैचिंग में संलिप्त महिलाओं की तलाश शुरू की है, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। इस संबंध में गंगाघाट कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि वीडियो फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिलाओं की पहचान की जा रही है।

धारदार हथियार से गला रेतकर की गई थी युवक की हत्या

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

फॉलोअप

- नाले में हत्या कर फेंके गए युवक के शव का मामला

अमृत विचार: सिटी ड्रेन नाले में हत्या कर फेंके गए शव की पहचान के बाद मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें धारदार हथियार से युवक की हत्या किए जाने की बात सामने आई। उसकी गला रेतने के साथ चेहरे और हाथ में भी धारदार हथियार से वार के निशान मिले है। वहीं सूत्र बताते है कि पुलिस पूरे मामले की तह तक पहुंच चुकी है। हत्या की साजिश में किसी करीबी का हाथ है।

बता दे अचलगंज थाना अंतर्गत हाइवे से तीन किमी आगे स्थित सुपासी-रमचरामऊ के बीच सिटी ड्रेन नाले पर पुलिया की रेलिंग पर अधिक मात्रा में खून पड़ा देख ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोकलैंड मशीन से सिल्ट हटवाई तो उसमें युवक का रक्तरंजित शव पड़ा मिला था। जामा तलाशी में उसके पास कोई परिचय पत्र या ऐसा कुछ नहीं मिला। जिससे उसकी पहचान हो सके। वहां मौजूद लोगों में भी कोई उसे नहीं पहचान सके थे। शव को मोर्चरी में रखवा पुलिस ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। जिसके बाद गंगाघाट अंतर्गत जाजमऊ चौकी क्षेत्र के अखलॉक नगर निवासी रिजवान ने मोर्चरी पहुंच कर शव की शिनाख्त अपने छोटे भाई इमरान उर्फ काले (32) के रूप में की। भाई के मुताबिक इमरान ई रिक्शा चलाता था। वह चार भाइयों में रिजवान, इरफान, सलमान से छोटा था। सभी भाई अलग रहते है। इमरान नशे का लती भी था। करीब तीन साल पहले उसने मोहल्ले में अपने पहले पति से संबंध विच्छेद कर एक बच्चे की मां शीबा से निकाह किया था। शीबा जाजमऊ में किसी मुर्गी के दाना बनाने वाली फैक्ट्री में काम करती है। बताते है इसके बाद से परिवार ने इमरान से दूरी बना ली थी। इसी लिए भाई हत्या के विषय में अधिक जानकारी नहीं दे पाए। लेकिन दबी जुबान से चर्चा रही कि इधर इमरान को शक था कि उसकी पत्नी किसी और से बात करती है। सूत्र बताते है कि पांच दिन पहले इसको लेकर पति-पत्नी में विवाद भी हुआ था। पुलिस की टीम ने मोहल्ले से कई लोगों को उठाया भी है लेकिन अभी इससे इंकार कर रही है। लेकिन सूत्र बताते है कि पुलिस मामले के खुलासे के करीब है।

इमरान की फाइल फोटो।

वहीं एसओ राजेश पाठक ने बताया कि पहचान के बाद पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द किया गया है। मामले की गहनता से सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। शीघ्र हत्या का खुलासा किया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत, एक घायल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायलों को सीएचसी बावन पहुंचाया गया, जहां एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।

लोनार थाने के नेवादा चौगवां निवासी राम लखन कश्यप (45) उसी गांव निवासी वीरपाल (55) के साथ लोनार थाने के करेहड़ी गांव में धान की रोपाई करने आया था। वहां से दोनों मंगलवार की दोपहर बाइक से घर जा रहे थे। करेहड़ी और पुरौरी गांव के बीच तेज़ रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी बावनमें रामलखन की मौत हो गई। जबकि वीरपाल का इलाज चल रहा है। खेती-किसानी करने वाले रामलखन के परिवार में पत्नी के अलावा सबसे बड़ी बेटी मायावती और चार बेटे है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

इसके अलावा बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के सांडी रोड पर पसनेर गांव के पास स्थित देशी शराब के ठेके के निकट सोमवार रात अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस भेज दिया। बिलग्राम कोतवाल अरविंद राय ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि टक्कर मारने वाला वाहन कौन सा था। हादसे की सटीक परिस्थितियां क्या थीं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। मृतक की शिनाख्त के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही, अज्ञात वाहन चालक की तलाश के लिए भी जांच तेज कर दी गई है।

बेकाबू बाइक पलटी, दो लोग घायल

हरदोई, अमृत विचार। साण्डी से शाहाबाद रोड पर पहेलिया तिराहे पर बाइक को टक्कर मारते ही तेज रफ्तार पिकअप उसी के ऊपर पलट गई। जिससे दो बाइक सवार बुरी तरह से ज़ख्मी हो गए। पुलिस नए उन्हे सीएचसी बावन पहुंचाया गया, ड्राइवर वहां से भाग निकला। बेहटा गोकुल थाने के कोंडरा मजरा गदाईपुर निवासी देवेंद्र और उसी गांव का मोनू मंगलवार को पहेलिया गांव मेन धान की रोपाई करने के बाद बाइक से वापस जा रहे थे। रास्ते में पहेलिया तिराहे पर पहुंचते ही शाहाबाद की तरफ से तेज़ रफ्तार पिकअप बाइक में टक्कर मारते ही बाइक के ऊपर पलट गई। जिससे उस पर सवार देवेंद्र व मोनू दोनों बुरी तरह से गंभीर रूप से घायल हो गए। उसी बीच ड्राइवर वहां से भाग निकला। दोनों को सीएचसी बावन पहुंचाया गया है।

सड़क पर पलटा पड़ा पिकअप। अमृत विचार

लाखों की चोरी के मामले में बोला झूठ, एसपी ने थानेदार को तलब कर दिया अल्टीमेटम

संवाददाता, हरदोई

लापरवाही बरतने पर एसएचओ लाइन हाजिर

हरदोई, अमृत विचार। एसपी नीरज कुमार जादौन ने आईजीआरएस व जन-शिकायत मामलों में लापरवाही बरतने पर एसएचओ हरपालपुर बालकृष्ण मिश्रा को लाइन हाज़िर कर दिया है। एसपी ने एसएचओ हरपालपुर बालकृष्ण मिश्रा पर आईजीआरएस और जन-शिकायतों के सही तरीके से निपटारा न करने और लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से लाइन हाज़िर करते हुए मातहतों को निर्देशित किया है कि कोई भी अपने कर्तव्यों/दायित्वों के प्रति उदासीनता/शिथिलता न बरते, अगर ऐसा होता है तो कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

अमृत विचार। टेंट हाउस से हुई चोरी के मामले में बेहटा गोकुल पुलिस ने झूठी आख्या लगाते हुए मामला रफा-दफा कर दिया। शिकायत एसपी तक पहुंची तो एसपी ने तुरंत थानेदार को तलब करते हुए उन्हे पहले तो फटकार लगाई, साथ ही एक सप्ताह में खुलासा करने का कड़ा निर्देश दिया है। 14 जून की रात में बेहटा गोकुल थाने के सूरजीपुर निवासी अमित सिंह की टेंट एंड लाइट हाउस की दुकान से करीब 5 लाख की चोरी हुई थी। पुलिस ने दी गई तहरीर पर 14 जून को रिपोर्ट दर्ज कर ली। अमित ने बताया दो दिन तक पुलिस ने खूब हाथ-पांव चलाए, उसके बाद हाथ समेट कर बैठ गई। उसने एसपी को दिए प्रार्थना-पत्र में कहा कि पुलिस ने झूठी आख्या लगाते हुए लिखा कि पुलिस की कार्यवाही के बाबत उससे फोन पर बात हुई है, वह संतुष्ट है, जबकि अमित ने खुद को असंतुष्ट बताया। एसपी नीरज कुमार जादौन ने थानेदार प्रेमपाल सिंह को तलब करते हुए उन्हे एक सप्ताह में चोरी का खुलासा करने के निर्देश दिए है।

दुकानदार ने मुनीम को चोरी करते हुआ पकड़ा

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। चौधरियापुर तिराहा पर लमकन गांव निवासी परमेश कुमार आरके ज्वैलर्स के नाम से सर्राफा दुकान खोले हैं। उनके यहां सुधीर कुमार निवासी ग्राम नीभापुर पिछले दो वर्षों से मुनीम के रूप में कार्य कर रहा है। शुक्रवार की शाम सोने का हार चुराकर जब वह बाइक की डिग्गी में रख रहा था तो दुकानदार की नजर पड़ गई, उसने उसके सामने ही जब स्टॉक का मिलान कराया तो लगभग 25 लाख के गहने बायब मिले। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी, पुलिस की पूछताछ में मुनीम के पास से लगभग 39 ग्राम सोने की ज्वेलरी एवं 760 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एक ही रात गांव के तीन घरों में हुईं चोरियां

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई,

अमृत विचार। बीती रात चोरों ने एक ही गांव में तीन घरों को निशाना बनाकर नगदी समेत सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर पुलिस व फारेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की।

सोमवार की रात तेजीपुर गांव निवासी सरोज घर के ऊपर छत पर सो रहे थे। तभी पीछे से चोर घर में घुसकर कमरे में रखे बक्शा और अलमारी का ताला तोड़कर जेवर और 35 हजार रुपया नगद चोरी कर ले गए। इसके बाद चोर गांव के ही राजेश के घर में घुसे। जहां से 15 हजार रुपये नगद व कुछ जेवर ले गए। चोरी की तीसरी घटना गांव के ही तेजीपुर पट्टी निवासी राजेश के घर में हुई। यहां से चोर कुछ जेवर व पांच हजार रुपये नगद उठा ले गए। घटना की सूचना पीड़ितों ने कोतवाली में दी। थानाध्यक्ष बालेंद्र मिश्रा ने बताया कि दो घरों में चोरी का मामला है जो संदिग्ध प्रतीत हो रही है, लेकिन जांच-पड़ताल की जा रही है। बता दें कि तेजीपुर गांव चोरों के निशाने पर है, पहले भी कई घरों में चोरी हो चुकी है, लेकिन पुलिस एक का भी खुलासा नहीं कर सकी है। पुलिस की लापरवाही से चोरों के हौसले बुलंद हैं। तेजीपुर गांव में 27 अप्रैल को उपेंद्र तिवारी के घर चोरी हुई थी। गांव के ही कौशल कुमार के घर चोरी का प्रयास किया जा चुका है। इसी रात कलेनापुर गांव में रामलखन तिवारी के घर में चोर घुसे और नकदी व जेवर ले गए थे। गंज जल्लाबाद में नैतिक कटियार के घर 6 मार्च को लाखों की नगदी समेत सोने-चांदी के जेवर चोरी हो चुके हैं।

प्रतीकात्मक फोटो।

चोरी के तीन दिन बाद भी पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट

हरदोई, अमृत विचार। बेहटा गोकुल पुलिस टेंट एंड लाइट हाउस से हुई लाखों की चोरी का खुलासा करती, उससे पहले एक और चोरी हो गई। पुलिस पर आरोप है कि तीन दिन बाद भी पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने में टाल-मटोल कर रही है। बताया गया है कि बेहटा गोकुल थाने के सुरजीपुर निवासी देवेंद्र शहर में रहता है। 5 जुलाई को वह पत्नी सीमा के साथ गांव पहुंचा तो देखा घर की खिड़की कटी हुई थी, दरवाज़े का ताला टूटा था। कमरे में रखे बक्से से 10 हज़ार कैश, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक सोने की ख़गौरिया और बोरियो में रखा करीब 7 कुंतल गेहूं वहां से गायब था। पुलिस ने देवेंद्र की पत्नी सीमा की तहरीर पर जांच की, लेकिन 3 दिन बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की, उसने जांच के लिए फॉरेंसिक टीम भी नहीं भेजी। सीमा ने बताया एसपी ने उसे रिपोर्ट दर्ज कर जल्द खुलासे का आश्वासन दिया है।

ब्लेड मारकर युवती को घायल किया, रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर सरैयां में युवती को ब्लेड मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता निशा पुत्री असलम के अनुसार उसकी बहन मेहविश का विवाह गांव निवासी सोनू उर्फ इल्ले विल्ले के साथ दो वर्ष पूर्व तय किया गया था, लेकिन आरोपी के चाल चलन ठीक न होने के कारण विवाह नहीं हो सका। तब से आरोपी उसकी बहन को अक्सर गाली गलौज कर बदतमीजी करता है। 6/7 जुलाई की रात आरोपी दीवार कूदकर घर में आ गया और उसकी बहन पर जान से मार डालने की नीयत से हमला कर दिया। वह और उसकी मां बचाने गईं तो आरोपी ने उसकी गर्दन पर ब्लेड से वार कर दिया जिससे वह घायल हो गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में लापता युवक हरियाणा से बरामद

संवाददाता, भरखनी, हरदोई

अमृत विचार। पचदेवरा थाना क्षेत्र के मान नगला गांव निवासी एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक सुबह दौड़ने गया था जहां से गायब हो गया था। युवक ने अपने भाई के पास फोन किया और बताया कि वह हरियाणा में है जिसके बाद उसके मामा वहां पहुंचे और अपने साथ ले गए।

ज्ञात हो कि पचदेवरा थाना क्षेत्र के मान नगला गांव निवासी देव नारायण का पुत्र बृजेश प्रतिदिन हाईवे पर दौड़ लगाने जाता था, वह सेना एवं पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा है। बीते रविवार को सुबह 4 बजे बृजेश गांव के निकट हाइवे पर दौड़ने गया पर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की पर उसका कोई पता नहीं चला, जिसके बाद देवनारायण ने थाने में तहरीर दी। सोमवार शाम को बृजेश ने किसी के फोन से अपने भाई के पास फोन किया और बताया कि वह हरियाणा में है। बृजेश के पिता देवनारायण ने हरियाणा में ही रहकर काम करने वाले अपने साले को इसकी सूचना दी तो वह शाम करीब 8 बजे मौके पर पहुंचे और बृजेश को अपने साथ ले गए। देवनारायण ने मंगलवार को बताया कि उनका बेटा अपने मामा के पास सुरक्षित है।

समस्या

डीआरएम के निर्देश के बावजूद अब तक नहीं हो सकी व्यवस्था

व्यापारियों के लिए शौचालय की व्यवस्था कोई नहीं

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सीमेंट व्यापारी की शिकायत पर 25 जून को डीआरएम राजकुमार सिंह मंडल के अधिकारियों के साथ हरदोई रेलवे स्टेशन के माल गोदाम का निरीक्षण करने पहुंचे थे। डीआरएम के साथ सीनियर डीसीएम मालभाड़ा भी मौजूद थी। डीआरएम राजकुमार सिंह ने लगभग दो घंटे तक हरदोई के माल गोदाम का निरीक्षण किया और व्यापारियों को होने वाली समस्याओं के निदान को लेकर निर्देश जारी किये। हालांकि डीआरएम राजकुमार सिंह के निर्देशों का 10 दिन बीतने के बाद भी अब तक पालन अधिकारी नहीं कर पाए हैं। हरदोई रेलवे स्टेशन पर करोड़ों का राजस्व देने वाले व्यापारियों को मूलभूत सुविधाएं तक मंडल रेल कार्यालय मुरादाबाद उपलब्ध नहीं कर पा रहा है। डीआरएम के आदेश हरदोई रेलवे स्टेशन पर अधिकारी मानते नहीं है। व्यापारियों को शौचालय और पीने के पानी की हो रही समस्या को लेकर डीआरएम ने शीघ्र ही इसको चालू करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए थे लेकिन 10 दिन बीतने के बाद ही न तो शौचालय शुरू हो सका और न ही पीने के पानी की कोई व्यवस्था व्यापारियों के लिए हो सकी।

रेलवे स्टेशन पर शौचालय में लटका ताला। अमृत विचार

बता दें कि हरदोई के प्लेटफार्म संख्या एक पर बना शौचालय अब तक पूरा नहीं बन पाया है, हरदोई में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कछुआ गति से कार्य किया जा रहा है। प्लेटफार्म संख्या तीन पर बना शौचालय में ताला लटका हुआ है। व्यापारियों के लिए भीषण गर्मी में पानी का भी कोई प्रबंध भी नहीं किया गया है। जिसको लेकर व्यापारियों में खासा आक्रोश है।

युवक ने नशे की हालत में लगाई फांसी, मौत

हरदोई, अमृत विचार। घर से निकले युवक ने नशे की हालत में स्कूल के बगल में पेड़ पर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। हरपालपुर थाने के कैखाई गांव निवासी राम रहीस (45) मज़दूरी करता था। उसके दो बेटे हैं, पत्नी की कुछ साल पहले प्रसव के दौरान मौत हो चुकी थी। सोमवार की रात में कहीं चला गया, उसके बेटे सारी रात राह देखते रहे, मंगलवार की सुबह राम रहीस का शव गांव के बाहर उच्च प्राथमिक स्कूल के बगल में पेड़ पर फांसी पर लटका मिला। बड़े भाई राम बक्श की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सेवानिवृत्त शिक्षामित्र लल्लन ललन सिंह को सम्मानित करते बीईओ।

सेवानिवृत्त होने पर शिक्षा मित्र का हुआ सम्मान

हरदोई, अमृत विचार। ईमानदार को हमेशा याद किया जाता है, आजकल ईमानदार व्यक्तित्व होना बड़ी बात है। बीईओ अहिरोरी उदयभान यादव ने कहा कि सेवानिवृत होना एक प्रक्रिया है, लेकिन वास्तव में कोई सेवानिवृत नहीं होता। मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय खेरौली में तैनात शिक्षामित्र लल्लन ललन सिंह के सेवानिवृत होने फर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बीईओ ने सेवानिवृत हुए श्री सिंह देकर रामायण भेंट कर उन्हे सम्मानित किया। कार्यक्रम मैं एनपीआरसी आशीष श्रीवास्तव, गौरव पाल, विवेक मिश्रा, शिक्षक अनिल मिश्रा, इंद्रजीत, सविता वर्मा, प्रियंका गुप्ता व सुनैना सिंह आदि शिक्षक मौजूद है।

गैंगस्टर में तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

हरदोई, अमृत विचार। गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। यह लोग पैसे के लिए गैंग बनाकर जघन्य अपराध करते थे। थाना सुरसा की पुलिस ने ग्राम जगतपुरवा मजरा खजुरहरा निवासी विशाल उर्फ सुवेश, प्रदीप कुमार पुत्र रामू तथा बघौली के काईमऊ निवासी धीरज पुत्र संतोष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विशाल पर तीन तथा अन्य दोनों पर दो-दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

एक नजर

दो युवकों को बंधक बनाकर पीटा, पांच पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गांधी नगर निवासी विकास साहू और उसके साथी को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित विकास ने कोतवाली में तहरीर देकर पांच नामजद समेत चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गांधी नगर निवासी विकास ने बताया कि 4 जुलाई की रात वह अपने मित्र विशाल तिवारी उर्फ ओम जी के साथ राजमार्ग सब्जी मंडी स्थित एक जिम से लौट रहा था। तभी जिम के बाहर गौरांश भट्ट और शिवम् मिश्रा ने उसे रोक कर गाली गलौज की और विरोध करने पर कट्टा दिखाकर उसे जबरन अपने साथ ले गए। इसके बाद उसे डंडों और बेल्ट से बुरी तरह पीटा गया। बाद में आरोपियों ने विशाल को भी फोन कर बुलाया और चार-पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर उसकी भी पिटाई की। पुलिस ने गौरांश भट्ट, शिवम मिश्रा, विशाल तिवारी उर्फ छुनिया, छोटे बदमाश, अर्शमान समेत अज्ञात हमलावरों पर मारपीट, जान से मारने की धमकी सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिलाई कारखाने में चोरी पकड़े गए दो चोर

औरास, उन्नाव : सिलाई कारखाने में हुई चोरी की वारदात का खुलासा पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कर दिया है। पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया है। लखनऊ निवासी प्रमोद कुमार गौतम आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के पास बड़ा देवगांव में डॉक्टर अंबेडकर स्वास्थ्य विकास सेवा समिति के तहत सिलाई कारखाना चला रहे थे। बीते दिनों कारखाने से टूल बॉक्स, पाना, रेंच, एसी कंप्रेसर सहित अन्य उपकरण चोरी हो गए थे। सीसीटीवी फुटेज में बाबूखेड़ा निवासी संदीप यादव व चंदन यादव (सगे भाई) चोरी करते दिखे। फुटेज के आधार पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी स्वीकार की। थाना प्रभारी भवन सिंह मौर्य ने बताया कि बरामद सामान के साथ दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

डिवाइडर में घुसे गोवंश की करंट लगने से मौत

शुक्लागंज, उन्नाव : राजधानी मार्ग स्थित सब्जीमंडी के पास डिवाइडर की टूटी जाली से अंदर घुसी एक गाय की करंट लगने से मौत हो गई। सोमवार रात हुई बारिश के दौरान कमल ज्वैलर्स के सामने डिवाइडर के बीच लगी स्ट्रीट लाइट पोल में करंट उतर आया था। बारिश के बीच डिवाइडर में घुसी गाय करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना नगर पालिका को दी। सूचना मिलने पर पालिका कर्मियों ने बिजली आपूर्ति बंद कराकर मृत गौवंश को डिवाइडर से हटवाया और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर दफनाया।

सड़क हादसे में घायल बच्ची ने तोड़ा दम

उन्नाव : माखी थाना क्षेत्र के मिर्जापुर कलां गांव निवासी अनुज कुमार शर्मा की बेटी गुनगुन (6) अपनी बहन यशी (4) के साथ बीती 4 जुलाई को घर के बाहर खेल रही थी। तभी तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह सिर में आई चोट से गंभीर घायल हुई थी। परिजन उसे जिला अस्पताल लाए थे लेकिन डॉक्टरों ने हालत गंभीर बता उसे कानपुर हैलट रेफर किया था। सोमवार देर रात उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अज्ञात वाहन में घुसी कार, मां-बेटे की मौत

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हादसे में पति-बेटी भी गंभीर, खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहा था परिवार

संवाददाता, औरास उन्नाव

दिव्या व युग की फाइल फोटो।

अमृत विचार: राजस्थान के खाटू श्याम के दर्शन कर लौटते समय चालक को झपकी लगने से लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन में घुस गई। इससे कार सवार लोगों में चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा कर्मियों ने कार सवार चार लोगों को रेस्क्यू कर सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं कार चालक पति और बेटे, बेटी को गंभीर हालत में केजीएमयू भेजा गया। लेकिन वहां पहुंचने तक बेटे ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर पर सुल्तानपुर से पहुंचे परिजन शव देख कर बेहाल हो गए। महिला के शव को मोर्चरी भेजा गया है। वहीं बेटी का पोस्टमार्टम लखनऊ में कराया गया है।

सुल्तानपुर शहर की सदर कोतवाली के गल्ला मंडी मोहल्ला निवासी गनेश अग्रहरी (44) पुत्र लालजी अग्रहरी, पत्नी दिव्या (40), बेटे युग (16) व बेटी याना (10) के साथ शनिवार को राजस्थान प्रांत स्थित खाटू श्याम बाबा के दर्शन करने गए थे। जहां से परिवार सोमवार रात घर लौटने के लिए अपनी कार से निकला था। मंगलवार भोर पहर करीब 5 बजे औरास थाना क्षेत्र के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दिपवल गाँव के पास कार चला रहे गनेश को अचानक झपकी लग गई। इससे कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे अज्ञात वाहन में पीछे से घुस गई। हादसे के बाद चालक आगे चल रहे वाहन को लेकर भाग निकला। वहीं टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और इसमें सवार परिवार उसी में फंस गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे यूपीडा व पुलिस कर्मियों रेस्क्यू कर चारों को सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दिव्या को मृत घोषित कर दिया। वहीं गनेश, युग व याना को लखनऊ के ट्रामा सेंटर भेजा गया। लेकिन वहां पहुंचने से पहले युग की भी मौत हो गई। गनेश व्यापारी है और उनका आरओ वाटर का प्लांट है, साथ में वह खाद्यान्न का भी थोक कारोबार है। हादसे की सूचना पर पहुंचे परिजन बदहवाश है। सीओ बांगरमऊ अरविंद चौरसिया ने बताया कि महिला और उसके बेटे की मौत हुई है। पति व बेटी का लखनऊ में इलाज जारी है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बेटे का पोस्टमार्टम लखनऊ में कराया जा रहा है।

दुर्घटना के बाद क्रेन से हटाई जाती क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

पेड़ से टकराई बाइक, चालक की हुई मौत

फतेहपुर चौरासी, अमृत विचार : फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के जुझारपुर गांव निवासी कुलदीप (25) पुत्र राज बहादुर सोमवार देर रात बूलापुर गांव से घर लौट रहा था। तभी थाना क्षेत्र के गोरीमऊ गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे यूकेलिप्टस के पेड़ से टकरा गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस से उसे सीएचसी में लाया गया। जहां से उसे डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया। जहां हालत बिगड़ने पर उसे कानपुर हैलट भेजा गया। मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कुलदीप खेती कर अपना परिवार पालता था। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डंपर की टक्कर से युवक की हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार : हसनगंज कोतवाली अंतर्गत डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के मेंहदीखेड़ा गांव निवासी राम विलास (48) पुत्र रघुनाथ क सलींद गांव स्थित फैक्ट्री में लिपिस्टिक बनाता था। मंगलवार सुबह वह अपने छोटे भाई गुड्डू को छोड़ने के लिए हसनगंज गया था। जहां से लौटते समय हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के जियो कॉलोनी के पास डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर घायल हो गया। जानकारी पर छोटा भाई गुड्डू पहुंचा और एम्बुलेंस से उसे सीएचसी लाया। जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल भेज दिया। यहां इमर्जेंसी में उसका इलाज शुरू होने के पहले उसकी मौत हो गई। राम विलास की पत्नी कई साल पहले बच्चों सहित उसे छोड़ कर चली गई थी। राम विलास तीन भाईयों में बड़ा था। उसकी मौत से भाई राजेश व गुड्डू सहित विवाहित बहने नन्हकी व प्रेमश्री बेहाल है।

सार-संक्षेप

जेएन शाह मे.पब्लिक स्कूल ने जीती बास्केटबॉल चैंपियनशिप

विजयी टीम के साथ प्रधानाचार्य रिंकू गुप्ता। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : जेआईसीएसई और आईएससी बोर्ड की नॉर्थ ज़ोन बास्केटबॉल चैंपियनशिप (बालक वर्ग अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19) का दो दिवसीय आयोजन जयपुरिया स्कूल, कानपुर और जे एन शाह मेमोरियल स्कूल, उन्नाव के संयुक्त तत्वावधान में जयपुरिया स्कूल के खेल मैदान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में कानपुर ज़ोन के विभिन्न विद्यालयों ने भाग लिया। जेएनशाह मेमोरियल स्कूल, उन्नाव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 और अंडर-17 दोनों आयु वर्गों में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग के सेमीफाइनल में जे एन शाह स्कूल ने सेंट एलोशियस स्कूल, कानपुर को एकतरफा मुकाबले में 18-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में टीम ने बिशप बस्कॉट स्कूल को 22-2 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में रुद्र, अभय, रुद्र प्रताप, रौनक, कृष, अंश, अभिकल्प ने शानदार प्रदर्शन किया। रुद्र ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर टीम को जीत दिलाई। समापन समारोह में जयपुरिया स्कूल के प्रधानाचार्य गणेश तिवारी और जे एन शाह स्कूल की प्रधानाचार्या रिंकू गुप्ता ने विजेता, उपविजेता व तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। दोनों वर्गों में खिताब जीतने पर जे एन शाह स्कूल के प्रबंधक जी .के. गुप्ता, मनन गुप्ता, प्रधानाचार्या रिंकू गुप्ता, प्रीति गुप्ता, सत्यम गुप्ता और सचिन गुप्ता ने खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही प्रशिक्षकों शुभ सिंह, रोहिताश और विजय प्रकाश तिवारी को उनके मार्गदर्शन के लिए सराहा।

खो-खो टूर्नामेंट में बालिका वर्ग में सर सैय्यद ने जीता गोल्ड

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार : वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, कैन्ट कानपुर में 7 व 8 जुलाई को आयोजित सीआईएससीई अंडर-14 एवं अंडर-19 जोनल खो-खो टूर्नामेंट (बालिका वर्ग) में सर सैय्यद स्कूल, उन्नाव की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंडर-14 वर्ग में सर सैय्यद स्कूल ने लीग मैच में कात्यान को 1 इनिंग 11 प्वाइंट से और सेंट एलॉयसियस को 1 इनिंग 12 प्वाइंट से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वहीं अंडर-19 वर्ग में सर सैय्यद स्कूल की टीम ने सेमीफाइनल में वीरेंद्र स्वरूप स्कूल को 1 इनिंग 8 प्वाइंट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में टीम ने शीलिंग हाउस को 1 इनिंग 10 प्वाइंट से हराकर गोल्ड मेडल जीता। स्कूल की प्रधानाचार्या सादिया कमाल और प्रबंधन समिति ने टीम को जीत की बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह जानकारी खेल प्रशिक्षक चंद्रशेखर ने दी।

पौधरोपण अभियान को अराजकतत्वों ने पहुंचाया नुकसान

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव, अमृत विचार : सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान को भूमाफिया और अराजकतत्व फलीभूत नहीं होने दे रहे हैं। विकासखंड के गांव रुस्तमपुर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम के 24 घंटे के भीतर ही अराजकतत्वों ने सरकारी भूमि पर लगाए गए पौधों को तोड़ दिया। इस कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मनोज निषाद, क्षेत्रीय वन अधिकारी नीरज कुमार विद्यार्थी, उप क्षेत्रीय अधिकारी राजीव कुमार, वन दरोगा पप्पू सिंह समेत अनेक लोग शामिल हुए थे। पौधे टूटने की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। वन दरोगा पप्पू सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौशाला की भूमि पर अवैध कब्जा

फतेहपुर चौरासी, अमृत विचार : नगर पंचायत ऊगू की गौशाला की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर मंगलवार को एसडीएम सफीपुर शिवेंद्र वर्मा ने मौके पर पहुंचकर दोबारा पैमाइश कराई। नगर पंचायत की ओर से पूर्व में गौशाला की जमीन पर कब्जे की शिकायत की गई थी। जिस पर 5 जुलाई को नायब तहसीलदार दिनेश द्वारा की गई नाप में कोई कब्जा नहीं पाया गया था। परिणाम से असंतुष्ट चेयरमैन अनीता ने उच्चाधिकारियों से पुनः पैमाइश की मांग की थी। मंगलवार को एसडीएम की मौजूदगी में हुई दोबारा माप में गोशाला की भूमि पर गांव के ही कुछ लोगों का अवैध कब्जा पाया गया। एसडीएम शिवेंद्र वर्मा ने तुरंत कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए हैं।

युवती को भगा ले जाने पर युवक पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की 19 वर्षीय युवती को रौतापुर निवासी युवक मोनू बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस संबंध में युवती की मां ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 4 जुलाई को मोनू उनकी बेटी को अपने साथ ले गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही युवक को पकड़कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घर के बाहर बैठे युवक से मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गोताखोर मोहल्ले में सोमवार रात घर के बाहर बैठे एक युवक के साथ कुछ युवकों ने मारपीट की। पीड़ित मोहम्मद मोबिन ने बताया कि रात करीब आठ बजे वह घर के बाहर बैठा था, तभी अजमेरी, कल्लू, इरफान और सरताज वहां पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया तो चारों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने घायल मोबिन को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए 15 तक ऑनलाइन करें आवेदन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त ने जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों से कहा है कि जो शिक्षक राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार प्राप्त करना चाहते हैं। वह ऑनलाइन आवेदन 15 जुलाई तक कर दें और उसकी एक हार्ड कॉपी उनके कार्यालय को उपलब्ध करा दिया जाए। उन्होंने कहा है कि सराष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार, 2025 का अपने-अपने विद्यालय में इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किये जाने वाले इच्छुक प्रधानाचार्य/अध्यापक/अध्यापिकाए लिखित रूप से अवगत कराते हुए उक्त निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से अधिकाधिक संख्या में शिक्षकों के आनलाइन नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु तत्काल कार्यवाही सम्पन्न करना सुनिश्चित करें।

बीएड-डीएलएड कॉलेजों की बहाल हुई मान्यता

परियर, उन्नाव, अमृत विचार : छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय से संबद्ध चार बीएड और डीएलएड महाविद्यालयों की मान्यता एनसीटीई की उत्तर क्षेत्रीय समिति द्वारा बहाल कर दी गई है। हाल ही में परिषद ने मानक न पूरा करने पर देशभर के 1000 से अधिक कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी थी। उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित कॉलेज संगठन के अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने बताया कि मान्यता बहाली से छात्रों को सत्र 2025-26 की काउंसलिंग व प्रवेश में लाभ मिलेगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर जिन कॉलेजों की मान्यता बहाल की गई है, उनमें परियर स्थित लव कुश महाविद्यालय, शहीद भगत सिंह पीजी कॉलेज (सूबेदार नगर, बिटूर), लव कुश इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन (चौबेपुर, कानपुर) और पंडित बाल गोविंद दीक्षित कॉलेज ऑफ एजुकेशन (बिटूर) शामिल हैं। इन संस्थानों की बहाली से छात्रों के भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता दूर हो गई है।

सपा की विधानसभा स्तरीय बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

बैठक में मौजूद सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

संवाददता, बांगरमऊ, उन्नाव

- मतदाता सूची सुधार, बूथ गठन और दलित-पिछड़े वर्गों को जोड़ने पर हुई चर्चा

अमृत विचार: नगर के उन्नाव रोड स्थित एक बैंक्विट हॉल में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर बल दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बदलू खान ने कहा कि पार्टी को चलाने के लिए निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जरूरत है और वर्तमान में ऐसे कार्यकर्ताओं की कमी महसूस हो रही है। पूर्व प्रत्याशी डॉ. मुन्ना अल्वी ने सभी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची का गहन अध्ययन कर छूटे नाम जुड़वाने और गांव-गांव पीडीए की बैठकें करने को कहा। विधानसभा प्रभारी शिवशंकर लाल गौतम ने विशेष रूप से दलित और पिछड़े वर्गों को पार्टी से जोड़ने और उन्हें संगठन में जिम्मेदारी देने की बात कही। शशांक शेखर शुक्ला ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से सवर्ण समाज भी असंतुष्ट है और सपा की ओर आकर्षित हो रहा है। वरिष्ठ नेता आलोक त्रिपाठी ने सुझाव दिया कि नेता टेबल राजनीति छोड़कर ग्रामीण अंचलों में चौपाल लगाकर जनता से सीधा संवाद करें। बैठक को अल्वी मिश्रा (महिला सभा जिलाध्यक्ष) ने भी संबोधित किया। बैठक में अखिलेश यादव, राधेलाल निषाद, मुन्नू सिंह, सुनील यादव, गया प्रसाद, जुल्फिकार अली, राम नरेश यादव, आयुष यादव, संजय, नागेंद्र कुमार, राजा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता मनीष सैनी व संचालन डॉ. रामपाल कुशवाहा ने किया।

बेसिक स्कूलों के शिक्षकों ने स्कूल मर्जर के विरोध में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते जिला मंत्री गजेंद्र वर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार: जनपद में परिषदीय विद्यालयों के मर्जर और पेयरिंग के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना दिया। धरने में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एकजुट होकर शामिल हुए और सरकार की मर्जर नीति के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। इसके बाद शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय मांग पत्र नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा।

धरने की अध्यक्षता बृजेश पांडेय ने की, जबकि संचालन जिलामंत्री गजेंद्र वर्मा ने किया। धरना स्थल पर वक्ताओं ने मर्जर और पेयरिंग नीति की खामियां गिनाते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी और शिक्षक-अभिभावक दोनों असमंजस की स्थिति में रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को इस निर्णय को तत्काल वापस लेना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों का इतिहास संघर्षों से भरा रहा है, चाहे वह पुरानी पेंशन की बहाली हो या वेतन आयोग की सिफारिशेंकृहर अधिकार आंदोलन से ही प्राप्त हुआ है। इसी तरह मर्जर-नीति का विरोध भी पूरी ताकत से किया जाएगा। धरने में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सिंह, सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा, मीडिया प्रभारी मदन पांडेय, विनोद तिवारी, अजय कटियार, अभिषेक मिश्रा, शिवम चौरसिया (पुरवा), देवेंद्र यादव (बांगरमऊ), अरविंद सिंह (हसनगंज), महेंद्र कुमार (सदर), सत्यप्रकाश द्विवेदी (सफीपुर) सहित जिले के सभी तहसीलों से बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगें नहीं मानीं, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

अपनी जनता पार्टी ने दिया राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार : अपनी जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष संदीप कुशवाहा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नगर मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर राज्यपाल को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश के 50 से कम छात्र संख्या वाले 27,764 परिषदीय विद्यालयों को अन्य विद्यालयों में मर्ज करने संबंधी शासनादेश को निरस्त करने की मांग की गई। साथ ही प्रदेश के 2,15,284 विद्यालयों में कक्षानुसार शिक्षकों की नई भर्ती कराने की मांग भी की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों से केवल शिक्षण कार्य लिया जाए और उन्हें 31 अन्य विभागीय कार्यों से मुक्त किया जाए। इसके अलावा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत स्थानीय स्कूलों की गारंटी सुनिश्चित करने और स्कूलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

मूसलाधार बारिश से सरकारी अस्पताल परिसर लबालब

संवाददाता, बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार: मंगलवार दोपहर को हुई मूसलाधार बारिश ने नगर की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। करीब सवा घंटे की तेज बारिश से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत आधा दर्जन मोहल्लों में भीषण जलभराव हो गया।

स्वास्थ्य केंद्र परिसर, नौनिहालगंज बाजार, चूड़ी वाली गली और अन्य क्षेत्रों में पानी भरकर घरों-दुकानों में घुस गया। स्वास्थ्य केंद्र में तो घुटनों तक पानी भर गया, जिससे मरीजों और तीमारदारों को वार्डों तक पहुंचने में भारी दिक्कतें हुईं। जलभराव की सूचना पर उप जिलाधिकारी शुभम यादव स्वयं लखनऊ रोड चौराहे पर पहुंचे और जेसीबी मशीन से चोक पुलिया की सफाई कराकर जल निकासी शुरू कराई। नगर पालिका ने मई माह में बरसात से पूर्व नालों की सफाई का दावा किया था, लेकिन हकीकत में दावों की पोल खुल गई।

बारिश होने से सीएचसी के बाहर भरा बारिश का पानी। अमृत विचार

पालिका कर्मियों ने सीताराम कॉलोनी में चलाया अभियान

संवाददाता, शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर एक माह तक संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। उसी को देखते हुये मंगलवार को पालिकाध्यक्ष और ईओ के निर्देश पर सफाई कर्मी वार्ड सीताराम कॉलोनी और मनोहर नगर में साफ-सफाई की। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर मंगलवार को पालिका के सफाई कर्मी वार्ड आठ सीताराम कॉलोनी और आंशिक मनोहर नगर में पहुंचे। जहां सफाई कर्मियों ने वार्ड की सभी गलियों में झाड़ू लगाने के साथ ही नालियों की साफ सफाई करते हुये एंटी लार्वा और चूने का छिड़काव कराया। इसके साथ ही नाला-नालियों की साफ सफाई की गई। जिसके बाद पालिका कर्मियों ने सिल्ट हटाई गई। वहीं शाम के समय पालिका ने दोनों मोहल्लों की सभी गलियों में फागिंग कराई गई। ईओ ने बताया कि इसी तरह 31 जुलाई तक बराबर अभियान चलाया जायेगा। जिससे वार्डों में साफ सफाई बनी रही।

सख्ती गंगा का जलस्तर बढ़ने के बीच अधिकारियों ने किया घाटों का निरीक्षण, सुरक्षा, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा

गुरु पूर्णिमा स्नान को लेकर प्रशासन अलर्ट, घाटों पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

नमामि गंगे घाट पर पानी के अंदर होगी बैरीकेडिंग

गंगा के जलस्तर में वृद्धि के चलते आनंद घाट के पास निर्माणाधीन आरती स्थल पर पानी भर गया है। जलभराव से जनहानि की आशंका को देखते हुए पर्यटन विभाग ने सुरक्षा के तहत कार्यस्थल के पास बांस व बल्लियों की बैरिकेडिंग करवा दी है लेकिन नमामि गंगे घाट के पास पानी के अंदर से कोई कार्य स्थल पर न पहुंचे, इसके लिये एसडीएम ने नमामि गंगे घाट पर भी बैरीकेडिंग लगाने के निर्देश दिए हैं।

अमृत विचार: आगामी गुरुवार को होने वाले गुरु पूर्णिमा स्नान और सावन माह के शुरूआत को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। आषाढ़ माह की पूर्णिमा पर गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है, ऐसे में नगर समेत दूर-दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इस बीच गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश जारी किए हैं।

मंगलवार को पालिका ईओ मुकेश कुमार मिश्रा और गंगाघाट कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से आनंद घाट से लेकर पश्चिमी क्षेत्र के घाटों तक सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। शाम को एसडीएम क्षितिज द्विवेदी भी घाटों पर पहुंचे और मौके पर हालात का जायजा लिया। उन्होंने पालिका ईओ को निर्देशित किया कि जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए घाटों पर स्नान करने वालों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, नाव की उपलब्धता, महिलाओं के वस्त्र बदलने की सुविधा, मोबाइल टॉयलेट और पीने के पानी की टंकी आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पालिका ईओ ने बताया कि इन सभी कार्यों की जिम्मेदारी एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला को सौंपी गई है। वहीं गंगाघाट कोतवाल प्रमोद मिश्रा ने बताया कि जाजमऊ चंदन घाट से लेकर नगर के सभी प्रमुख घाटों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

नमामि गंगे घाट का निरीक्षण करते एसडीएम और ईओ। अमृत विचार

गंगा का जलस्तर 24 घंटे में 43 सेमी बढ़ा

जलस्तर बढ़ने से नमामि गंगे घाट तक पहुंचा गंगा का पानी।

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते पश्चिमी बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका असर गंगा नदी के जलस्तर पर दिखने लगा है। मंगलवार को गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ता रहा और 24 घंटे में 43 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। कानपुर स्थित बैराज बांध के करीब 15 गेट खोले जा चुके हैं, जिससे हजारों क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 110 .200 मीटर दर्ज किया गया था, जो मंगलवार सुबह 4 बजे तक बढ़कर 110 .390 मीटर हो गया। दोपहर 12 बजे यह 110 .500 मीटर, दोपहर 1 बजे 110 .530 मीटर और शाम 6 बजे तक 110 .630 मीटर पहुंच गया। गंगा में आए इस उफान से तटवर्ती क्षेत्रों की खुली रेत फिर से जलमग्न होने लगी है। नदी के किनारे बसे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी धीरे-धीरे फैलना शुरू हो गया है, जिससे लोगों में चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग का कहना है कि अभी और पानी छोड़े जाने की संभावना बनी हुई है, जिससे जलस्तर में आगे भी वृद्धि हो सकती है। फिलहाल जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति पर निगाह बनाए हुए है। प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की अपील की है और बाढ़ की आशंका को देखते हुए राहत एवं बचाव टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

व्यापार समझौते पर सावधानी बरते भारत

जीटीआरआई ने कहा- जवाबी शुल्क के सामने झुकाने का है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल

- समयसीमा बढ़ाए जाने से भारत को मिला तीन सप्ताह का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल मुक्त व्यापार समझौते का नहीं बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है।

शोध संस्थान ने कहा कि अमेरिका ने बढ़ाए शुल्क लागू करने की समय-सीमा को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है, जिससे देश-विशिष्ट शुल्क लागू होने से पहले अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल जाएगा। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कई देशों पर बढ़ाए शुल्क को टालने की अवधि 1 अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को कई देशों को पत्र भेजे, जिसमें उनके उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अब ट्रंप दबाव बढ़ा रहे हैं। 7 जुलाई को उन्होंने 14 देशों को भेजे पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें बताया गया कि यदि वे समझौता करने में विफल रहे तो 1 अगस्त से उन्हें कितने शुल्क का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर सोमवार को 25% शुल्क लगाने की घोषणा की। श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका के अंतिम नोटिस में दी चेतावनियों में देशों के पास दो विकल्प हैं कि वे अमेरिकी शर्तों पर हस्ताक्षर करें या जवाबी शुल्क का सामना करें। चीन से अमेरिका का आयात मई 2025 में सालाना आधार पर 35% कम था। समयसीमा के खत्म होने की ओर बढ़ते हुए.. आगामी दिनों में समझौते की घोषणा करने वालों की सूची में भारत सबसे आगे नजर आ रहा है लेकिन उसे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। श्रीवास्तव ने आगाह किया कि समझौतों को दरकिनार करने तथा ब्रिक्स सदस्यों पर एकतरफा शर्तें थोपने की अमेरिका की इच्छा जाहिर करने के मद्देनजर भारत को असंतुलित समझौते के जोखिमों और संबंधों के महत्व पर गौर करना चाहिए।

भारत को कपड़ा, फुटिवयर क्षेत्रों में होगा लाभः निर्यातक

नई दिल्ली। बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और फुटवियर जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही। बांग्लादेश 2024 में 13.15% बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है। बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी 6% है और वह भारत (5.09%) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। मुंबई के एक निर्यातक ने कहा कि थाइलैंड पर बढ़े हुए शुल्क से रबड़ और उसके उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है।

टमाटर महंगे, शाकाहारी-मांसाहारी थाली के बढ़े दाम

बारिश के मौसम में आवक कम होने से टमाटर के दाम बढ़ने के साथ ही रसोई पर भी भार बढ़ गया है, जिसने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। क्रिसिल के अनुसार शाकाहारी थाली की कीमत में तीन तो मांसाहारी थाली की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। वहीं आवक में 8% की गिरावट से टमाटर के दाम बढ़ गए है और आलू के दाम में भी 4% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेबों पर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की हुई वृद्धि

शाकाहारी थाली की कीमत मई में 26.2 रुपये की तुलना में जून में 3% बढ़कर 27.1 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत मई में 52.6 रुपये थी जो जून में 4% बढ़कर 54.8 रुपये हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक 'रोटी, चावल, दर' रिपोर्ट के अनुसार आवक में 8% की गिरावट से जून में टमाटर की कीमत में 36% की वृद्धि हुई, जिससे थाली की कीमत बढ़ गई। वहीं आलू की कीमत में 4% की वृद्धि हुई है। वहीं मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की वृद्धि हुई है। क्रिसिल के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि मौसमी बदलावों से सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी से थाली की लागत बढ़ेगी। प्याज के आवक में अभाव और रबी स्टॉक को नियंत्रित ढंग से जारी किये जाने से और टमाटर की गर्मियों में कमजोर बुवाई से कीमते बढ़ेगी। सालाना आधार पर शाकाहारी भोजन में 8% और मांसाहारी भोजन में 6% की गिरावट आई है।

शाकाहारी थाली की लागत

- **शाकाहारी थाली** = (चावल/रोटी) + (दाल की लागत) + (सब्जियों की लागत) + (तेल की लागत) + (मसालों की लागत) + (अन्य जैसे अचार/सलाद)

मांसाहारी थाली की लागत

- **मांसाहारी थाली** = शाकाहारी थाली + (मांस/ब्रॉयलर की लागत) + (अतिरिक्त तेल व मसालों की लागत)

मई-जून में थालियों के मूल्य

थाली	मई	जून	बदलाव (%)
शाकाहारी थाली	26.2	27.1	3% वृद्धि
मांसाहारी थाली	52.6	54.8	4% वृद्धि

जेन स्ट्रीट की जांच 2024 में शुरू हुई : बुच

मुंबई, एजेंसी

- सेबी की पूर्व चेयरपर्सन ने नियामकीय विफलता का आरोप लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक अप्रैल, 2024 से जेन स्ट्रीट मामले पर नजर रखे हुए है। उन्होंने नियामकीय विफलता का आरोप लगाने के प्रयासों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

लिखित बयान में बुच ने जेन स्ट्रीट के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश के घटनाक्रम का उल्लेख किया। सेबी ने विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का पिछले सप्ताह आदेश जारी किया था। बुच ने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वर्ग स्पष्ट तथ्यों को नजरअंदाज कर यह कहकर गलत कहानी गढ़ने का प्रयास कर रहा है कि सेबी की ओर से नियामकीय विफलता हुई है। घटनाक्रम से पता चलता है कि सेबी ने मामले की जांच अप्रैल, 2024 में ही शुरू कर दी थी। नियामक ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सूचकांक में हेरफेर की पहचान, परिपत्र जारी करना और जेन स्ट्रीट को अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच कुछ खास ट्रेडिंग पैटर्न को बंद करने और रोकने के लिए चेतावनी पत्र जारी करना शामिल है। अक्टूबर, 2024 में सेबी द्वारा भी नीतिगत हस्तक्षेप शुरू किए और अंततः फरवरी, 2025 में सेबी ने एनएसई को जेन स्ट्रीट को बंद करें एवं रोकें पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

फास्टैग से टोल संग्रह 19.6% बढ़कर 20,682 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईसीटी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में फास्टैग के जरिये राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,681.87 करोड़ रुपये हो गया।

एनईटीसी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में टोल उपयोगकर्ताओं की संख्या भी 16.2 प्रतिशत बढ़कर 117.3 करोड़ हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 100.98 करोड़ थी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक अप्रैल, 2025 से देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4-5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश करेगी।

बैंक और आईटी ने शेयर बाजार को दिया बल

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा तो निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर हुआ बंद

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 270 अंक के लाभ में रहा। वहीं एनएसई का निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के साथ बैंक तथा चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

बीएसई का सेंसेक्स 270.01 अंक की तेजी के साथ 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। एनएसई का निफ्टी 61.20 अंक की बढ़त के साथ 25,522.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने से पहले कुछ शेयरों में लिवाली हुई। निवेशकों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ठोस प्रगति का इंतजार है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि, टाइटन में 6% से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे।

एशियाई बाजारों में भी बढ़त

बीएसई स्मॉलकैप 0.17% नीचे आया, जबकि मिडकैप 0.01% की मामूली बढ़त के साथ स्थिर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए। यूरोप में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59% टूटकर 69.17 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 321.16 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 1,853.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

एक नजर

इंडिगो के विमान में बम की अफवाह पर प्राथमिकी

चंडीगढ़। हैदराबाद से गत सप्ताह शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे इंडिगो के विमान में बम की अफवाह के संबंध में पंजाब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 5 जुलाई को हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सफाई के दौरान उसके शौचालय में अंदर बम है लिखा एक टिशू पेपर मिला था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमरप्रीत सिंहने बताया कि ये सूचना लिखी मिलने के बाद विमान की गहन तलाशी ली गई, लेकिन इस दौरान कोई विस्फोटक नहीं मिला।

एमबीबीएस छात्र की याचिका पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एमबीबीएस छात्र की उस याचिका पर सुनवाई करने से मंगलवार को इनकार कर दिया, जिसमें उसने ओडिशा स्थित मेडिकल कॉलेज में उसका दाखिला कोई पूर्व सूचना दिए बिना रद्द किए जाने को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और आर महादेवन की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल से कहा कि वह अपनी शिकायतें लेकर हाईकोर्ट जाएं। याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है।

हिरासत में भेजे गए विधि छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी

कोलकाता। अलीपुर अदालत ने मंगलवार को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म में आरोपी तीन लोगों को 22 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अभियोजकों ने अनुरोध किया कि मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा, जैब अहमद तथा प्रमित मुखर्जी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाए, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क

पर्यावरण मंत्रालय को लिखे पत्र में एमओटीए ने कहा- सार्वजनिक निर्माण के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- अधिनियम बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की देती है अनुमति

जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमओटीए) ने पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)-2006 के तहत वन भूमि पर स्कूल, आंगनवाड़ी और सड़क जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए वन्यजीव मंजूरी जरूरी नहीं है, बशर्ते कि इनकी सिफारिश ग्राम सभा द्वारा की गई हो। मंत्रालय ने दो जुलाई को जारी ज्ञापन में एफआरए की धारा 3(2) को लेकर यह स्पष्टता दी है।

यह धारा वन क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों व अन्य पारंपरिक वनवासियों (ओटीएफडी) के लिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की अनुमति देती है। इसमें स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें और सिंचाई परियोजनाएं हैं। ज्ञापन अनुसार, एफआरए की धारा 3(2) कहती है कि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में जो भी नियम हैं, उसके बावजूद केंद्र सरकार वन भूमि को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क जैसी जरूरी सुविधाएं बनाने को इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ग्राम सभा इसे मंजूरी दे। अक्टूबर 2020 में जारी पत्र में, पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि एफआरए की धारा 13 जो कहती है कि कानून फिलहाल लागू किसी अन्य कानून के अतिरिक्त है और उसका खंडन नहीं करता है, का तात्पर्य है कि धारा 3(2) को लागू करने के लिए वन्यजीव मंजूरी की जरूरत होगी। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अब यह स्पष्ट किया है कि एफआरए की धारा 3(2) संवैधानिक अधिकारों और सुरक्षा उपायों में निहित है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ई) और 21, साथ ही पांचवीं और छठी अनुसूचियां शामिल हैं, जो जनजातीय अधिकारों की रक्षा करती हैं। पत्र अनुसार, धारा 3(2) के तहत वन भूमि के उपयोग में बदलाव के अधिकार को धारा 2(ई), 4(1), 4(2) और 4(7) के साथ पढ़ाना चाहिए। ये प्रावधान पुष्टि करते हैं कि वन अधिकार आदिवासी और वनवासी समुदायों में ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने के लिए निहित हैं। शोधकर्ता सीआर बिजॉय ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के 2020 के पत्र का वन अधिकारियों द्वारा एफआरए की धारा 3(2) के तहत वन गांवों में बुनियादी सुविधाओं को अवरुद्ध करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जबकि राज्यों को कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

कक्षा छह में 53% विद्यार्थी ही जानते हैं 10 तक का पहाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में कर सकते हैं व्यवस्थित

शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण अनुसार कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा 6 के 53% छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था।

इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा 3, 6 और 9 के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था। तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन हुआ और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के 55% विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58% विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46%) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57% और हमारे आस-पास की दुनिया में 49% अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50% से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे। कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की।

खरगे ने किया मुर्मू-कोविंद के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा ने आरोप लगाते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा

भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे तथा उनकी पार्टी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा।

एक दिन पहले खरगे ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नामों का गलत उच्चारण किया था, लेकिन तुरंत ही गलती सुधार ली। खरगे ने सोमवार को रायपुर की जनसभा में कहा था, भाजपा हमेशा द्रौपदी मुर्मू और (रामनाथ) कोविंद को राष्ट्रपति बनाने की बात करती है, लेकिन क्या पार्टी ने ये सब हमारी संपत्ति, जंगल, जल और जमीन छीनने के लिए किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाटिया ने कहा खरगे ने रामनाथ कोविंद को कोविड और राष्ट्रपति को मुरमा कहा और राष्ट्रपति मुर्मू को भू-माफिया कहते हैं और आरोप लगाते हैं कि वह संपत्ति, जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

नेशनल हेराल्डः ईडी ने आरोपियों की दलीलों का किया विरोध

नई दिल्ली। ईडी ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों की दलीलों का विरोध किया। आरोपियों ने अपनी दलीलें पूरी कर लीं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष पेश होते हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एसवी राजू ने तर्क दिया कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन के बीच हुआ लेन-देन एक दिखावा था। संघीय एजेंसी ने सोनिया और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों के धोखाधड़ी से अधिग्रहण पर साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है।

- एजेएल और यंग इंडियन के बीच किया गया लेन-देन एक दिखावा था

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर वाला प्रतिबंध एक नवंबर तक स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का लिया निर्णय

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता पर केंद्र के आयोग ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवंबर तक स्थगित करने का निर्णय लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देशों के अनुसार, ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से ऐसे वाहनों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसको समय से पूर्व उठाया व संभावित रूप से प्रतिकूल कदम बताते हुए परिचालन और ढांचागत चुनौतियों का हवाला दिया था।

सूत्रों ने बताया कि सीएक्यूएम ने समीक्षा बैठक में दिल्ली में निर्देशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का निर्णय लिया। दिल्ली में यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इस साल एक नवंबर से शुरू होगा। दिल्ली के ईंधन स्टेशनों ने समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों का पता लगाने के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाए हैं।

तमिलनाडु में स्कूल वैन ट्रेन की चपेट में आई, तीन छात्रों की मौत

कडलूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार सुबह स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से तीन छात्रों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने इस घटना के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूली वैन टक्कर लगने से रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। रेलवे ने कहा कि वैन चालक ने देर से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि वैन चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था।

रोजगार देने के लिए नीतीश बनाएंगे बिहार युवा आयोग

पटना, एजेंसी

- मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर देने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विपक्ष के राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी के आरोपों के बीच, विस चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। यह आयोग युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देने में भूमिका निभाएगा। यह बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय भी करेगा।

दिल्ली दंगे के आरोपियों को कब तक जेल में रख सकते हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस से सवाल किया कि फरवरी 2020 के दंगों से संबंधित आतंकी मामले में आरोपियों को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है, क्योंकि मामले के पांच साल बीत गए हैं और आरोपों पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने दंगों में बड़ी साजिश से संबंधित मामले में आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस से यह सवाल किया।

चार नदियों में भीषण बाढ़ 11 नदियां खतरे से ऊपर

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को बताया कि असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चार नदियों में भीषण बाढ़ आ गई है, जबकि 11 अन्य नदियां खतरे से ऊपर बह रही हैं। किसी भी नदी ने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार नहीं किया है, जबकि असम के गोलाघाट जिले में धनसिरी (दक्षिण) और नुमालीगढ़ में नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी मंडला में खतरे के निशान से थी, हालांकि जल स्तर में कमी देखी गयी है। वहीं, महाराष्ट्र के भंडारा में वैनगंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। इनके अलावा, असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में 11 नदियां सामान्य से ऊपर हैं। उत्तर प्रदेश में एल्गिनब्रिज पर घाघरा नदी, बिहार के दुमरिया घाट पर गंडक नदी, और ओडिशा में बैतरणी तथा जलका नदियां भी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं, हालांकि इनके जल बहाव में भिन्नता देखी गई है।

गोपाल खेमका की हत्या का मुख्य संदिग्ध मुठभेड़ में ढेर

पटना, एजेंसी

- पुलिस ने मामले में पहले ही दो लोगों को किया है गिरफ्तार

उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले का प्रमुख संदिग्ध पटना के दमरिया घाट इलाके में सोमवार देर रात को पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया। संदिग्ध विकास उर्फ राजा (29) कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था।

अधिकारी ने बताया कि हत्या मामले की जांच कर रहे अधिकारियों की टीम विकास की तलाश में देर रात 2.25 बजे दमरिया घाट पहुंची। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और गोलियां चलाईं। ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह मारा गया। इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है। मौके से एक पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किए गए हैं। आशंका है कि पटना में मालसलामी निवासी विकास ने ही खेमका की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार मुहैया कराया था। पुलिस ने पहले ही उमेश राय को गिरफ्तार किया है और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिस पर सुपारी देने का संदेह है।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी व उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

तीसरे टेस्ट के लिए अंग्रेज टीम अपनी रणनीति में कर रही कई बदलाव

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो।

उन्होंने कहा यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा। 2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी। आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे। यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। पर हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इंग्लैंड के पास गुरुवार से पहले सिर्फ एक पूर्ण अभ्यास सत्र होगा क्योंकि पहले दो टेस्ट में उन्हें कुल 443 ओवर फील्डिंग करनी पड़ी है। उन्होंने मंगलवार का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रद्द कर दिया है और ब्राइडन कार्स, जॉश टंग और क्रिस वोक्स के लिए पहली प्राथमिकता उनकी रिकवरी होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम व कप्तान बेन स्टोक्स। ● एजेंसी

स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में गिरावट आई : आर्थर्टन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल आर्थर्टन ने एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम की भारत के हाथों शर्मनाक हार के बाद कहा कि बेन स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आई है, विशेषकर ऐसे समय में जब उन्हें आलोचनाओं का सामना कर रही इंग्लैंड टीम की आगे बढ़कर अगुवाई करनी चाहिए।

19 टेस्ट मैच भारत ने लॉर्ड्स में खेले हैं, जिसमें 3 जीत और 12 हार का सामना किया है

2021 में इस मैदान पर भारत ने आखिरी बार मुकाबला खेला था और इंग्लैंड को 151 रनों से हराया था

1986 में भारत को पहली जीत लॉर्ड्स में चेतन शर्मा और कपिल देव की गेंदबाजी से मिली थी

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी। ● एजेंसी

बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन, एजेंसी

जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच में सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि काम के बोझ का प्रबंधन केवल बुमराह के लिए नहीं है। हर गेंदबाज की फिटनेस, हर गेंदबाज की समस्या अलग होती है। लेकिन मुझे लगता है कि बीच में पर्याप्त आराम मिलता है।

45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया जसप्रीत बुमराह ने।

एक नजर

अर्जुन एरिगैसी और गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस में शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और विश्व चैंपियन डी गुकेश को उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले चौथे फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में क्रमशः पहली और दूसरी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में बढ़ी हुई पुरस्कार राशि और प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के टिकट दांव पर होंगे। नियमों के अनुसार, ओपन और महिला प्रतियोगिता दोनों में शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाएंगे। इस प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 30 से अधिक क्लासिकल मैच खेल हो। पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे।

हॉकी कोच फुल्टन ने प्रो लीग में हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली : भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की मंगलवार को पूरी जिम्मेदारी ली। इस हार के साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। फुल्टन ने चीजों को 'सुधारने' के साथ एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर विश्व कप में जगह बनाने का वादा किया। भारतीय टीम भुवनेश्वर में प्रो लीग के आठ घरेलू मैचों के बाद 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थी, लेकिन यूरोपीय दौरे पर वह सिर्फ तीन अंक ही जोड़ पाई।

चोटिल रऊफ और शादाब पाकिस्तान की टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें अभी तक कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

पहलवान रीतिका हुड्डा डोप परीक्षण में विफल होने पर निलंबित

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका लगा जब 2023 में देश की पहली अंडर-23 विश्व चैंपियन बनीं प्रतिभाशाली पहलवान रीतिका हुड्डा को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया और उन पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। हैवीवेट 76 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 22 वर्षीय रीतिका का 15 मार्च को एशियाई चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रायल के दौरान परीक्षण किया गया था।

हरमनप्रीत और शेफाली को सीरीज जीतने के लिए दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर, एजेंसी

● पांच मैचों की श्रंखला में भारत 2-1 से आगे चल रहा, चौथा मैच रात 11 बजे से

भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे। हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर। ● एजेंसी

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड : टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

दीप्ति टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

दुबई : भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई। टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है।

दीप्ति शर्मा ने 'द हंड्रेड' से नाम वापस लिया

दीप्ति शर्मा ने मंगलवार को अपने कार्यभार (अधिक मैच खेलने से होने वाली थकान या चोट) प्रबंधन के लिए 'द हंड्रेड' प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया। रिपोर्ट के अनुसार दीप्ति ने आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। दीप्ति अभी भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में ही है। पिछले साल छक्का लगा कर चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना

मोदीनगर, एजेंसी

● अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के मौके पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू में बताया लक्ष्य

मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है। चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है।

अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं। चानू ने

मीराबाई चानू। ● एजेंसी

कहा 2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है। उन्होंने कहा यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं। क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की।

चानू ने कहा मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओ लंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।'' चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

बुलावायो : दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी।

सिनर कोहनी की चोट के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

लंदन, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया।

यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

यानिक सिनर। ● एजेंसी

महिला एकल में मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराया

लंदन : महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा।

विश्व कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी : कोहली

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टेनिस खिलाड़ी हर सप्ताह जिस तरह की दबाव का का सामना करते हैं, उसकी तुलना क्रिकेट में केवल विश्व कप के नॉकआउट और भारत बनाम पाकिस्तान के मैच से की जा सकती है। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली ने सोमवार को अपनी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन का मैच देखने के बाद यह तुलना की। वह दिन के कार्यक्रम के दौरान टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज के साथ बातचीत कर रहे थे। कोहली पिछले कुछ समय से क्रिकेट से दूर रहने के दौरान लंदन में ही रहते हैं। उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित साक्षात्कार में कहा मुझे लगता दोनों खेलों में यह अनुभवी (दबाव की स्थितियों में) एक जैसा हो सकता है। हम इस तरह के दबाव (टेनिस खिलाड़ियों के जैसा) का सामना भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच में या विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल में महसूस करते है।

बिना वीजा चीन की यात्रा कर सकेंगे 74 देशों के नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी

- अर्थव्यवस्था के लिए चीन ने वीजा नियमों में दी ऐतिहासिक छूट

चीन ने अपने वीजा नियमों में ऐतिहासिक रूप से ढील दी है, जिससे 74 देशों के नागरिक अब बिना वीजा के 30 दिनों तक इस एशियाई देश की यात्रा कर सकते हैं। इस नीति का उद्देश्य पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

पिछले वर्ष दो करोड़ से अधिक लोग बिना वीजा के चीन गए थे, जो 2023 के मुकाबले दोगुनी संख्या है। वीजा नियमों में ढील दिए जाने के बाद अब विदेशी पर्यटक चीन जा रहे हैं। ऑस्ट्रिया में रह रहे जॉर्जिया के एक नागरिक जॉर्जी शावाद्जे ने बीजिंग में 'टेम्पल ऑफ हेवन' की अपनी हालिया यात्रा के बारे में कहा, यह वास्तव में यात्रा को आसान बनाता है क्योंकि वीजा के लिए आवेदन करना और उसकी पूरी प्रक्रिया से गुजरना एक झंझट होता था।

कोविड-19 के कारण लगे कड़े प्रतिबंधों को हटाने के बाद चीन ने 2023 की शुरुआत में पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं फिर खोल दी थीं, लेकिन उस वर्ष 1.38 करोड़ लोग ही चीन गए थे, जो पहले 2019 के 3.19 करोड़ के आधे से भी कम है। दिसंबर 2023 में चीन ने फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन और मलेशिया के लिए बिना वीजा के यात्रा की घोषणा की थी। तब से अधिकतर यूरोपीय देशों को यह सुविधा मिल चुकी है तथा 16 जुलाई को अजरबैजान के जुड़ने से इन देशों की संख्या 75 हो जाएगी।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 18 लापता

काठमांडू। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मुख्य पुल सोमवार देर रात ध्वस्त हो गया और 18 लोग लापता हो गए हैं।

चीन में लगातार मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई, जिसके बाद से 18 लोग लापता हैं। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। छह चीनी नागरिकों सहित 18 लोग लापता हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम ने दो पुलिसकर्मियों सहित 11 लोगों को बचाया।

धार्मिक आस्था से राजनीति तक

कांवड़ यात्रा में 'पहचान के विवाद'

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन और सरकारों के सामने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था जैसी कई चुनौतियां पहले से रही हैं लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कांवड़ मार्गों पर मुस्लिमों की हिंदू नामों से खाने-पीने की चीजों की दुकानों को लेकर होने वाले विवाद सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इस तरह के विवाद सामाजिक और धार्मिक ही नहीं, राजनीतिक स्तर पर काफी चर्चा में रहे हैं। दरअसल, इस विवाद के कई अलग-अलग पहलू हैं जिनमें धार्मिक आस्था, सुरक्षा, प्रशासनिक निर्णय और राजनीतिक ध्रुवीकरण प्रमुख हैं। कुछ साल पहले ही शुरुआत के बाद इन विवादों ने इस कदर तूल पकड़ा है कि राज्य सरकारों को इस पर कड़े नियम-कायदे बनाने के लिए विवश होना पड़ा है। हालांकि, इसके बाद भी ये विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं।

विवादों का मूल कारण- नाम छिपाना

नाम छिपाना इन विवादों का मूल कारण हैं। कुछ हिंदू संगठनों और यात्रियों का आरोप है कि कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र हिंदू धार्मिक आयोजन में मुस्लिम दुकानदारों की उपस्थिति धार्मिक भावना को ठेस पहुंचा सकती है। उनका दावा है कि ये लोग जानबूझकर दूषित वस्तुएं या अशुद्ध जल का इस्तेमाल कर कांवड़ियों की धार्मिक आस्था को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ संगठन ये आशंका भी जताते रहे हैं कि इस माध्यम से धर्म का प्रचार या धर्मांतरण का प्रयास हो सकता है, हालांकि इसका कभी कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है।

पिछले वर्षों में प्रमुख विवाद

- हरिद्वार में वर्ष 2022 में हरकी पौड़ी के पास मुस्लिम दुकानों को बंद कराने की मांग की गई थी। कुछ दुकानों में तोड़फोड़ भी की गई।
- मेरठ में वर्ष 2023 में कांवड़ मार्ग पर एक फूड स्टॉल को नाम छुपाकर व्यापार करने के आरोप में हटाया गया। प्रशासन ने उसका लाइसेंस निरस्त किया।
- मुजफ्फरनगर में वर्ष 2024 में बजरंग दल ने मुस्लिम दुकानदारों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी जिसके बाद कई दुकानों को जबरन हटाया गया।
- सहारनपुर में पिछले साल कांवड़ यात्रा से पहले प्रशासन ने सर्कुलर जारी किया कि सभी दुकान लगाने वालों को धार्मिक पहचान के साथ थाने में पंजीकरण कराना होगा। कुछ मुस्लिमों को जांच के बाद अनुमति भी नहीं दी गई। इस पर एआईएमआईएम ने मुस्लिम दुकानदारों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

प्रतिक्रियाएं भी हैं...

विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों ने इसे संविधान और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया है। कुछ संगठनों का कहना है कि यह आर्थिक बहिष्कार और धार्मिक भेदभाव है, जो अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाता है।

सरकारों को बनाने पड़े नियम

- **उत्तर प्रदेश में** इन विवादों की वजह से वर्ष 2022 से इस तरह के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी बढ़ाई गई। अब नए दुकानदार को अनुमति देने से पहले जांच की जाती है। एफएसडीए ने नया नियम लागू किया है, इसके तहत हर दुकानदार को अपनी दुकान पर क्यूआर कोड युक्त प्रपत्र प्रदर्शित करना होगा।
- **उत्तराखंड में** हरिद्वार और ऋषिकेश में यात्रा मार्गों पर प्रशासन की पूर्व अनुमति से ही दुकान लगाई जा सकती है। धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की चेतावनी दी गई है। धार्मिक पहचान छुपाकर व्यापार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान जोड़ा गया है।

- कुछ सामाजिक संगठनों का सवाल है कि क्या धर्म के आधार पर व्यापार का अधिकार छीना जा सकता है।
- प्रशासन का पक्ष है कि ये सुरक्षा के मद्देनजर है। यात्रा में लाखों लोग आते हैं, संदिग्ध नामों की जांच जरूरी है।

एक नजर

केन्या : विरोध प्रदर्शनों में 10 की मौत, 28 घायल

नैरोबी। केन्या में प्रदर्शन के दौरान सोमवार को सुरक्षा अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 लोगों की गोली लगने से मौत हो गयी, जबकि अन्य 29 घायल हो गए। इस घटना में देशभर में अशांति फैल गई है। केन्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के 17 काउंटियों में 37 लोगों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दी है। केएनसीएचआर ने कहा कि लूटपाट और नुकसान के मद्देजर प्रमुख शहरों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। छह काउंटियों में लूटपाट की घटनाएं हुईं, मध्य केन्या में आपराधिक तत्वों द्वारा कुछ सरकारी कार्यालयों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

पेशावर में आग की घटना में पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर शहर में आग लगने की एक भीषण घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो दमकल कर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को खैबर पख्तूख्वा प्रांत में भीड़भाड़ वाले जन इमामबाड़गाह इलाके में स्थित एक मकान में आग लग गई। आपातकालीन सेवा ने बताया कि उन्होंने घर से छह लोगों को बाहर निकाला, जिनमें से पांच की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जान बचाने की कोशिश में दो दमकलकर्मी भी घायल हो गए।

स्विट्जरलैंड: बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा मंजूर

बर्न। स्विट्जरलैंड ने दावा निर्माता कंपनी नोवार्टिस की बच्चों के लिए मलेरिया की नयी दवा 'कॉर्टेम बेबी' को मंजूरी प्रदान कर दी है। कॉर्टेम नवजात बच्चों और शिशुओं पर इस्तेमाल के लिए उपयुक्त दुनिया की पहली मलेरिया दवा है। मलेरिया से संबंधित मौतों में से अधिकांश पांच साल से कम आयु वर्ग होती हैं। उम्मीद की जा रही है कि अफ्रीका में अगले कुछ हफ्तों में इस दवा का उत्पादन और वितरण शुरू हो जायेगा। मलेरिया से संबंधित अधिकांश मौतें अफ्रीकी महाद्वीप में दर्ज की जाती हैं। वर्ष 2023 में दुनिया भर में मलेरिया से पांच लाख से अधिक मौतें हुईं।

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स ने बताया कि यूनान के स्वामित्व वाली इटरनिटी सी पर हुए हमले में एक घायल व्यक्ति को अपना पैर भी गंवाना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि हमला सोमवार रात से शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक जारी रहा।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव से भारत ने बनाई दूरी

नहीं किया मतदान, कहा- सामान्य तौरतरीकों से परिणाम मिलना मुश्किल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा, सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों।

ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ।

दंडात्मक उपायों पर एकतरफा रुख नहीं चल सकता

हरीश ने कहा, हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति आतंकी संगठनों और उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं, वे अब आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के संदर्भ में कही।

संरा महासचिव गुटेरेस से मिले पीएम मोदी

रियो डी जेनेरियो। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील यात्रा के दौरान रियो डी जेनेरियो में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर सोमवार रात मोदी ने गुटेरेस के अलावा चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और न्यू डेवलेपमेंट बैंक की अध्यक्ष तथा ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ के साथ मुलाकात की तथा विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। मोदी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , कल रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से बातचीत की।

मसौदा प्रस्ताव में क्षेत्रीय सहयोग का उल्लेख करते हुए अफगानों की भलाई के लिए पड़ोसी, क्षेत्रीय साझेदारों तथा क्षेत्रीय संगठनों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसमें भारत, ईरान और तुर्किये जैसे देशों द्वारा दिए जाने वाले शैक्षिक अवसरों के साथ कजाखस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में अफगानों की उच्चशिक्षा तक पहुंच में मदद करने के कार्यक्रम भी शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत की तात्कालिक प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता का प्रावधान शामिल है।

भारत की आकाश वायु रक्षाप्रणाली खरीदने से पीछे हटा ब्राजील

ब्राजीलिया। ब्राजील के एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील सरकार भारत से आकाश वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने की योजना से पीछे हट गई है और एक अधिक उन्नत प्रणाली के लिए इटली के साथ सौदेबाजी कर रही है।

- ज्यादा उन्नत वायु रक्षा प्रणाली खरीदने को इटली से शुरू किया सौदा

यह रिपोर्ट ऐसे समय प्रकाशित हुई है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की यात्रा पर हैं। 'रियो टाइम्स' ने सरकारी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में लिखा है कि ब्राजील का आकाश रक्षा प्रणाली खरीदने की योजना को छोड़ने का कदम दिखाता है कि ब्राज़ील अपने फायदे के लिए भारत जैसे ब्रिक्स के साथियों से मुंह मोड़ कर पश्चिमी देशों के आपूर्तिकर्ताओं के साथ हाथ मिलाने में परहेज नहीं करेगा।

गौरतलब है कि इस समय ब्राज़ील की सेना अपनी पुरानी वायु रक्षा की जगह कोई उन्नत प्रणाली हासिल करना चाह रही है। उसकी वर्तमान प्रणाली केवल 3,000 मीटर की ऊंचाई तक ही लक्ष्य साध सकती है। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि भारतीय कंपनियों ने ब्राजील के लिए आकाश मिसाइल प्रणाली की पेशकश की थी।

विमान पर लेजर हमले के बाद जर्मनी ने चीनी राजदूत को किया तलब

बर्लिन, एजेंसी

- यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स के तहत लाल सागर के ऊपर उड़ान भर रहा था विमान

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीनी युद्धपोत द्वारा लाल सागर में एक जर्मन विमान पर लेजर का इस्तेमाल करने के विरोध में चीन के राजदूत को तलब किया है। जर्मन रक्षा मंत्रालय ने कहा कि निगरानी विमान यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य यमन स्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से नागरिक जहाजों की बेहतर सुरक्षा करना है।

जर्मन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक चीनी युद्धपोत द्वारा बिना किसी कारण या पूर्व संपर्क के इस पर लेजर से हमला किया गया। ऐसा इस क्षेत्र में कई बार हुआ था। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, लेजर का उपयोग करके युद्धपोत ने लोगों और सामग्री को खतरे में डालने का जोखिम स्वीकार किया है। एहतियात के तौर पर विमान का मिशन रद्द कर दिया गया। विमान जिबूती में बेस पर सुरक्षित उतरा और चालक दल के सदस्य स्वस्थ हैं।

मंत्रालय ने कहा कि विमान का संचालन एक असैन्य वाणिज्यिक सेवा प्रदाता द्वारा किया जा रहा था, लेकिन इसमें जर्मन सेना के जवान भी शामिल थे, तथा इसने लाल सागर में यूरोपीय संघ मिशन के साथ अपना परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। जर्मन विदेश कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जर्मन कर्मियों को खतरे में डालना और ऑपरेशन को बाधित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

फिलीपीन ने भी चीन के राजदूत को तलब किया

मनीला। चीन ने फिलीपीन के एक पूर्व सांसद पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके बाद मनीला में चीन के राजदूत को तलब किया गया है। सांसद विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों की आलोचना करते रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह फिलीपीन के पूर्व सांसद फ्रांसिस टॉलेंटिनो के चीन तथा उसके क्षेत्रों हांगकांग और मकाऊ में प्रवेश पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा रहा है।

एक्स खातों पर रोक लगाने का आग्रह करने से भारत का इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक्स ने किया था दावा, भारत सरकार ने की थी 2300 से ज्यादा खाते अवरुद्ध करने की मांग

सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने देश में कुछ 'एक्स' खातों तक पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए कोई नया अनुरोध नहीं किया है और उसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय 'वायर' एजेंसी पर लगी रोक को सफलतापूर्वक हटवा दिया है। यह बयान तब आया जब एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच ने दावा किया कि भारत सरकार ने तीन जुलाई को देश में 2,300 से ज़्यादा 'एक्स' हैंडल को अवरुद्ध करने की मांग की थी। दावा किया गया कि इस सूची में भारत में रॉयटर्स एजेंसी का हैंडल भी शामिल था।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, सरकार ने तीन जुलाई 2025 को कोई नया आदेश जारी नहीं किया है और रॉयटर्स तथा रॉयटर्सवर्ल्ड सहित किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल को अवरुद्ध करने का कोई इरादा नहीं है।

एक्स ने कही थी कानूनी विकल्पों पर गौर करने की बात

'एक्स' ने कहा, हम इन अवरुद्ध आदेशों के कारण भारत में जारी 'प्रेस सेंसरशिप' को लेकर बहुत चिंतित हैं। एक्स सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन कार्यकारी आदेशों के खिलाफ कानूनी चुनौती पेश करने की 'एक्स' की क्षमता भारतीय कानून द्वारा प्रतिबंधित है... हम प्रभावित उपयोगकर्ताओं से न्यायालयों के माध्यम से कानूनी उपाय करने का आग्रह करते हैं। सरकारी प्रवक्ता ने 'एक्स' के दावों का खंडन किया। रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को भारत में कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था।

महिलाओं पर जुल्म के लिए तालिबान नेताओं के खिलाफ वारंट

हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने चार साल पहले सत्ता पर काबिज होने के बाद से महिलाओं और लड़कियों पर अत्याचार करने के आरोप में तालिबान के सर्वोच्च नेता और अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

वारंट में नेताओं पर लिंग, लिंग पहचान या अभिव्यक्ति पर तालिबान की नीति का पालन न करने वाले व्यक्तियों को प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें लड़कियों और महिलाओं के सहयोगी माने जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध राजनीतिक आधार पर अत्याचार का भी आरोप लगाया गया है। ये वारंट तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुनजादा और अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ जारी किए गए हैं।

स्पेन में बैलों की दौड़

स्पेन के पैम्प्लोना में सैन फर्मवान उत्सव में बैल दौड़ के दूसरे दिन सेबाडा गागो खेत से बैलों के साथ दौड़ते लोग। स्पेन में यह एक लोकप्रिय उत्सव है जो पैम्प्लोना शहर में होता है। इस उत्सव में लोग बैलों के एक समूह के सामने दौड़ते हैं जो उन्हें बुलरिंग तक ले जाने के लिए शहर की संकरी गलियों से होकर गुजरते हैं। इस खतरनाक खेल में हर साल कई लोग घायल हो जाते हैं, कुछ की जान भी चली जाती है। एजेंसी

आपमें से कई अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर जा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेडियो बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों से बोले शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रेडियो के माध्यम से बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों के एक समूह से कहा, आप में से कई भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर भी जा सकते हैं।

कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके शुक्ला मेघालय और असम के सात स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत कर रहे थे, जो अंतरिक्ष यात्री से बात करने के दुर्लभ अवसर के लिए शिलांग में उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक) में एकत्र हुए थे। विद्यार्थियों ने शुक्ला को 20 प्रश्न भेजे थे, और उन्होंने 10 मिनट के समय में हैम रेडियो के माध्यम से विद्यार्थियों से संपर्क किया तथा आईएसएस पर अपने अनुभव, अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष में स्वस्थ रहने के बारे में अपने विचार साझा किए।

शुक्ला ने कहा, उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर जीवन सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर सेट घड़ी से संचालित होता है। शुक्ला ने कहा, हम सूर्य का अनुसरण नहीं करते। आईएसएस पर हम हर दिन 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, क्योंकि हम हर 90 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं। हमारी गतिविधियां सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि जीएमटी से संचालित होती हैं।

प्रसव कराने वाले सैन्य अधिकारी को सेना प्रमुख ने सराहा

नई दिल्ली। झांसी रेलवे स्टेशन पर अत्यंत पीड़ा से जूझ रही महिला का प्रसव कराने वाले मेजर बचवाला रोहित की सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कर्तव्य से परे जाकर दिखाई गई निःस्वार्थ प्रतिबद्धता के लिए सराहना कर उन्हें सम्मानित किया।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पांच जुलाई को झांसी के सैन्य अस्पताल से गृहनगर हैदराबाद छुट्टी पर जाते समय मेजर बचवाला की नजर स्टेशन पर एक महिला पर पड़ी जो तेज प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी। सेना ने कहा, असाधारण चिकित्सकीय कौशल से मेजर रोहित ने प्लेटफार्म पर ही एक तौलिया, चाकू और हेयर क्लिप सहित उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कर आपातकालीन प्रसव कराया। सेना ने उस महिला की तस्वीर भी साझा की, जिसकी मेजर ने सहायता की।

शोध रिपोर्ट | 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' ने वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे लोगों के बारे में जताया अनुमान

आठ से 17 वर्ष उम्र के डेढ़ करोड़ लोगों को कैंसर का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जीवन में कभी न कभी पेट के कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं और ऐसे लोगों की सर्वाधिक संख्या चीन के बाद भारत में होगी। एक शोध रिपोर्ट में यह अनुमान व्यक्त किया गया है।

शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि इन अनुमानित डेढ़ करोड़ कैंसर मरीजों में से दो-तिहाई लोग एशियाई देशों के हो सकते हैं, जबकि इसके बाद अमेरिका और अफ्रीका का स्थान आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकीय डेटा के आधार पर अनुमानित मृत्यु दर के साथ-साथ 'जीएलओबीओसीएएन' (ग्लोबोकैन)-2022 के डेटाबेस का उपयोग करके 185 देशों में 'गैस्ट्रिक कैंसर' यानी पेट के कैंसर की घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

'नेचर' मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लेखकों ने कहा, विश्व स्तर पर इस अवधि में जन्मे 1.56 करोड़ लोगों को जीवन में कभी न कभी पेट का कैंसर होने की आशंका है, जिनमें से 76 प्रतिशत लोगों में कैंसर का कारण हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (बैक्टीरिया) बनेगा। पेट में पाए जाने वाले एक सामान्य बैक्टीरिया 'हेलिकोबैक्टर पाइलोरी' के कारण होने वाला लगातार संक्रमण पेट के कैंसर का मुख्य कारण माना जाता है, जो दुनिया में कैंसर से होने वाली मौतों का पांचवां प्रमुख कारण है। लेखकों ने 'गैस्ट्रिक कैंसर' (पेट का कैंसर) की रोकथाम में और अधिक निवेश करने का आह्वान किया विशेष रूप से जनसंख्या के स्तर पर जांच और जीवाणु संक्रमण का उपचार करने के माध्यम से। इस तरह के कैंसर को प्रभावी उपचार के माध्यम से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं और बुजुर्गों में बढ़ती घटनाएं पेट के कैंसर के मामलों और इससे जुड़ी मृत्यु दर को कम करने के हाल के प्रयासों पर पानी फेर सकती है।

हालांकि, शोधकर्ताओं की ओर से अपनी रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अगर आबादी में पेट के कैंसर को नियंत्रित करने के पर्याप्त उपाय किए जाते हैं, जैसे कि जीवाणु संक्रमण की जांच और उपचार, तो अनुसंधान में पाया कि रोग के प्रत्याशित मामलों को 75 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

एशिया में पेट के कैंसर के आएंगे 1.06 करोड़ नए केस

'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं के अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि एशिया में पेट के कैंसर के 1.06 करोड़ नए मामले सामने आएंगे, जिनमें से 65 लाख मामलों के भारत और चीन में होने की आशंका है। इस अनुमान के मुताबिक, पेट के कैंसर को नियंत्रित करने के मौजूदा उपायों में कोई बदलाव नहीं होने पर भारत में ऐसे मामले 16,57,670 तक पहुंच सकते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उप-सहारा अफ्रीका (जहां वर्तमान में पेट के कैंसर का बोझ अपेक्षाकृत कम है) भविष्य में 2022 के अनुमानों की तुलना में कम से कम छह गुना अधिक ऐसे मरीजों का बोझ देख सकता है।